कार्तिक कृष्ण - 2 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 124 ▪ पृष्ठ - 12 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 29-11-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

UTPAL INFRA PROJECT LLP
रेरा रजि. नं. RAJ/P/2022/2141
www.rera.rajasthan.gov.in

मुख्यमंत्री जन आवास योजना

मानसरोवर विस्तार

जयपुर में आवासीय फ्लैट्स

के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

आवेदन की अंतिम तिथि
02 दिसम्बर 2023

3BHK पंजीकरण राशि 95,000
कुल राशि 43 लाख*

केंद्रीय, राज्य कर्मचारीयों व प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए दो लाख रुपये की विशेष छूट।

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना - 3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रियल एस्टेट रेगुलेशन एक्ट में पंजीकृत आवासीय योजना

उत्पल मानसरोवर विस्तार, जयपुर

80% तक लोन उपलब्ध

विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

*नियम व शर्तें लागू

फॉर्म भरने का स्थान

बैंगलोर
37th Crescent Hotel
Near 37, Crescent Rd, High Grounds,
Gandhi Nagar, Bengaluru
9358150067, 9251625252

ऑनलाइन आवेदन हेतु
www.cmjanaawas.com

'क्षेत्रीय भाषाओं में फैसला उपलब्ध कराने के शीर्ष अदालत के कदम को अन्य देश भी अपना सकते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने मंगलवार को कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं में फैसला उपलब्ध कराने के उच्चतम न्यायालय के कदम को अन्य देश भी अपना सकते हैं।

'गरीबों की गुणवत्तापूर्ण कानूनी सहायता तक पहुंच सुनिश्चित करना: ग्लोबल साउथ में चुनौतियां एवं अवसर' विषयक कार्यक्रम के समापन सत्र को यहां संबोधित करते हुए कानून मंत्री ने कहा, ''सोमवार को हुई मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक में कई सहभागियों ने कहा कि वे भी क्षेत्रीय भाषाओं में अपनी-अपनी शीर्ष अदालतों का आदेश उपलब्ध कराना चाहते हैं।''

मंत्री ने कहा, ''जब मैंने कहा कि जी, बिल्कुल, तो उन सभी ने कहा कि वे शतप्रतिशत राजी हैं।'' उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि वह इस पहल के लिए भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को धन्यवाद दें।

प्रधान न्यायाधीश ने हाल ही में कहा था कि उच्चतम न्यायालय अंग्रेजी में लिखे जाने वाले फैसलों को क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराने के लिए कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल करेगा।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा था कि फैसले लिखने के लिए इस्तेमाल में लायी जाने वाली भाषा अंग्रेजी ''हमारे 99.9 प्रतिशत नागरिकों को खासकर उसके कानूनी अवतार में' समझ में नहीं आती है।'' उन्होंने कहा था कि शीर्ष अदालत प्रारंभ में फैसलों का चार भाषाओं--हिंदी, तमिल, गुजराती और ओडिया में अनुवाद करने पर बल देगी और धीरे-धीरे सभी अनुसूचित भाषाओं में फैसले उपलब्ध कराये जायेंगे।

कुछ उच्च न्यायालयों ने अंग्रेजी के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में फैसले देने भी लगे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ एवं अन्य वरिष्ठ न्यायाधीशों की उपस्थिति में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेघवाल ने कहा कि भाषा लंबे समय से कुछ लोगों के लिए एक 'समस्या' रही है और वे अक्सर अपनी भाषा में फैसला चाहते हैं।

वैश्विक आपदा प्रबंधन सम्मेलन में प्रधानमंत्री के अनुभवों पर आधारित पुस्तक का विमोचन

देहरादून/भाषा। यहां आयोजित छठे वैश्विक आपदा प्रबंधन सम्मेलन में मंगलवार को 'रेजिलिएंट इंडिया: कैसे भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत का आपदा प्रबंधन माडल बदला' शीर्षक से प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया गया। यहां आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन के उदघाटन सत्र में प्रधानमंत्री के अनुभवों पर आधारित पुस्तक का विमोचन करने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस पुस्तक में भारत में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में हुई प्रगति के बारे में विस्तार से बताया गया है ।

धामी ने कहा, ''इस पुस्तक में विस्तार से बताया गया है कि आपदा के संबंध में किस त्वरित गति से भारत तैयार हुआ है और उसकी तकनीकी बढ़ी है।'' उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार प्रकट किया तथा कहा कि सम्मेलन में इस विशिष्ट पुस्तक के विमोचन का अवसर देने के लिए वह प्रधानमंत्री का आभार प्रकट करते हैं।

किसान नेताओं ने अपनी मांगों को लेकर पंजाब के कृषि मंत्री से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। किसानों के प्रतिनिधियों ने संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले जारी अपने तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन के आखिरी दिन मंगलवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां से मुलाकात की। किसानों के प्रतिनिधि विभिन्न मांगों के सिलसिले में अब राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से मिलेंगे।

फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित अपनी विभिन्न मांगों को स्वीकार करने का केंद्र पर दबाव डालने के लिए बड़ी संख्या में किसान मोहाली-चंडीगढ़ सीमा पर एकत्र हुए हैं। किसान अब निरस्त हो चुके कृषि कानूनों के खिलाफ 2020-21 के आंदोलन के दौरान उनके खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने, आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों के लिए मुआवजा और किसी एक सदस्य के लिए नौकरी, कर्ज माफी तथा पेंशन की भी मांग कर रहे हैं।

खुड्डियां ने पंजाब के किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल से यहां मुलाकात के बाद संवाददाताओं को बताया कि किसानों ने कहा है कि वे विभिन्न मांगों के संबंध में चार दिसंबर तक राज्य सरकार को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों के प्रतिनिधि 19 दिसंबर को पंजाब के मुख्यमंत्री से भी मिलेंगे। पंजाब के किसान नेता रुलदू सिंह मानसा ने कहा कि राज्य सरकार से संबंधित मांगों को लेकर कृषि मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा गया, जबकि एक विस्तृत ज्ञापन चार दिसंबर तक दिया जाएगा।

चौहान को लाडली बहना योजना पर भरोसा

मप्र में पांचवीं बार भाजपा का परचम फहराने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विश्वास जताया है कि भारतीय जनता पार्टी राज्य में पांचवीं बार सरकार बनाएगी। मप्र में इस महीने की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हुए हैं तथा मतों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

महिलाओं के लिए अपनी सरकार की प्रमुख 'लाडली बहना योजना' का जिक्र करते हुए, चौहान ने सोमवार रात कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने ईमानदारी से प्रयास किए हैं और लाडली बहना (योजना के लाभार्थियों) ने पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी बाधाओं को दूर कर दिया है। वह सीहोर जिले में अपने गृह क्षेत्र बुधनी में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। राज्य विधानसभा चुनाव 17 नवंबर को हुए थे और वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। चौहान के नेतृत्व वाली प्रदेश भाजपा सरकार ने सबसे पहले इस साल मार्च में लाडली बहना योजना की घोषणा की, जिसके तहत पात्र महिलाओं को 1,250 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं और जून से वित्तीय सहायता का वितरण शुरू किया गया। शुरुआत में इस योजना के तहत महिलाओं को 1,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही थी और अगस्त में इसे बढ़ाकर 1,250 रुपये कर दिया गया। भाजपा ने इससे पहले राज्य में 2003, 2008, 2013 और 2020 में सरकार बनाई थी।

चौहान ने विश्वास जताते हुए कहा कि भाजपा तीन दिसंबर को मप्र में पांचवीं बार सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा,''इसमें (सरकार बनाने को लेकर) कोई संदेह नहीं है। कहा जा रहा है कि कांटे की टक्कर है। ऐसी कोई स्थिति नहीं है। कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की है और लाडली बहनों (योजना के लाभार्थियों) ने सभी 'कांटे' (बाधाएं) दूर कर दिए हैं।

तेलंगाना में केसीआर की 'वारंटी खत्म' हुई, कांग्रेस की 'गारंटी' का समय शुरू: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर राज्य के लोगों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि उनकी 'वारंटी' अब 'समाप्त' हो गई है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राज्य में हैदराबाद के बाहर विकास नहीं हुआ। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, तेलंगाना राज्य का गठन प्रदेश के सभी क्षेत्रों और जिलों में विकास लाने के लिए किया गया था। नौ साल बाद, हैदराबाद और उसके आसपास ही विकास हुआ है। तेलंगाना राज्य का गठन स्थानीय युवाओं के लिए रोज़गार के मौके सुनिश्चित करने के लिए किया गया था, लेकिन नौ साल बाद भी तेलंगाना में देश में सबसे ज्यादा बेरोज़गारी दर है। उन्होंने कहा कि कांस्टेबल को छोड़कर तेलंगाना राज्य लोकसेवा आयोग के ज़रिए कोई अहम भर्ती नहीं हुई है। कांग्रेस नेता ने कहा, तेलंगाना राज्य का गठन सामाजिक न्याय को बढ़ाने के लिए किया गया था। इसके गठन का उद्देश्य राज्य के दलितों, आदिवासियों, पिछड़ी जातियों और अल्पसंख्यकों को शासन में हिस्सेदारी प्रदान करना था। नौ साल तक राज्य पर हर तरह से केसीआर, उनके बेटे, भतीजे और बेटी का नियंत्रण रहा है। उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले कहा, इन नौ वर्षों के पूर्ण विश्वासघात के बाद, लोग कह रहे हैं...। केसीआर की 'वारंटी' खत्म हुई। कांग्रेस की छह गारंटी के लिए समय शुरू हुआ।

राहुल अधिक नौकरियां देने की बात साबित कर दें, राजनीति छोड़ दूंगी: कविता

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान परिषद सदस्य के. कविता ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष साबित कर दें कि उनकी पार्टी के शासन वाले किसी भी राज्य में तेलंगाना से एक भी अधिक नौकरी दी गई तो वह राजनीति छोड़ देंगी।

तेलंगाना कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता भट्टी विक्रमार्क ने एक मंदिर में हलफनामे पर दस्तखत करके तेलंगाना की जनता के लिए छह गारंटी लागू करने की शपथ ली है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कविता ने कहा कि कांग्रेस बहुत अविवेकपूर्ण और बेतुके वादे करती है। उन्होंने कहा, ''मैं राहुल गांधी जी और कांग्रेस पार्टी को चुनौती देना चाहती हूं। यदि किसी कांग्रेस शासित राज्य में आपने तेलंगाना सरकार के मुकाबले कम से कम एक भी अतिरिक्त नौकरी दी होगी तो मैं व्यक्तिगत रूप से राजनीति से संन्यास ले लूंगी। लेकिन अगर राहुल गांधी यह साबित नहीं कर पाए तो क्या राजनीति से इस्तीफा देंगे? यदि आप यह साबित नहीं कर सकते तो तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं से झूठ मत बोलिए। लोगों को धोखा मत दीजिए, हलफनामे भरकर हमारे लोगों को मत ठगिए।'' उन्होंने कहा कर्नाटक में उसके सभी 223 उम्मीदवारों ने जनता को शपथ-पत्र दिए थे, लेकिन राज्य में उन्होंने जो पांच वादे किए थे, उनमें से एक भी सच साबित नहीं हुआ है और एक पर भी अब तक काम नहीं हो रहा। कविता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने कर्नाटक विस चुनाव से पहले वादा किया था कि वह सरकार बनने के 100 दिन के अंदर 2.60 लाख पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर देगी, लेकिन आज तक कुछ नहीं शुरू हुआ।

टाटा पावर तीन वर्षों में 60,000 करोड़ रु. निवेश करेगी: सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि कंपनी अगले तीन वर्षों में 60,000 करोड़ रुपये निवेश करेगी जिसका आधा हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में लगाया जाएगा।

सिन्हा ने संवाददाताओं के साथ बातचीत में यह जानकारी देते हुए कहा कि इस अवधि में कंपनी कोयला पर आधारित किसी नई संयंत्र को नहीं जोड़ेगी। उन्होंने कहा कि टाटा पावर वित्त वर्ष 2023-24 में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर करीब 20,000 करोड़ रुपये हो जाएगा। इसके वित्त वर्ष 2025-26 में 22,000 करोड़ रुपये और 2026-27 में 23,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। इस तरह अगले तीन वित्त वर्षों में टाटा पावर का कुल पूंजीगत व्यय 60,000 करोड़ रुपये से अधिक रहेगा।

सिन्हा ने कहा कि 13,000 करोड़ रुपये के निवेश से 2,800 मेगावाट की दो जल-विद्युत पंप भंडारण परियोजनाएं (पीएसपी) स्थापित करने की पिछली घोषणा के साथ ही कंपनी ने 9,000 मेगावाट क्षमता वाली ऐसी तीन अन्य परियोजनाएं भी चिह्नित की हैं। ये परियोजनाएं महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के पोटलपली, कटालधारा और नेनावली में मौजूद हैं। इसके साथ ही कंपनी ने भिवपुरी और शिरवटा स्थित दो पीएसपी से पैदा होने वाली बिजली के लिए कोई खरीदा समझौता नहीं किया है। उन्होंने इन परियोजनाओं को सौर और पवन ऊर्जा क्षमता से जोड़ने के भी संकेत दिए।

अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में उछाल, अडाणी टोटल गैस 20 प्रतिशत चढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में मंगलवार को उछाल आया। अडाणी टोटल गैस का शेयर 20 प्रतिशत चढ़ा। समूह की सभी 10 सूचीबद्ध कंपनियों के शेयर बढ़त में रहे।

उच्चतम न्यायालय के शुक्रवार को हिंडनबर्ग मामले में टिप्पणी और फैसला सुरक्षित रखे जाने के बाद से ही अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में तेजी है। बीएसई पर अडाणी टोटल गैस के शेयर में 20 प्रतिशत की तेजी आई। वहीं अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में 19.06 प्रतिशत, अडाणी पावर के शेयर में 12.32 प्रतिशत, अडाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर में 12.27 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में 11.73 प्रतिशत, अडाणी विल्मर के शेयर में 9.96 प्रतिशत और अडाणी एंटरप्राइजेज में 8.66 प्रतिशत की तेजी आई। अडाणी पोर्ट्स के शेयर में 5.20 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 4.22 प्रतिशत और एसीसी में 2.62 प्रतिशत की तेजी आई।

इंदिरा गांधी का शासन 'मुठभेड़ों और हत्याओं' से भरा था : के चंद्रशेखर राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वारंगल (तेलंगाना)/भाषा। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने कांग्रेस द्वारा तेलंगाना की सत्ता में आने पर 'इंदिरम्मा राज्यम' (पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का शासन) वापस लाने संबंधी टिप्पणी को लेकर मंगलवार को विपक्षी पार्टी के नेताओं पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री का शासन 'मुठभेड़ों, गोलीबारी और हत्याओं' से भरा हुआ था।

तेलंगाना विधानसभा के लिए 30 नवंबर को होने वाले मतदान में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) उम्मीदवारों के पक्ष में यहां आयोजित अपनी 95वीं चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि अगर उनकी पार्टी फिर से सत्ता में आती है, तो शहर को अतिरिक्त नागरिक बुनियादी ढांचे के साथ विकसित किया जाएगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि अगर बीआरएस राज्य में सत्ता में आती है, तो वृद्धावस्था पेंशन मौजूदा 2,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये प्रति माह कर दी जाएगी। इंदिरा गांधी के शासन का संदर्भ देते हुए राव ने आरोप लगाया, ''आज कांग्रेस के लोग कह रहे हैं कि अगर वे जीते तो इंदिराम्मा राज्यम लाएंगे। इंदिराम्मा राज्यम कौन चाहता है? इंदिराम्मा राज्यम में क्या हुआ था? यदि यह इतना अच्छा होता, तो एनटीआर (आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव) को पार्टी क्यों बनानी पड़ती और दो रुपये प्रति किलोग्राम चावल की पेशकश क्यों करनी पड़ती। इंदिराम्मा राज्यम आपातकाल, मुठभेड़ों, गोलीबारी और हत्याओं से भरा था।'' उन्होंने आरोप लगाया कि 1969 में कांग्रेस शासन के दौरान तेलंगाना को अलग राज्य बनाने के आंदोलन के दौरान लगभग 400 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जहां तक प्रति व्यक्ति आय का सवाल है, आज तेलंगाना देश में शीर्ष स्थान पर है, यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गृह राज्य गुजरात से भी आगे है। उन्होंने कहा कि यहां एक विशाल टेक्सटाइल पार्क बन रहा है जो एक लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करेगा।

चंद्रशेखर राव ने कहा, ''चूंकि यह (वारंगल) तेलंगाना का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, हम इस शहर में कई उद्योग लाएंगे।''

इतिहास और जनता फैसला करेगी कि कौन युगपुरुष और महापुरुष है : राउत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के महात्मा गांधी को 'महापुरुष' और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'युगपुरुष' कहकर संबोधित करने के एक दिन बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि इसका फैसला इतिहास और जनता करेगी। राउत ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि महात्मा गांधी को दुनिया पूजती है। राउत ने कहा, ''इतिहास, जनता ये फैसला करेगी कि कौन पुरुष, युगपुरुष और महापुरुष है।'' धनखड़ ने सोमवार को कहा था, ''महात्मा गांधी ने सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से अंग्रेजों की गुलामी से हमें मुक्त कराया। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमें उस राह पर ले गये हैं जहां हम हमेशा से जाना चाहते थे।'' धनखड़ ने जैन संप्रदाय के रहस्यवादी और दार्शनिक श्रीमद राजचंद्रजी की जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं आपको एक बात बताना चाहता हूं कि पिछली सदी के महापुरुष महात्मा गांधी थे। नरेन्द्र मोदी इस सदी के युगपुरुष हैं।''

भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में पंजाब मंडप को मिला स्वर्ण पदक

नई दिल्ली/भाषा। भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2023 में 'उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर स्वच्छ मंडप' के लिए पंजाब मंडप को स्वर्ण पदक मिला है। भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला का सोमवार को यहां समापन हो गया। प्रदेश सरकार की विज्ञप्ति के अनुसार, पंजाब पवेलियन के प्रशासक दविंदरपाल सिंह और उप प्रशासक गुरप्रीत सिंह सहित अन्य लोगों ने आईटीपीओ के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) प्रदीप सिंह खरोला और आईटीपीओ के कार्यकारी निदेशक रजत अग्रवाल से पुरस्कार प्राप्त किया। भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) नई दिल्ली का 42वां संस्करण 14-27 नवंबर तक आयोजित किया गया था। इसका विषय 'वसुधैव कुटुंबकम - व्यापार के जरिये एकजुट' था।

रक्षा खरीद बोर्ड ने दूसरे स्वदेशी विमानवाहक पोत के लिए भारतीय नौसेना के प्रस्ताव को मंजूरी दी

(मानस प्रतिम भुइयां)
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार लगभग 40,000 करोड़ रुपये की लागत से दूसरे स्वदेशी विमानवाहक पोत के निर्माण के भारतीय नौसेना के प्रस्ताव पर सकारात्मक रूप से विचार करने के लिए तैयार है। यह एक बड़ा कदम है जो हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों से उत्पन्न चिंताओं की पृष्ठभूमि में आया है।

शीर्ष सरकारी सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि रक्षा मंत्रालय की प्रमुख संस्था रक्षा खरीद बोर्ड (डीपीबी) ने महत्वाकांक्षी प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जिससे सरकार के दूसरे स्वदेशी विमानवाहक पोत के लिए तैयार होने का संकेत मिलता है, जिसे आईएसी-2 के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि बड़ा खरीद प्रस्ताव जल्द ही रक्षा मंत्रालय की खरीद संबंधी शीर्ष संस्था रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) के समक्ष रखा जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली डीएसी की बृहस्पतिवार को बैठक होने की संभावना है और यह समझा जाता है कि आईएसी-2 से संबंधित प्रस्ताव पर विमर्श किया जाएगा।

सूत्रों ने कहा कि डीएसी 1.15 लाख करोड़ रुपये की लागत से 97 तेजस मार्क-1ए विमानों की अतिरिक्त खेप की खरीद के लिए भारतीय वायुसेना के प्रस्ताव पर भी विचार कर सकती है। नौसेना 45,000 टन वजनी आईएसी-द्वितीय के लिए जोरदार प्रयास कर रही है, जिसकी विशिष्टताओं के साथ अनुमानित लागत 40,000 करोड़ रुपये के करीब होने का अनुमान है। भारत के पहले स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत (आईएसी 1) का सितंबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जलावतरण किया था। लगभग 23,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित, आईएनएस विक्रांत में एक परिष्कृत वायु रक्षा नेटवर्क और पोत-रोधी मिसाइल प्रणाली है।

इसमें 30 लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों को रखने की क्षमता है। पोत के जलावतरण समारोह में मोदी ने इसे तैरता हुआ शहर कहा था और इसे रक्षा क्षेत्र में भारत के आत्मनिर्भर बनने का प्रतिबिंब बताया था। सूत्रों ने कहा कि आईएसी-2 एक तरह से आईएसी-1 का दोहराव अनुक्रम होगा। योजना के अनुसार, आईएसी-2 का निर्माण सरकार द्वारा संचालित कोचीन शिपयार्ड द्वारा किया जाएगा। इस समय भारत के पास दो विमानवाहक पोत-आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत हैं। आईएनएस विक्रमादित्य रूसी मूल का पोत है। इसमें 2,300 से अधिक कक्ष हैं, जो लगभग 1700 लोगों के चालक दल के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसमें महिला अधिकारियों को समायोजित करने के लिए विशेष कैबिन भी शामिल हैं। आईएसी 262 मीटर लंबा, 62 मीटर चौड़ा और 59 मीटर ऊंचा है। अतिरिक्त 97 तेजस मार्क 1ए विमानों की खरीद पर सूत्रों ने कहा कि डीएसी इसे मंजूरी देने के लिए तैयार है। अतिरिक्त बेड़े के साथ, भारतीय वायुसेना द्वारा खरीदे जाने वाले स्वदेशी रूप से विकसित तेजस विमानों की संख्या 180 हो जाएगी। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए विमानों की खरीद के लिए सरकार संचालित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था।

कौशल विकास निगम घोटाला

आंध्र प्रदेश सरकार की याचिका पर न्यायालय ने नायडू को नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

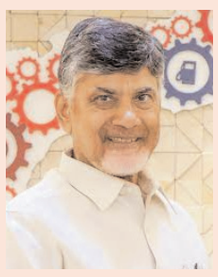

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू को कौशल विकास निगम घोटाला मामले में नियमित जमानत देने के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ आंध्र प्रदेश सरकार की याचिका पर मंगलवार को उनसे (नायडू) जवाब मांगा।

न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति एस सी शर्मा की पीठ ने नायडू को नोटिस जारी किया और उनसे जवाब मांगा। शीर्ष अदालत ने उनकी जमानत शर्तों में भी ढील दे दी और आठ दिसंबर तक जनसभाओं और बैठकों में उन्हें भाग लेने की अनुमति दे दी, जो सुनवाई की अगली तारीख है। पीठ ने कहा, ''नोटिस जारी किया जाए, जिसका जवाब आठ दिसंबर तक देना है। जनसभाओं और बैठकों में भाग लेने से संबंधित शर्तों को छोड़कर जमानत आदेश में लगाई गई अन्य शर्तें जारी रहेंगी।

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने इस मामले में नायडू की चार सप्ताह की अंतरिम चिकित्सीय जमानत को पूर्ण जमानत में बदल दिया था और पूर्व मुख्यमंत्री को उनकी उम्र, अधिक उम्र से संबंधित बीमारियों, देश से फरार होने का जोखिम नहीं होने और अन्य कारणों पर विचार करते हुए नियमित जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। उच्च न्याायलय ने कहा था कि कौशल विकास निगम घोटाला मामले के संबंध में कोई भी सार्वजनिक टिप्पणी करने या सार्वजनिक रैलियों तथा बैठकों का आयोजन करने या उनमें भाग लेने से परहेज करने जैसी अंतरिम जमानत की शर्तें 28 नवंबर तक लागू रहेंगी। उच्च न्यायालय ने कहा कि 29 नवंबर से इन शर्तों में ढील दी जाएगी। उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द करने का निर्देश देने का अनुरोध करते हुए, राज्य सरकार ने कहा कि आरोपी (नायडू) एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और ''उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि एक सरकारी कर्मचारी सहित उनके दो प्रमुख सहयोगी पहले ही देश से भाग जाएं।''

कार्तिक कृष्ण - 2 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 124 ▪ पृष्ठ - 12 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 29-11-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

आरबीआई विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध शिकायतों के निवारण के लिए एकल सुविधा

30 दिनों के भीतर शिकायतों का निवारण न होने या आरबीआई द्वारा विनियमित बैंकों/एनबीएफ़सी/क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनियों/पेमेन्ट प्रणाली प्रतिभागियों द्वारा संतोषजनक निवारण न होने पर, आप उनकी शिकायत आरबीआई लोकपाल के समक्ष दर्ज कर सकते हैं

ऑनलाइन https://cms.rbi.org.in पर या डाक द्वारा केंद्रीकृत प्राप्ति और प्रसंस्करण केंद्र, भारतीय रिज़र्व बैंक, चंडीगढ़ - 160017 पर शिकायत दर्ज़ करें

अपवर्जन सूची में उल्लिखित सेवाओं को छोड़कर, अन्य सेवाओं में कमियों से संबंधित सभी शिकायतें शामिल हैं

अपनी शिकायत की वास्तविक स्थिति को शिकायत प्रबंधन प्रणाली (https://cms.rbi.org.in) पर देखें

अधिक जानकारी के लिए **14448** पर कॉल करें.

समय: कार्यदिवसों पर, राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर:

- हिंदी और अंग्रेजी के लिए सुबह 8:00 बजे से रात 10:00 बजे तक
- 10 क्षेत्रीय भाषाओं (असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, ओडिया, पंजाबी, तेलुगु और तमिल) के लिए सुबह 9:30 बजे से शाम 5:15 बजे तक

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

अधिक जानकारी के लिए, **https://rbikehtahai.rbi.org.in/** पर जाएं
फ़ीडबैक देने के लिए, **rbikehtahai@rbi.org.in** को लिखें

गहलोत ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत का भरोसा जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को विश्वास जताया कि कांग्रेस तेलंगाना समेत उन पांचों राज्यों में सरकार बनाएगी जहां विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना तीन दिसंबर को होगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर विपक्षी नेताओं के विरुद्ध केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। गहलोत ने जमीनी आकलन का हवाला देते हुए यहां संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि कांग्रेस हर जगह जीतेगी।

उन्होंने कहा कि यदि तेलंगाना में 10 साल पहले कांग्रेस की सरकार बन जाती तो यह बड़ी ऊंचाइयों तक पहुंच जाता। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की सरकार पर 2014 से सुशासन देने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए गहलोत ने कहा कि अब बीआरएस और भाजपा के बीच गुप्त तालमेल की खबरें आ रही हैं।

राजस्थान में प्रश्नपत्र लीक होने के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना से भी इस तरह की खबरें आती रही हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में प्रश्नपत्र लीक में संलिप्त रहे लोगों को उम्रकैद की सजा देने के लिए कानून पारित किया जा चुका है। राजस्थान के मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, पहले ईडी को भेजो...धमकाओ। फिर दोस्त बनाओ। मध्य प्रदेश में क्या हुआ? महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में क्या हुआ। तीनों जगह चुनी हुई सरकारों को अपदस्थ कर दिया गया।

क्या यही लोकतंत्र है? गहलोत ने कहा कि राजस्थान में इस तरह की कोशिशें सफल नहीं हुईं। राजस्थान में मतदान वाले दिन बेंगलुरु में तेजस लड़ाकू विमान में प्रधानमंत्री मोदी की उड़ान को लेकर निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा, उन्हें वो ही दिन मिला था?

बाडी क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस- प्रशासन अलर्ट

भरतपुर। राजस्थान के धौलपुर में बाड़ी क्षेत्र के कंचनपुर क्षेत्र में विधानसभा चुनाव के बाद सोमवार को हुई हिंसा एवं कुछ इलाकों में तनाव की स्थिति को देखते पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार क्यूआरटी एवं आरएसी फोर्स के साथ हिंसाग्रस्त इलाके में पहुंचकर मॉनिटरिंग कर रहे है। अलग-अलग गांवों में करीब 110 पुलिस जवान भी तैनात कर हालात पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। गौरतलब है कि इस हिंसा में घायल 3 बच्चों सहित 10 लोगो को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था जिनमे से रेफर किया गया था इनमें से एक युवक की स्थिति ज्यादा खराब होने पर उसे जयपुर रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पंजीपुरा गांव निवासी 22 वर्षिय जगन और उसके भाई के बेटे 23 वर्षिय सचिन के साथ बाल कटवाने के दौरान मारपीट के बाद महुआ खेड़ा के डेढ़ दर्जन से अधिक लोगो ने पंजीपुरा गांव में आकर हिंसा के साथ फायरिंग करते हुए जो भी सामने आया उसकी पिटाई की। अस्पताल में भर्ती घायलों के नाम शिवा (11), संदीप (14), ललित (15), रंजीत (25) , सुंदर (10), जगन (22), सचिन (23), राम (40) , प्रेम सिंह (42), छोटू सिंह (17) शामिल हैं।

पुजारी ने पत्नी संग फांसी लगा दी जान, गले में लटकती मिली भगवद गीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बुजुर्ग पुजारी और उनकी पत्नी ने मानसिक बीमारी से परेशान होकर फांसी लगा ली। बुजुर्ग दंपति ने गले में भगवद गीता लटकाकर फांसी लगाई। घटना से घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पुजारी और उनकी पत्नी के शव को कब्जे में लेकर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

घटना उदयपुर जिले के प्रताप नगर थाना क्षेत्र के लकड़वास की है। यहां रहने वाले 62 वर्षीय रघुदास वैष्णव और उनकी पत्नी 60 वर्षीय मांगीबाई पिछले कई सालों से बीमार चल रहे थे। वह मानसिक रूप से भी काफी परेशान थे। पुलिस के अनुसार, रघुदास गांव में ही स्थित ठाकुर जी मंदिर में पुजारी का काम करते थे। दोनों पति-पत्नी अपने बेटे-बहू के साथ एक ही घर में रहते थे।पुजारी अपनी पत्नी के साथ घर के ऊपर वाले फ्लोर पर रहते थे। उनका बेटा अपने परिवार के साथ नीचे के फ्लोर पर रहता है। परिजनों ने बताया कि जब बहू अपने सास-ससुर को चाय देने के लिए ऊपर गई तो दरवाजा बंद था। उसने काफी देर तक दरवाजा खटखटाया। जब अंदर से दरवाजा नहीं खोला तो उसने अपने पति गणपत दास को बताया। गणपत दास ने ऊपर जाकर दरवाजे से झांक कर देखा तो वह चौंक गए। कमरे में पुजारी और उनकी पत्नी फांसी के फंदे पर लटके हुए थे।

तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। सीकर जिले के दांतारामगढ़ में सोमवार की देर रात्रि को तेज रफ्तार के कहर ने दो बाइक सवार युवकों की जान ले ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेनवाल रोड़ पर करणीपुरा गांव के पास खाचरियावास से रामगढ़ की ओर आ रही बाइक को तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार विनोद कुमार व दिनेश भार्गव निवासी जालूंड की मौत हो गई।

इधर, खाचरियावास पुलिस चौकी इंचार्ज बंशीधर ने बताया कि पिकअप गाड़ी ने मोटरसाइकिल को तेज टक्कर मारी, जिससे बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। इस दौरान बाइक में भीषण आग लग गई। गांव के ही नवदीप सिंह जाटोलिया, कानाराम चंदेलिया व हेमराज कुमावत ने निजी वाहन से घायल युवकों को अस्पताल पहुंचाया। जहां से डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर अवस्था में जयपुर रेफर कर दिया, लेकिन दोनों युवकों ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। आपको बता दें कि पिकअप की टक्कर से बाइक में आग लग गई और बाइक जलकर खाक हो गई। आज दोनों मृतक युवकों के शवों का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करेगी भाजपा : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष सी।पी। जोशी ने मंगलवार को दावा किया कि राज्य विधानसभा चुनाव में पार्टी 135 से अधिक सीट के साथ शानदार जीत दर्ज करेगी। राज्य की 200 में से 199 सीटों पर शनिवार को मतदान हुआ और मतगणना तीन दिसंबर को होगी। उन्होंने कहा, '25 नवंबर को भाजपा को मिले जनसमर्थन से यह साफ है कि पार्टी को 135 से ज्यादा सीटें मिलेंगी और कांग्रेस 50 से भी कम सीटों पर सिमट जाएगी।' जोशी ने कहा कि लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रवाद के नाम पर वोट दिया है।

उन्होंने कहा,कांग्रेस पिछले पांच वर्षों में अपने वादों को पूरा करने में विफल रही, महिलाओं की रक्षा करने में विफल रही, भ्रष्टाचार पनपा और कांग्रेस सरकार ने युवाओं को धोखा दिया। सरकार की तुष्टिकरण की नीति से जनता परेशान थी और सरकार कुर्सी बचाने में लगी रही। जोशी ने कहा कि राज्य की गहलोत सरकार चुनाव से ठीक पहले के कुछ महीनों में अनेक योजनाएं लेकर आई। उन्होंने कहा, अगर सरकार वास्तव में लोगों की परवाह करना चाहती थी तो उसने सरकार बनते ही योजनाएं क्यों नहीं शुरू कीं?

प्रदेश में विधानसभा चुनावों के लिए मतदान संपन्न होने के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भाजपा प्रत्याशियों से बात करके फीडबैक लिया। वहीं सभी प्रत्याशियों को आगामी 03 दिसंबर को होने वाली मतगणना के लिए तैयार रहने संबंधी दिशा-निर्देश भी दिये।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रत्याशियों से फीडबैक लेने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा प्रचंड बहुमत से सत्ता में आ रही। प्रदेश की जनता ने सुशासन के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान किया है।

राजस्थान के कई इलाकों में बारिश, तापमान गिरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में बीते 24 घंटे में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई जिससे तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के अनुसार यह क्रम अभी जारी रहने का अनुमान है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, पिछले 24 घंटे में राज्य के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सर्वाधिक बारिश सवाई माधोपुर में 29 मिलीमीटर दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को भी राज्य के ऊपर परिसंचरण तंत्र बना रहा तथा वायुमंडल के निचले स्तरों मे पूर्वा हवाओं के साथ बंगाल की खाड़ी से नमी बनी हुई है। उपरोक्त तंत्र के असर से आज जयपुर, भरतपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

मौसम केंद्र के अनुसार पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, जयपुर व कोटा संभाग के कुछ इलाकों में अगले तीन-चार दिन बादल छाए रहने व हल्की बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के चूरू, हनुमानगढ़ व आसपास के क्षेत्र में मंगलवार को भी हल्की बारिश होने व 29 नवंबर से मौसम शुष्क रहने की संभावना है। आगामी दो-तीन दिन राज्य में कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाए रहने व अधिकतम तापमान औसत से 4-8 डिग्री सेल्सियस नीचे गिरने का अनुमान है। राजधानी जयपुर में भी मंगलवार सुबह से ही फुहारों व हल्की बूंदाबांदी का दौर जारी है। इससे तापमान में गिरावट आई है।

जिले में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से सोमवार को मामूली बारिश हुई। इस कारण शाम तक बादलों का दबाव रहने से धूप नहीं निकली जिससे सर्दी का असर तेज हो रहा है। बूंदाबांदी की वजह से तापमान में एक साथ 6।5 डिग्री तक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा तेज बारिश दोपहर में दांतारामगढ़ क्षेत्र में हुई। सीकर मुख्यालय सहित जिले में कई स्थानों पर देर शाम तक बूंदाबांदी का दौर जारी रहा। जयपुर मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल शेखावाटी सहित प्रदेशभर में मंगलवार को पश्चिमी विक्षोभ का असर कम होने से मौसम में बदलाव की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिन अब बादलों का दबाव कम होगा। तापमान में गिरावट आएगी और कोहरा आने की भी संभावना है।

नवंबर पिछले साल के मुकाबले अब तक ज्यादा गर्म रहा है। 2022 में 16 नवंबर को ही तापमान 7।5 डिग्री आने से सर्दी तेज होने लगी थी। इसके बाद उतार-चढ़ाव के साथ 24 नवंबर को न्यूनतम तापमान 2।4 डिग्री रहा था। 27 नवंबर को रात का पारा 4।8 डिग्री था। जबकि इस साल अब तक न्यूनतम तापमान 5।9 डिग्री से नीचे नहीं आया है।

कोटा में नीट के अभ्यर्थी का शव फंदे से लटका मिला, इस वर्ष आत्महत्या का यह 25वां मामला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के अभ्यर्थी का शव उसके किराए के आवास में फंदे से लटका मिला लेकिन कमरे से कोई 'सुसाइड नोट' बरामद नहीं हुआ है। यहां कोचिंग संस्थान के छात्र द्वारा की गई आत्महत्या का यह 25वां मामला है।

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले का मूल निवासी फौरीद हुसैन (20) लगभग एक साल से यहां के एक कोचिंग संस्थान में मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' की तैयारी कर रहा था। वह इस वर्ष के जुलाई महीने से वाउफ नगर में किराए के मकान में रह रहा था। इस घर में कोचिंग संस्थानों के अन्य छात्र भी रहते हैं। दादाबाड़ी पुलिस थाने के क्षेत्र निरीक्षक राजेश पाठक ने कहा कि हुसैन को आखिरी बार सोमवार को दोपहर में देखा गया था। जब वह रात आठ बजे तक अपने कमरे से बाहर नहीं आया तो उसके दोस्तों ने उसे आवाज दी लेकिन उसने दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद घर के मालिक को सूचना दी गई जिन्होंने पुलिस को बुलाया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर दरवाजा तोड़ा और युवक को फंदे से लटका हुआ पाया।

निरीक्षक ने कहा, 'अभ्यर्थी के कमरे से 'सुसाइड नोट' बरामद नहीं हुआ और अभी तक उसके यह कदम उठाने का कारण नहीं पता चल सका है।' पुलिस अधिकारी ने कहा कि अभ्यर्थी के परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्ट-मार्टम होगा। कोटा में इस वर्ष किसी कोचिंग के छात्र द्वारा की गई आत्महत्या का यह 25वां मामला है। यहां 18 सितंबर को नीट की तैयारी कर रही उत्तर प्रदेश की 16 वर्ष की लड़की ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जान दे दी थी। वहीं, अगस्त में छह कोचिंग छात्रों ने आत्महत्या की थी।

चुनाव में पुलिस ने 436 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी, शराब व नशीले पदार्थ की जब्ती की

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने राज्य में हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव के दौरान 436 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी, शराब और नशीले पदार्थ की अब तक की सबसे बड़ी जब्ती की। इसका इस्तेमाल संभवत: मतदाताओं को लुभाने के लिए किया जाना था। यह जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी। अधिकारियों ने कहा कि यह जब्ती 2018 के चुनावों की तुलना में छह गुना अधिक है जब राजस्थान पुलिस द्वारा 65 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी, शराब व नशीले पदार्थ की जब्ती की गई थी।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए तैनात विभिन्न एजेंसियों द्वारा कुल मिलाकर, 690 करोड़ रुपये मूल्य की जब्ती की गई, जहां कुल 200 विधानसभा सीटों में से 199 सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान हुआ था। निर्वाचन आयोग ने नौ अक्टूबर को राज्य में आचार संहिता लागू किया था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से कुल 436 करोड़ रुपये मूल्य की जब्ती में से 47 करोड़ रुपये नकद, 39 करोड़ रुपये की शराब और 87 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ पकड़े गए।

चुनावी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले में बाड़ी के कंचनपुर थाना क्षेत्र में सोमवार को दो पक्षों में मारपीट और गोलीबारी के मामले में अब तक 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि क्षेत्र में मंगलवार को मारपीट और हिंसा की कोई ताजा घटना सामने नहीं आयी और पूरे जिले में शांतिपूर्ण माहौल है। बाडी में एतियातन 165 अतिरिक्त जवान तैनात किये गये हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्होंने स्वयं पुलिस अधिकारियों के साथ गांव-गांव जाकर लोगो के साथ बैठक की है और लोगों को शांति बनाये रखने की अपील की। वहीं जिले के सभी अधिकारियों और सीएलजी सदस्यों के साथ बैठक कर शांति के लिए लोगो में जागरूकता लाने को कहा है। उन्होंने बताया कि पंजीपुरा गांव में सोमवार को दोनों पक्षों में चुनावी रंजिश को लेकर मारपीट, पथराव और गोलीबारी की घटना में नौ लोग घायल हो गये थे।

रंगीलो झालावाड़ सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़। चन्द्रभागा मेला 2023 के तहत जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को स्थानीय कलाकारों का रंगीलो झालावाड़ सांस्कृतिक कार्यक्रम मेला मैदान झालरापाटन में आयोजित किया गया। जिसमें जिले के विभिन्न स्थानों से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।

जिला पर्यटन अधिकारी सिराज कुरैशी ने बताया की कार्यक्रम का आरंभ पिड़ावा से आए कलाकार दीपक चौहान के मांड गायन केसरिया बालम से हुआ। वहीं वैभव राव द्वारा तबले पर प्रस्तुति दी गई तो नंदिनी सैनी ने सितार पर मधुर प्रस्तुति देकर सभी को मोहित कर दिया।

इस दौरान डग से आए कलाकार अशोक कुमार सोनी, खुशी सोनी एवं सौरभ सोनी ने स्वरचित गीत में झालावाड़ की महिमा का बखान किया। वहीं 6 वर्षीय बाल कलाकार आयुषी सुमन ने राजस्थानी नृत्य भवाई की प्रस्तुति देकर दर्शकों की तालियां बटोरी। जय प्रताप सिंह हाडा और मिनहाज अली द्वारा गिटार पर गाए गीत दमा दम मस्त कलंदर पर दर्शक खूब झूमे। स्वरा जैन ने एरी सखी मंगल गाओ से सभी मेहमानों का स्वागत किया। बकानी की अदिति शर्मा ने शहीद का वचन कविता के माध्यम से लोगों को देशभक्ति के रस में डुबो दिया।

कार्यक्रम में चाकर रखो जी मीराबाई के भजन पर प्रियंका शर्मा ने कथक नृत्य की प्रस्तुति दी। बाल कलाकार दक्ष सोनी के बांसुरी पर बजाएं गीत अजीब दास्तां है को लोगों ने काफी सराहा। थर्मल कॉलानी झालावाड़ के निवासी बाल कलाकार दीक्षांत सिंह ने ले जाए जाने कहां हवाएं गीत सुना कर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया तो माही पारिक की भवाई नृत्य की प्रस्तुति का दर्शकों ने जमकर लुत्फ उठाया। इस दौरान बाल गायिका भवि शर्मा ने हूला-हूप के साथ मोहे रंग दो लाल जैसे के क्लासिकल गीत को प्रस्तुत कर दर्शकों को अपने स्वरों में डुबो दिया। वहीं पूजा सोनी एवं टीम द्वारा प्रस्तुत गोरबंद नखरालो नृत्य को देखकर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाई। अदनान खान ने किशोर कुमार का गाया गीत मेरे नैना सावन भादो गाया। करण शर्मा द्वारा रफी साहब के गीत पुकारता चला हूं मैं की प्रस्तुति दी गई।

मिश्र से रोल बॉल के खिलाड़ियों ने की मुलाकात

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र से गोवा में आयोजित हुए रोल बॉल राष्ट्रीय खेलों में विजेता रहे राजस्थान के खिलाड़ियों ने मंगलवार को यहां मुलाकात की। मिश्र से इन खिलाड़ियों ने राजभवन में यह मुलाकात की। रोल बॉल फेडरेशन के अध्यक्ष और भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी मनोहर कांत के नेतृत्व में मिले इन खिलाड़ियों की पुरुष टीम ने स्वर्ण और महिला टीम ने राष्ट्रीय खेलों में रजत पदक प्राप्त किया है। राज्यपाल ने रोल बॉल में स्वर्ण और रजत पदक प्राप्त करने वाली पुरुष और महिला टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए उनसे संवाद किया। उन्होंने कहा कि खेलों से ही मानवीय मूल्यों और सामूहिक चेतना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि खेल जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण ही प्रदान नहीं करते बल्कि इनसे मानसिक तथा शारीरिक विकास भी होता है। उन्होंने रोल बॉल खेल के जरिए राजस्थान को विश्व स्तर पर अग्रणी करने के लिए भी खिलाड़ियों का आह्वान किया।

राजस्थान में अब तक हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का रहा है दबदबा

जयपुर। राजस्थान में आजादी के बाद से अब तक हुए पन्द्रह विधानसभा चुनावों में दस बार सरकार बनाकर कांग्रेस ने अपना दबदबा कायम किया हैं और अब तक उसे केवल चार चुनावों में ही अन्य दलों के मुकाबले कम मत मिले हैं वहीं वर्ष 1980 के चुनाव से मुकाबले में आई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पिछले नौ चुनावों में चार बार सरकार बनाने में सफल रही है और तीन बार सबसे अधिक मत हासिल करने में कामयाब रही।

अब तक हुए इन चुनावों में आपातकाल के बाद वर्ष 1977 में हुए चुनाव में जनता पार्टी ने भी जोरदार जीत दर्ज करते हुए राज्य में सरकार बनाई। कांग्रेस ने इन पन्द्रह चुनावों में छह बार वर्ष 1952, 1957, 1972, 1980, 1985 एवं 1998 के चुनाव में स्पष्ट बहुमत हासिल किया, इसमें वर्ष 1998 में कांग्रेस ने पहली बार 150 सीटों के साथ धमाकेदार जीत दर्ज की और अशोक गहलोत पहली बार राज्य के मुख्यमंत्री बने। कांग्रेस ने चार बार वर्ष 1962, 1967, 2008 एवं 2018 में किसी दल या निर्दलीय सदस्यों के सहारे सरकार बनाई। आजादी के बाद हुए वर्ष 1952 में 190 सीटों के लिए पहले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 102 सीटें जीतकर पहली बार सरकार बनाई। इसके बाद हुए वर्ष 1957 में 176 सीटों के लिए हुए दूसरे विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 119 सीटें जीतकर लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। इसके बाद वर्ष 1962 के चुनाव में कांग्रेस 176 विधानसभा सीटों वाली विधानसभा में 88 सीटें ही जीत पाई जो बहुमत के आंकड़े से एक कम थी। इसके बाद वर्ष 1967 में हुए चौथी विधानसभा के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस विरोधी लहर के बावजूद विधानसभा की 184 में से 89 सीटें हासिल की। हालांकि स्पष्ट बहुमत से कुछ सीटें दूर रही लेकिन सरकार बनाने में कामयाब रही।

इसके बाद वह वर्ष 2008 के चुनाव में वह सौ सीटों के आंकड़े को नहीं छू पाई और वह 96 सीटें ही जीत सकी लेकिन अशोक गहलोत बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के छह विधायकों एवं निर्दलीयों की मदद से दूसरी बार मुख्यमंत्री बने और राज्य में कांग्रेस की नौवीं सरकार बनाने में सफल रहे। इसके बाद गत विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस स्पष्ट बहुमत से केवल एक सीट दूर रही, उसे सौ सीटें मिली लेकिन उसके सहयोगी दल राष्ट्रीय लोकदल की एक सीट आने से उसे सरकार बनाने में कोई दिक्कत नहीं आई और गहलोत तीसरी बार मुख्यमंत्री बने।

कार्तिक कृष्ण - 2 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 124 ▪ पृष्ठ - 12 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 29-11-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

2 इंदिरा गांधी का शासन 'मुठभेड़ों और हत्याओं' से भरा था : के चंद्रशेखर राव

8 राजनीतिक विरोध में ऐसी भाषा अंदर से हिला देती है

7 बोर्ड, निगमों में नियुक्तियों को लेकर मुझसे विचार-विमर्श नहीं किया गया : परमेश्वर

फर्स्ट टेक

प्रधानमंत्री 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को रोजगार मेले के तहत 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। उसके मुताबिक प्रधानमंत्री इस अवसर पर रोजगार पाने वाले युवाओं को संबोधित भी करेंगे। पीएमओ ने कहा कि रोजगार मेला देश के 37 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। केन्द्र सरकार के विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों और केन्द्रशासित प्रदेशों में ये भर्तियां की जा रही हैं। देशभर से चुने गए इन युवाओं को विभिन्न मंत्रालयों व विभागों में अलग-अलग पदों पर नियुक्त किया जाएगा। इनमें राजस्व विभाग, गृह मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, वित्तीय सेवा विभाग, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और श्रम और रोजगार मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालय व विभाग शामिल हैं।

हमास ने 11 और गाजा बंधकों को किया रिहा

यरूशलेम/वार्ता। इजरायल ने हमास की ओर से 11 और गाजा पट्टी के बंधकों को रिहा किये जाने की पुष्टि की है। इसी बीच हमास और इजरायल के बीच संघर्ष विराम को दो दिनों के लिए बढ़ाया जाएगा, जिससे और अधिक बंधकों को मुक्त कराया जा सके। इजराइल की सेना ने सोमवार रात कहा , अब 11 बंधक इजरायली क्षेत्र में हैं। हमारी सेनाएं तब तक उनके साथ रहेंगी, जब तक वे अपने परिवारों से दोबारा नहीं मिल जाते। हमारी सेनाएं घर लौटने पर रिहा किए गए बंधकों को सलाम करती हैं और गले लगाती हैं।' बंधकों के आगमन की पुष्टि होने के तुरंत बाद, इजरायल के जेल प्राधिकरण ने कहा कि 33 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया गया है।

इजरायल, हमास में मानवीय संघर्ष विराम लागू

यरूशलेम/वार्ता/स्पूतनिक। इजरायल और हमास के बीच गाजा पट्टी में मानवीय संघर्ष विराम 30 नवंबर तक बढ़ाया गया। अल जज़ीरा ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने हमास के साथ बंधक विनिमय समझौते के हिस्से के रूप में फिलिस्तीनी कैदियों के चौथे समूह को रिहा कर दिया है, जिसमें 33 लोग शामिल हैं। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा है कि हमास द्वारा मुक्त किए गए 11 इजरायली बंधक इजरायली क्षेत्र में प्रवेश कर गए। सौदे के हिस्से के रूप में, कुल 150 फिलिस्तीनी कैदियों को इजरायली जेलों से रिहा किया गया। इस बीच कतर ने कहा है कि इजरायल और हमास के बीच गाजा पट्टी में पिछली शर्तों के समान मानवीय संघर्ष विराम के दो दिवसीय विस्तार पर एक समझौता हुआ है।

29-11-2023	30-11-2023
सूर्यास्त 5:50 बजे	सूर्योदय 6:25 बजे

BSE	NSE
66,174.20	19,889.70
(+204.16)	(+95.00)

सोना	चांदी
6,240 रु.	71,700 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घुसपैठियों का जाल

भारत में रहने वाले सब,
क्या सारे हैं भारतवासी।
जनगणनाओं के बाद दिखी,
घुसपैठी जनता भी खासी।
गति अब है साँप छछूंदर की,
जब गले पड़ रही है फाँसी।
कुछ करो त्वरित ओ नेताओं,
छोड़ो बातों की फन्तासी।

'मिशन सिलक्यारा' सफल,

सकुशल बाहर आए सभी 41 श्रमिक

- उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री हाईवे पर सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग में 12 नवंबर को भूधंसाव होने से 41 श्रमिक सुरंग में ही फंस गए थे।
- सुरंग में फंसे सभी 41 श्रमिक 17वें दिन सकुशल बाहर आ गए।
- सभी श्रमिकों को सुरंग से निकलने के बाद सीधे चिन्यालीसौड़ स्थित अस्पताल ले जाया गया है जहां उनकी जरूरी स्वास्थ्य जांच आदि की जाएंगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलक्यारा/देहरादून/वार्ता। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग के चट्टानों को चीरती हुई मंगलवार को पूरे देश के लिए मंगलमयी खबर सामने आई। केंद्र और उत्तराखंड राज्य सरकार के नेतृत्व और रेस्क्यू टीमों के अथक परिश्रम से 'ऑपरेशन सिलक्यारा' सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। सुरंग में फंसे सभी 41 श्रमिक 17वें दिन सकुशल बाहर आ गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने फोन पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से ऑपरेशन की सफलता की जानकारी ली।

उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री हाईवे पर सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग में 12 नवंबर को भूधंसाव होने से 41 श्रमिक सुरंग में ही फंस गए थे। घटना की सूचना मिलते ही बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। देहरादून से पहुंचे एसडीआरएफ के जवान, स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन के साथ तत्काल रेस्क्यू में जुट गए। मुख्यमंत्री धामी व केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी मौके का जायजा लेने पहुंचे। केंद्रीय सड़क राज्य मंत्री जनरल (रिटायर) वीके सिंह अभी भी मौके पर मुख्यमंत्री के साथ मौजूद रहकर रेस्क्यू आपरेशन की कमान संभाले रहे।

सुरंग में मलबा हटाने के लिए सबसे पहले जेसीबी लगाई गई, लेकिन ऊपर से मलबा गिरने पर सफलता नहीं मिल पाई तो देहरादून से ऑगर मशीन मंगाकर सुरंग में ड्रिलिंग शुरू की गई। ऑगर मशीन जवाब दे गई। फिर दिल्ली से अमेरिकन ऑगर मशीन मौके पर पहुंचाई गई। इसके लिए वायुसेना के हरक्यूलिस विमानों की मदद ली गई। इन विमानों ने मशीन के पुर्जों को चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी पर पहुंचाया और यहां से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर सिलक्यारा पहुंचाया गया। सुरंग में लगभग 50 मीटर ड्रिलिंग के बाद सरिया सामने आने के कारण इस मशीन में भी खराबी आ गई। फिर हैदराबाद से प्लाज्मा कटर मंगाया गया। कटर से ऑगर को काटने के बाद 16वें दिन मैनुअल ड्रिलिंग शुरू की गई और 17वें दिन जिंदगी का पाइप श्रमिकों तक पहुंचा दिया गया। यही नहीं सरकार तीन अन्य मोर्चों पर भी काम कर रही थी। इसमें वर्टिकल ड्रिलिंग का काम भी 50 मीटर तक पहुंच चुका था।

राज्य और केंद्र सरकार की सभी एजेंसियां, अधिकारी और कर्मचारी आज 17वें दिन तक पूरी तन्मयता और मनोयोग से रेस्क्यू में जुटी रही। धामी निरंतर स्थलीय निरीक्षण करने साथ ही रेस्क्यू टीमों की हौसला-अफजाई करते रहे। इसी का फल रहा है कि आज यह मिशन सफल हुआ।

रेस्क्यू ऑपरेशन में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, बीआरओ, आरवीएनएल, एसजेवीएनएल, ओएनजीसी, आईटीबीपी, एनएचएआईडीसीएल, टीएचडीसी, उत्तराखंड राज्य शासन, जिला प्रशासन, भारतीय थल सेना, वायुसेना समेत तमाम संगठनों, अधिकारियों और कर्मचारियों की अहम भूमिका रही।

सिलक्यारा टनल में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने का रेस्क्यू, विज्ञान और भगवान दोनों की बदौलत सफल हो पाया। कहीं न कहीं इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी देखने को मिला, जिससे एक आस बंधी कि सब कुछ ठीक होगा।

दरअसल, टनल में फंसे श्रमिकों का तो ईश्वर पर अटल विश्वास था ही बचाव अभियान दल ने भी हर रोज देव आराधना के बाद ही रेस्क्यू की शुरुआत की। धामी और 'इंटरनेशनल टनलिंग एंड अंडरग्राउंड स्पेस एसोसिएशन' के अध्यक्ष अर्नोल्ड डिक्स भी टनल के मुहाने पर बनाए गए बौखनाग मंदिर में सिर झुकाकर श्रमिकों को सकुशल वापसी के लिए ईश्वर से आशीर्वाद मांगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिलक्यारा में सभी 41 श्रमिकों को सकुशल बाहर निकाले जाने पर मुख्यमंत्री धामी को फोन कर अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस दौरान श्रमिकों के बारे में मुख्यमंत्री से जानकारी ली। उन्होंने जाना कि सुरंग से निकालने के बाद श्रमिकों के स्वास्थ्य देखभाल, घर छोड़ने व परिजनों आदि के लिए क्या व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि सभी श्रमिकों को सुरंग से निकलने के बाद सीधे चिन्यालीसौड़ स्थित अस्पताल ले जाया गया है जहां उनकी जरूरी स्वास्थ्य जांच आदि की जाएंगी।

सुरंग में फंसे श्रमिकों को एक-एक लाख की आर्थिक सहायता, इलाज, घर पहुंचने तक की मदद : धामी

सिलक्यारा/देहरादून/वार्ता। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार देर रात्रि संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों सभी श्रमिकों को सरकार एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। उन्होंने इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा अस्पताल में इलाज और घर जाने तक की पूरी व्यवस्था की जाएगी। धामी ने कहा कि सुरंग में फंसे सभी श्रमिकों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। अस्पताल में इलाज पर होने वाले खर्च का वहन सरकार करेगी। इनके अलावा परिजनों और श्रमिकों के खाने, रहने की भी व्यवस्था सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के स्वस्थ होने पर सरकार की तरफ से एक एक लाख रुपये के चेक बतौर आर्थिक सहायता के रूप में दिए जाएंगे। इसके अलावा घर जाने तक का पूरा खर्चा भी सरकार वाहन करेगी।

संदिग्ध गतिविधियों के कारण 70 लाख मोबाइल नंबर निलंबित : वित्तीय सेवा सचिव

नई दिल्ली/भाषा। वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने डिजिटल धोखाधड़ी पर रोक लगाने के मकसद से संदिग्ध लेन-देन में शामिल 70 लाख मोबाइल नंबर निलंबित कर दिए हैं।

वित्तीय साइबर सुरक्षा और बढ़ते डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी से संबंधित मुद्दों पर एक बैठक के बाद जोशी ने कहा कि बैंकों को इस संबंध में व्यवस्था और प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी और बैठकें होंगी। अगली बैठक जनवरी में होगी।

वित्तीय सेवा सचिव ने आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस) धोखाधड़ी के संबंध में कहा कि राज्यों को इस मुद्दे पर गौर करने और आंकड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि बैठक में व्यापारियों के केवाईसी मानकीकरण के संबंध में भी चर्चा हुई।

वित्तीय सेवा सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय कैसे सुनिश्चित किया जाए।

शिवकुमार से जुड़े मामले पर आज सुनवाई करेगा अदालत

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ आय से अधिक संपत्ति के मामले में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की उस अपील पर बुधवार को अंतिम दलीलें सुनने के लिए तैयार है जिसे उन्होंने पिछली भाजपा सरकार द्वारा उनके विरुद्ध सीबीआई जांच की मंजूरी देने के खिलाफ दायर किया है। सीबीआई की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू तथा शिवकुमार का पक्ष रखने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता उदय होल्ला मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना बी वराले और न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित के समक्ष दलील पेश कर सकते हैं । इस बीच भाजपा नेता और विजयपुरा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने शिवकुमार के खिलाफ जांच के लिए सीबीआई को दी गई सहमति वापस लेने के राज्य मंत्रिमंडल के फैसले को लेकर हस्तक्षेप आवेदन (आईए) दायर किया है।

राजनाथ ने अत्याधुनिक युद्धपोत इम्फाल की शिखा का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को यहां नौसेना के अत्याधुनिक युद्धपोत इम्फाल की शिखा का अनावरण किया। इस अवसर पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह तथा रक्षा मंत्रालय और मणिपुर के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

इम्फाल की शिखा के डिजाइन में बाईं ओर मणिपुर की ऐतिहासिक धरोहर 'कांगला महल' और दाईं ओर राज्य के पौराणिक प्राणी 'कांगला सा' को दर्शाया गया है। इससे मणिपुर के लोगों द्वारा देश की स्वतंत्रता , संप्रभुता और सुरक्षा के लिए दिये गये बलिदान को महत्व दिया गया है। 'कांगला महल' मणिपुर का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थल है। 'कांगला-सा' मणिपुर का राज्य प्रतीक भी है।

इस युद्धपोत का निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में किया गया और यह प्रोजेक्ट 15 बी श्रेणी का तीसरा विध्वंसक पोत है जो निर्देशित मिसाइल प्रणाली से लैस है।

अप्रैल 2019 में इसके शुभारंभ के समय इस युद्धपोत को इम्फाल नाम दिया गया और एमडीएल द्वारा 20 अक्टूबर 2023 को इसे भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। कमीशन से पहले परीक्षणों के दौरान इस युद्धपोत ने हाल ही में विस्तारित रेंज की एक ब्रह्मोस मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया।

मैक्सवेल के आतिशी शतक से ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/वार्ता। ग्लेन मैक्सवेल के 48 गेंदों में नाबाद 104 रनों की आतिशी शतकीय पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत को आज तीसरे टी-20 मुकाबले में पांच से हराकर सीरीज में अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है।

223 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने ट्रैविस हेड 35 रन और आरोन हार्डी 16 रन ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 47 रन जोड़े। पांचवें ओवर में अर्शदीप ने किशन के हाथों हार्डी को कैच आउट कराकर ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका दिया। इसके बाद छठें ओवर में आवेश ने ट्रैविस हेड पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में बिश्नोइ ने इंग्लिस को 10 रन पर बोल्ड कर दिया। 13वें ओवर में मार्कस स्टॉयनिस 17 रन अक्षर का शिकार बने। 14वें ओवर में बिश्नोई ने टिम डेविड शून्य को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान मैथ्यू वेड ने मैक्सवेल के संभल कर खेले हुए टीम को अंतिम ओवर में विजय दिला दी।

क्या गज़वा-ए-हिन्द लागू करने वाली है बिहार सरकार : विहिप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने बिहार सरकार के वर्ष 2024 के कैलेंडर से हिन्दुओं के अनेक त्योहारों के अवकाश समाप्त कर ईद, बकरीद और मोहर्रम की छुट्टियों को बढ़ाने के फैसले की मंगलवार को कड़ी निंदा की और कहा कि नीतीश कुमार सरकार पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के गजवा-ए-हिंद के एजेंडे पर चलने लगी है।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने यहाँ एक बयान में कहा कि बिहार सरकार का एक और हिंदू द्रोही एजेंडा सामने आ गया है।उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के वर्ष 2024 के कलेंडर से शिवरात्रि, रामनवमी, श्रावणी सोमवार, 30 तिउतिया, कृष्ण जन्माष्टमी, अनंत चतुर्दशी, भैया दूज, गोवर्धन पूजा और गुरु नानक जयंती के साथ कार्तिक पूर्णिमा जैसे मुख्य और पवित्र भारतीय अवकाशों को समाप्त करके ईद, बकरीद और मोहर्रम की छुट्टियों को बढ़ा दिया गया है। बंसल ने इसकी निंदा करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछा कि ऐसा फैसला करके क्या बिहार सरकार पीएफआई के गजवा-ए-हिंद के सपनों को साकार करने करने जा रही है ? क्या हिंदू दोयम दर्जे का नागरिक है?

विहिप प्रवक्ता ने कहा कि हिंदू समाज इसे कदापि स्वीकार नहीं करेगा।

मद्रास उच्च न्यायालय से अधिकारियों को राहत लेकिन ईडी की जांच रहेगी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को तमिलनाडु में कथित तौर पर अवैध रेत खनन मामले में जांच को आगे बढ़ाने की अनुमति दे दी लेकिन राज्य के पांच जिलाधिकारियों को पूछताछ के लिए जारी किए गए ईडी के समन की तामील पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति एस. एस. सुंदर और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की पीठ ने राज्य के लोक विभाग के सचिव के. नंदकुमार द्वारा दायर याचिका पर यह अंतरिम रोक लगाई।

ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत 'अवैध' रेत खनन की जांच कर रही है और इसने न्यायालय को अवगत कराया कि उसके पास विश्वसनीय वैज्ञानिक साक्ष्य हैं। इसने बताया कि इन साक्ष्यों से विभिन्न जिलाधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध खनन की पुष्टि हुई है जिनमें वो पांच अधिकारी भी शामिल है जिन्हें समन जारी किया गया था। पीठ ने कहा कि ईडी राज्य में कथित तौर पर रेत खनन के मामले में जांच आगे जारी रख सकता है।

लोक विभाग के सचिव ने अरियालुर, वेल्लोर, तंजावुर, करूर और तिरुचिरापल्ली के जिलाधिकारियों की ओर से याचिका दायर की। याचिका में ईडी द्वारा जारी किए गए समन को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। समन में जिलाधिकारियों को अपने-अपने जिलों में रेत खनन से

संबंधित विवरण के साथ विभिन्न तिथियों पर व्यक्तिगत रूप से ईडी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था। पीठ ने ईडी द्वारा दायर आपत्ति याचिका पर राज्य सरकार और पांच जिलाधिकारियों को अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देते हुए सुनवाई की अगली तारीख 21 दिसंबर तय की है। पीठ ने 27 नवंबर को राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे और ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ए. आर. एल. सुंदरेसन की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। नंदकुमार ने अपनी याचिका में बताया कि ईडी की जांच में कोई तारतम्य नहीं है और एजेंसी ने जिलाधिकारियों को समन जारी कर उनके जिले की सभी रेत खदानों के बारे में जानकारी मांगी है।

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रेत एक लघु खनिज है जो संविधान के तहत एक ऐसा विषय है जिस पर राज्य को विशेष अधिकार प्राप्त है। इसलिए इसके तहत ईडी विषय वस्तु या उससे जुड़े मामले में पूछताछ और जांच करने का हकदार नहीं है। ईडी ने जांच को असंबद्ध बताने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह एक गलत धारणा है। इसने कहा कि उसके पास आपराधिक गतिविधियों से उत्पन्न आय के पर्याप्त और महत्वपूर्ण सबूत हैं। ऐसे जिलाधिकारियों से उनके अधिकार क्षेत्र में हुई आपराधिक गतिविधियों की जांच के दौरान पूछताछ करना आवश्यक है।

एजेंसी के पास लिडार (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) और बाथमीट्रिक सर्वेक्षण (जल निकाय की गहराई मापना और जल निकाय की विशेषताओं का मानचित्रण) करने के बाद प्राप्त साक्ष्य हैं। इसके अलावा, इसमें ड्रोन और सैटेलाइट इमेजरी प्रोसेसिंग का उपयोग भी शामिल है। ईडी ने कहा कि यह हैरानी की बात है कि राज्य सरकार ने सरकारी खजाने से धोखाधड़ी करने वाले विभिन्न आरोपियों को बचाने के लिए खुद ही उनके बचाव में याचिका दायर की है।

इसने कहा था कि अपराध और संबंधित धन शोधन मामलों की जांच में उसकी सहायता करने की बजाय राज्य सरकार बार-बार जांच में बाधा डालने का प्रयास कर रही है।

400 करोड़ के निवेश से 'फुटवियर' पार्क होगा स्थापित : सीएम स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार ने 250 एकड़ भूमि पर 400 करोड़ रुपये की लागत से 'एक फुटवियर' विनिर्माण पार्क स्थापित करने की योजना बनाई है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि इससे रानीपेट जिले में लगभग 20,000 नौकरियां पैदा होंगी।

स्टालिन ने चेन्नई से लगभग 250 किलोमीटर दूर पेराम्बलूर जिले के एरइयुर में जे आर वन फुटवियर प्राइवेट लिमिटेड के 400 करोड़ रुपये से स्थापित 'फुटवियर' यानी जूता-चप्पल बनाने के संयंत्र का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करते हुए यह कहा। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले दो साल में चमड़ा और फुटवियर उद्योग में कई परियोजनाएं शुरू की हैं। साल 2022 में फुटवियर एवं चमड़ा उत्पाद नीति लागू होने के बाद इन क्षेत्रों में काफी विकास हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा, इस तरह की वृद्धि को देखकर मुझे यह कहने का विश्वास मिलता है कि 2030 तक एक लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का दिन दूर नहीं है।

तमिलनाडु को चमड़ा और फुटवियर क्षेत्रों में अपनी स्थिति और मजबूत करनी चाहिए। स्टालिन ने कहा, सरकार इस क्षेत्र में निवेश जुटाने के लिए कई पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से सरकार ने तमिलनाडु में चमड़े और जूते उद्योगों के लिए 50 एकड़ भूमि पर औद्योगिक पार्क स्थापित करने की भी योजना बनाई है।

डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-मैसूरु के बीच साप्ताहिक विशेष वंदे भारत ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यातायात की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल- बेंगलूरु-मैसूरु सेक्टर के बीच वंदे भारत साप्ताहिक विशेष ट्रेनें संचालित होंगी। ट्रेन नंबर 06037 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-मैसूरु वंदे भारत स्पेशल के पांच फेरे 29 नवंबर, 6, 13, 20, 27 दिसंबर बुधवार को 05.50 बजे डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से रवाना होगी और उसी दिन अपरान्ह12.20 बजे मैसूरु पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन नंबर 06038 मैसूरु - डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल वंदे भारत स्पेशल मैसूरु जंक्शन से दोपहर 13.05 बजे रवाना होगी और उसी दिन 19.20 बजे डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल पहुंचेगी।

इस ट्रेन में 8 कोचों की वंदे भारत रैक होगी। यह ट्रेन काटपाड़ी और केएसआर बेंगलूरु स्टेशनों पर रूकेगी। उपरोक्त वंदे भारत विशेष ट्रेनों के लिए अग्रिम आरक्षण शीघ्र ही खुलेगा।

न्यायालय ने द्रमुक मंत्री बालाजी की जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के मंत्री वी. सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर सुनवाई से यह कहकर इनकार कर दिया कि उनकी बीमारी 'गंभीर प्रकृति की या जानलेवा' प्रतीत नहीं होती। बालाजी को धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया है। बालाजी ने स्वास्थ्य आधार पर जमानत का अनुरोध किया था। शीर्ष अदालत मद्रास उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने 19 अक्टूबर को उनकी जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि अगर उन्हें जमानत पर रिहा किया गया तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

शीर्ष अदालत में न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति

एस. सी. शर्मा की पीठ ने बालाजी की स्वास्थ्य रिपोर्ट देखने के बाद कहा कि उनके स्वास्थ्य की स्थिति में कुछ भी गंभीर नहीं है और बालाजी नियमित जमानत के अनुरोध के लिए निचली अदालत जा सकते हैं।

पीठ ने कहा, गुण-दोष के आधार पर याचिकाकर्ता के खिलाफ अंतरिम आदेश में की गई कोई भी टिप्पणी उनके नियमित जमानत आवेदन दाखिल करने के मार्ग में नहीं आएगी। बालाजी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने शुरू में अदालत से मस्तिष्क संबंधी गंभीर 'लैकुनर इन्फार्क्शन' का हवाला देते हुए बालाजी की याचिका को अनुमति देने का अनुरोध किया था। इस स्थिति में मस्तिष्क की भीतरी रक्तवाहिनियों में खून का प्रवाह बाधित हो जाता है।

न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने कहा, मैंने 'गूगल' पर इस बारे में जानकारी हासिल की, जो बताता है कि इसे दवा के जरिए ठीक किया जा सकता है। ऐसा नहीं लगता कि यह कोई गंभीर या जानलेवा किस्म की बीमारी है। अन्यथा हम इस पर गंभीरता से विचार करते। इसके बाद रोहतगी ने कहा कि चिकित्सा आधार पर जमानत के लिए किसी मरीज को अस्पताल में भर्ती कराना ही आवश्यक नहीं है।

पीठ के मामले में विचार करने में अनिच्छा व्यक्त करने पर याचिका वापस ले ली गई और मामले को वापस लिया गया मानकर खारिज कर दिया गया।

शीर्ष अदालत ने पहले बालाजी को अपनी चिकित्सकीय रिपोर्ट रिकॉर्ड में पेश करने का निर्देश दिया था। जमानत याचिका खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा था कि बालाजी की स्वास्थ्य रिपोर्ट से ऐसा नहीं लगता कि यह कोई ऐसी चिकित्सीय स्थिति है जिसका उनके जमानत पर रहने के दौरान ही इलाज किया जा सकता है। बालाजी को 14 जून को ईडी ने 'नौकरी के बदले नकदी' घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था, जब वह पूर्ववर्ती अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) शासन के दौरान परिवहन मंत्री थे।

एनएमडीसी ने राष्ट्रीय पीआर महोत्सव में किया शानदार प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/दक्षिण भारत। नवरत्न कंपनी एनएमडीसी ने रविवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय पीआरएसआई पुरस्कारों में गृह पत्रिका (हिंदी), महिला विकास के लिए सीएसआर परियोजना, सतत विकास रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 प्राप्त किए।

मुख्य अतिथि सांसद डॉ. सोनल मानसिंह ने राष्ट्रीय जनसंपर्क महोत्सव के दौरान एनएमडीसी की कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन टीम को पुरस्कार दिए। इस अवसर पर सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) अमिताभ मुखर्जी ने कहा, 'एक वैश्विक खनन कंपनी बनने की हमारी यात्रा में जनसंपर्क महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मैं टीम एनएमडीसी को कॉर्पोरेट संचार, सामाजिक जिम्मेदारी और सतत विकास में उनकी असाधारण पहल के लिए बधाई देता हूं। हम एक ऐसा ब्रांड बनने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो अपने मजबूत हितधारक जुड़ाव के लिए जाना जाता है।'

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेन्नई में खुशबू के घर के सामने प्रदर्शन किया

चेन्नई। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विवादित टिप्पणी पर माफी की मांग को लेकर अभिनेत्री और नेता खुशबू सुंदर के घर के बाहर मंगलवार को प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन को प्रचार पाने का हथकंडा' बताते हुए खुशबू सुंदर ने कहा कि कांग्रेस की अनुसूचित जाति शाखा के चंद सदस्यों ने उनका पुतला जलाया, उनकी तस्वीरों को झाड़ू और चप्पलों से पीटा और उनकी तस्वीरों पर गाय का गोबर फेंका। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य खुशबू ने पत्रकारों से कहा, यह दिखाता है कि आप (कांग्रेस) असल में महिलाओं का कितना सम्मान करते हैं। वहीं, खुशबू की टिप्पणी पर विवाद के बाद उनके घर के बाहर पुलिस का पहरा बढ़ा दिया गया है।

गरुड़ एयरोस्पेस को डीजीसीए से मिला मध्यम श्रेणी के ड्रोन का प्रमाणपत्र

चेन्नई/भाषा। ड्रोन विनिर्माता गरुड़ एयरोस्पेस ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से मध्यम श्रेणी के ड्रोन के लिए 'सेंकंड टाइप' प्रमाणपत्र हासिल किया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी अग्निश्वर जयप्रकाश ने कहा कि मध्यम श्रेणी के ड्रोन के लिए मिला यह प्रमाणपत्र गरुड़ एयरोस्पेस को विकास और विस्तार की नई ऊंचाइयों पर ले जाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। जयप्रकाश ने एक बयान में कहा कि यह प्रमाणन मानव-रहित हवाई वाहन प्रौद्योगिकी में प्रगति के लिए गरुड़ एयरोस्पेस के समर्पण को दर्शाता है।

उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के पूर्व मंत्री को सजा सुनाने का सीबीआई अदालत का आदेश रद्द किया

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने श्मशान शेड घोटाला मामले में अन्नाद्रमुक के पूर्व मंत्री टी.एम. सेल्वागणपति को दोषी करार देने और दो वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाने संबंधी निचली अदालत का आदेश मंगलवार को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन ने सेल्वागणपति की अपील स्वीकार करते हुए 2014 में सीबीआई मामलों की विशेष अदालत द्वारा सुनाए गए आदेश को रद्द किया।

सेल्वागणपति अन्नाद्रमुक सरकार (1991-96) के दौरान मंत्री थे, उस समय दिवंगत जे. जयललिता राज्य की मुख्यमंत्री थीं। बाद में वह द्रमुक में शामिल हो गए थे। 2014 में, जब वह द्रमुक के राज्यसभा सदस्य थे, तब उन्हें विशेष अदालत ने श्मशान शेड घोटाले में दोषी करार दिया था, जिसके बाद उन्होंने उच्च सदन की सदस्यता खो दी थी।

न्यायाधीश ने तत्कालीन अधिकारियों भारती, कृष्णमूर्ति और सत्यमूर्ति को भी बरी कर दिया। विशेष अदालत ने उन्हें मूल रूप से मामले में दो साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। अभियोजन पक्ष ने श्मशान शेड के निर्माण में लगभग 23 लाख रुपये के घोटाले का आरोप लगाया था।

ईडी द्रमुक सरकार को बदनाम करने का प्रयास कर रही है : एनआर एलंगो

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा राज्य के पांच जिला कलेक्टरों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी समन पर रोक लगाने के तुरंत बाद डीएमके के राज्यसभा सांसद एनआर एलंगो ने आरोप लगाया कि ईडी डीएमके को बदनाम करने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा के इशारे पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ईडी का मकसद उसके अपने हलफनामे से स्पष्ट है, डीएमके सांसद ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 2016 के चुनावी भाषण का भी हवाला दिया। वर्ष 2019 में सत्ता में लौटने के बाद अन्नाद्रमुक के खिलाफ भाजपा की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए, एलांगो ने कहा कि देश के सभी राज्यों में रेत तस्करी के मामले लंबित हैं।

बढ़ती गर्मी का दबाव तमिलनाडु में श्रमिकों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। वैश्विक तापमान में इजाफे के कारण बढ़ती गर्मी का दबाव तमिलनाडु में नमक बनाने के काम से जुड़े श्रमिकों के लिए गंभीर व्यावसायिक स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। एक अध्ययन में यह कहा गया। 'किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स' जर्नल में प्रकाशित अध्ययन से कमजोर व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए अनुकूलन रणनीतियों और बेहतर स्वास्थ्य देखभाल पहुंच की तत्काल आवश्यकता का पता चलता है। 2017 से 2020 के बीच तमिलनाडु के नमक बनाने वाले सात क्षेत्र में 352 श्रमिकों का अध्ययन किया गया। विभिन्न कार्य भूमिकाओं के लिए कार्यभार और वर्गीकृत गर्मी दबाव स्तरों का मूल्यांकन किया गया। मुख्य संकेतक जैसे कि शिफ्ट से पहले और बाद की हृदय गति, शरीर का मुख्य तापमान, मूत्र विश्लेषण, पसीने की दर और किडनी के कार्य मापदंडों को मापा गया।

'रामचन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च', चेन्नई के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में पाया गया कि प्रत्येक प्रतिभागी पर या तो भारी या मध्यम काम का बोझ था और चिंताजनक रूप से लगभग 90 प्रतिशत कर्मचारी गर्मी की अनुशंसित सीमा से ऊपर काम करते पाए गए। शोधकर्ताओं ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियम ऐसी परिस्थितियों में नियमित ब्रेक अवधि लागू करने की सलाह देते हैं, लेकिन जांच किए गए नमक बनाने वाले क्षेत्र में इस तरह की ब्रेक सुविधा नहीं थी। उन्होंने कहा कि दिन में काम करने के दौरान श्रमिकों के शरीर का तापमान विशेष रूप से गर्मियों के महीनों के दौरान सुरक्षित स्तर को पार कर जाता है। श्रमिकों ने गर्मी के कारण दबाव, निर्जलीकरण और मूत्र पथ में संक्रमण जैसे लक्षणों की सूचना दी, जो संभवतः अत्यधिक पसीना आने, शौचालय तक पहुंच की कमी और उनकी पाली के दौरान सीमित पानी की खपत के कारण थे। शोधकर्ताओं के अनुसार, विशेष रूप से चिंता का विषय किडनी के स्वास्थ्य पर गर्मी के दबाव का प्रभाव है।

अध्ययन में सात प्रतिशत श्रमिकों में कम अनुमानित 'ग्लोमेरुलर फिल्टरेशन रेट' (ईजीएफआर), जो किडनी के कार्य का एक संकेतक है, की व्यापकता का पता चला। शोधकर्ताओं ने कहा कि गर्मी का दबाव किडनी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से जुड़ा हुआ है, जिनमें किडनी को नुकसान पहुंचाने, पथरी बनने, किडनी से जुड़े गंभीर रोग और मूत्र पथ के संक्रमण शामिल हैं। श्री रामचन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च की विद्या वेणुगोपाल ने कहा, हमारे पास इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि गर्मी का दबाव इन श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है।''

काशी तमिल संगमम का दूसरा चरण 17 से 30 दिसंबर तक होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आईआईटी मद्रास द्वारा अपने पंजीकरण पोर्टल के लॉन्च के साथ काशी तमिल संगमम (केटीएस) के दूसरे चरण के लिए मंच पूरी तरह तैयार है। तमिलनाडु और पुडुचेरी के इच्छुक लोग केटीएस पोर्टल काशीतमिल.आईआईटीएम.एसी.इन पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 8 दिसंबर है। इस 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम का दूसरा संस्करण 17 दिसंबर से 30 दिसंबर तक आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

अपने पहले संस्करण की तरह, यह कार्यक्रम जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को आपस में जोड़ने की सुविधा प्रदान करके वाराणसी और तमिलनाडु के बीच जीवंत संबंधों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव करता है। केटीएस के चरण 2 में यह प्रस्तावित है कि तमिलनाडु और पुडुचेरी से लगभग 1,400 लोग यात्रा समय सहित आठ दिवसीय दौरे के लिए ट्रेन से वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या की यात्रा करेंगे।

उन्हें लगभग प्रत्येक 200 को सात समूहों में विभाजित किया जाएगा, जिसमें छात्र, शिक्षक, किसान, कारीगर, व्यापारी के अलावा धर्मगुरु, लेखक, पेशेवर शामिल होंगे। हर समूह का नाम किसी पवित्र नदी, जैसे- गंगा, यमुना, सरस्वती, सिंधु, नर्मदा, गोदावरी और कावेरी के नाम पर रखा जाएगा। प्रतिनिधियों को ऐतिहासिक, पर्यटक और धार्मिक रुचि वाले

स्थानों का दौरा करने और उनके कार्यक्षेत्र से उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ बातचीत करने के लिए ले जाया जाएगा। प्रतिनिधियों का चयन इस उद्देश्य के लिए गठित चयन समिति द्वारा किया जाएगा। चयन के बाद उन्हें आगे की प्रक्रिया के लिए सूचित किया जाएगा।

भारत सरकार का केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय इस कार्यक्रम के लिए नोडल मंत्रालय होगा, जिसमें एएसआई सहित संस्कृति मंत्रालय, आईआरसीटीसी, रेलवे, पर्यटन, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, एमएसएमई, आई एंड बी, एसडी एंड ई और उत्तर प्रदेश सरकार के संबंधित विभाग शामिल होंगे। पहले चरण से मिले अनुभवों का लाभ उठाने और अनुसंधान के लिए अपनी प्रतिष्ठा को देखते हुए, आईआईटी मद्रास और आईआईटी बीएचयू तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों के रूप में काम करेंगे।

प्रतिनिधि यात्रा कार्यक्रम में आगे और वापसी की यात्रा के लिए दो-दो दिन शामिल होंगे; दो दिन वाराणसी में और एक-एक दिन प्रयागराज और अयोध्या में। कला और संस्कृति, हथकरघा, हस्तशिल्प, व्यंजन और तमिलनाडु और काशी के अन्य विशेष उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले स्टॉल लगाए जाएंगे। वाराणसी के नमो घाट पर तमिलनाडु और काशी की संस्कृति का मिश्रण करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवधि के दौरान ज्ञान के विभिन्न पहलुओं, जैसे साहित्य, प्राचीन ग्रंथ, दर्शन, आध्यात्मिकता, संगीत, नृत्य, नाटक, योग, आयुर्वेद, हथकरघा, हस्तशिल्प के साथ-साथ आधुनिक नवाचार, व्यापार आदान-प्रदान, एडुटेक और अन्य पीढ़ी की अगली तकनीक और अकादमिक आदान-प्रदान जैसे सेमिनार, चर्चा, व्याख्यान आदि का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा विशेषज्ञों और विद्वानों, तमिलनाडु और वाराणसी से उपर्युक्त विषयों, व्यवसायों के स्थानीय व्यावहारिक व्यवसायी भी इन आदान-प्रदानों में भाग लेंगे, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में आपसी शिक्षण से व्यावहारिक ज्ञान/नवाचार का एक समूह उभर सके। एक दिसंबर से 31 दिसंबर तक कार्यशालाओं, सेमिनारों, बैठकों और अन्य आउटरीच अभियान कार्यक्रमों के साथ तमिलनाडु के चिह्नित संस्थानों के तालमेल से समर्पित जागरूकता सृजन और आउटरीच गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

पंजाब ने शूटआउट में हरियाणा को हराकर पुरूष राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप जीती

चेन्नई। पंजाब ने गत चैम्पियन हरियाणा को पेनल्टी शूटआउट में हराकर सीनियर पुरूष राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप जीत ली। पंजाब और हरियाणा का स्कोर निर्धारित समय तक 2.2 से बराबर था। पंजाब ने शूटआउट में 9.8 से जीत दर्ज की। पंजाब के लिये हरजीत सिंह ने 13वें मिनट में पहला गोल किया। हरियाणा के संजय ने 25वें मिनट में बराबरी का गोल दागा।

पंजाब और भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा लेकिन आठ मिनट बाद हरियाणा के रजत ने बराबरी का गोल कर दिया। शूटआउट में हरियाणा के लिये संजय, दीपक और अभिषेक ने गोल किये। पंजाब के लिये हरमनप्रीत, सिमरनजीत और सुखजीत सिंह ने गोल किये।

मुलाकात

बेंगलूरु में गत दिनों पैलेस ग्राउन्ड में आयोजित हुए बेंगलूरु कंबाला में केन्द्रीय किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने भी भाग लिया। इस मौके पर उनके साथ आयोजक सचिव अक्षय राई भी उपस्थित थे। उन्होंने कंबाला में दौड़ने वाले भैंसों के मालिकों और उनके रखरखाव करने वाले किसानों से मुलाकात करवाई। मंत्री ने लगभग डेढ घंटा इन लोगों के साथ बिताया और उनसे बातचीत की। उन्होंने पूछा कि अगर वापस बेंगलूरु बुलाया जाएगा तो क्या वह आएंगे तो सभी के आने में प्रसन्नता जाहिर की। मंत्री शोभा करंदलाजे ने सभी को आश्वासन दिया कि जब दोबारा आएंगे तो सभी व्यवस्थाएं की जाएगी। उनकी सभी जरूरतों का ध्यान रखा जाएगा।

तेलंगाना के अखबारों में विज्ञापनों को लेकर ईसी के पत्र पर कर्नाटक सरकार ने कहा : नियम का उल्लंघन नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि चुनावी राज्य तेलंगाना के अखबारों में अपने काम के बारे में राज्य (कर्नाटक) सरकार के विज्ञापन किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं करते हैं, क्योंकि उन्होंने वोट नहीं मांगे हैं। शिवकुमार ने कहा कि राज्य सरकार इस बारे में निर्वाचन आयोग के पत्र का जवाब देगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को इस मामले में निर्वाचन आयोग (ईसी) से एक शिकायत की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कांग्रेस ने तेलंगाना में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले वहां के अखबारों में कर्नाटक की अपनी सरकार के बारे में विज्ञापन प्रकाशित कर जन प्रतिनिधित्व अधिनियम और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है।

आयोग ने उसी दिन कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को निर्देश दिया था कि वह तेलंगाना के अखबारों में अपने काम के बारे में विज्ञापन प्रकाशित करना बंद कर दे। इतना ही नहीं आयोग ने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के तहत पूर्वानुमति नहीं लेने के लिए उससे स्पष्टीकरण भी मांगा। शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से कहा कि इन विज्ञापनों का उद्देश्य केवल कर्नाटक सरकार द्वारा किए गए कार्यों को दर्शाना है और ऐसा विपक्षी दलों के उन आरोपों के कारण किया गया है, जिसमें कहा गया है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने अपनी कोई भी 'गारंटी योजना' लागू नहीं की है। आयोग के निर्देशों के बारे में पूछे गये एक सवाल के जवाब में उन्होंने पूछा, हमने कोई उल्लंघन नहीं किया है; कर्नाटक सरकार ने किसी से वोट नहीं मांगा है...हमने क्या उल्लंघन किया है? उन्होंने जोर देकर कहा, हमने जो भी काम किया है, उसे हमने विभिन्न राज्यों के सामने पेश किया है– अखबार के पाठकों के सामने, भले ही वह कर्नाटक में हो, तमिलनाडु में हो अथवा तेलंगाना में... कोई समस्या नहीं है।

उन्होंने एक बार फिर कहा कि ये विज्ञापन कर्नाटक सरकार के बारे में विपक्ष के दावों के कारण प्रकाशित किये गये, न कि मतों के लिए। उन्होंने कहा, ''वे (विपक्षी दल) यह प्रचार करने की कोशिश कर रहे थे कि हमने (गारंटी योजनाएं) लागू नहीं की हैं – हमने सिर्फ (विज्ञापनों में गारंटी के कार्यान्वयन के बारे में) बताया है, हमने कोई वोट नहीं मांगा है।''

शिवकुमार ने कहा, यदि हमने कोई वोट मांगा होता तो (सवाल करना) ठीक था, लेकिन हमने किसी से वोट नहीं मांगा है; हमने यह नहीं कहा है कि कांग्रेस या 'एक्स' या 'वाई' के लिए वोट करें। तेलंगाना की सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भी इस मुद्दे पर निर्वाचन आयोग से संपर्क किया था।

कर्नाटक के मुख्य सचिव को लिखे एक पत्र में, आयोग ने कहा कि राज्य सरकार ने विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए उससे पूर्व मंजूरी नहीं ली थी, और उसका कृत्य केंद्र और राज्य सरकारों के लिए वर्षों पहले जारी किए गए आदर्श चुनाव आचार संहिता के निर्देशों का उल्लंघन था। आयोग ने कर्नाटक सरकार को यह भी निर्देश दिया कि वह आवश्यक मंजूरी मिलने तक तेलंगाना में ऐसे किसी भी विज्ञापन का प्रकाशन तत्काल प्रभाव से बंद कर दे। चुनाव आयोग ने उन परिस्थितियों पर मंगलवार शाम पांच बजे तक स्पष्टीकरण मांगा है, जिनके कारण आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन हुआ।

अपने पत्र में, आयोग ने यह भी पूछा कि एमसीसी निर्देशों के तहत उल्लिखित प्रक्रिया के उल्लंघन के लिए सूचना और जनसंपर्क विभाग के प्रभारी सचिव के खिलाफ क्यों नहीं अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। तेलंगाना विधानसभा चुनाव 30 नवंबर को होंगे।

विवाह से निजता का अधिकार निष्प्रभावी नहीं हो जाता : कर्नाटक उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने कहा है कि विवाह किसी व्यक्ति के उसकी निजी जानकारी प्रकट करने के संबंध में प्रक्रियात्मक अधिकारों को खत्म नहीं करता। एकल न्यायाधीश के आदेश को रद्द करते हुए न्यायमूर्ति सुनील दत्त यादव और न्यायमूर्ति विजयकुमार ए पाटिल की खंडपीठ ने कहा कि आधार अधिनियम की धारा 33 के तहत प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए, भले ही जानकारी मांगने वाली पत्नी हो। धारा 33 (1) के अनुसार सूचना प्रकट करने का आदेश पारित करने की शक्ति उच्च न्यायालय के न्यायाधीश से कनिष्ठ किसी न्यायालय को नहीं दी गई है। लेकिन उच्च न्यायालय ने कहा कि एकल न्यायाधीश के आदेश में उससे नीचे के प्राधिकारी को विवरण देने का निर्देश दिया गया था।

खंडपीठ ने कहा, विद्वान एकल न्यायाधीश ने सहायक महानिदेशक, केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (यूआईडीएआई) को उस व्यक्ति को नोटिस जारी करने का निर्देश देकर पूरी तरह त्रुटिपूर्ण काम किया है जिसके बारे में जानकारी मांगी गई है। यह एक स्थापित सिद्धांत है कि यदि अधिनियम यह प्रावधान करता है कि कोई विशेष कार्य किसी विशेष तरीके से किया जाना है, तो इसे उस तरीके से किया जाना चाहिए या बिल्कुल नहीं किया जाना चाहिए।

उत्तर कर्नाटक के हुब्बल्ली की रहने वाली महिला ने अपने पति के आधार कार्ड में अंकित पते की जानकारी लोक सूचना अधिकारी (यूआईडीएआई) से मांगी थी। वह एक कुटुंब अदालत के माध्यम से प्रयास कर रही थी कि उसके पति को उसे गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया जाए जो फरार था। अधिकारी ने जवाब दिया कि जानकारी देने के लिए उच्च न्यायालय का आदेश जरूरी है जिसके बाद महिला ने एकल पीठ का रुख किया। एकल पीठ के आदेश को केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (यूआईडीएआई) ने चुनौती दी थी। अदालत ने एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ दलीलों को स्वीकार कर लिया।

केएस पुत्तस्वामी मामले में शीर्ष अदालत के आदेश का उल्लेख करते हुए खंडपीठ ने कहा, 'आधार संख्या धारक की निजता के अधिकार में उस व्यक्ति के निजता के अधिकार की स्वायत्तता निहित है।'

नेपाली गैंग से लाखों के गहने जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। घरों में चोरी करने वाले एक नेपाली गैंग को गिरफ्तार कर पुलिस ने उनके पास से लाखों रुपए के आभूषण बहुमूल्य वस्तुएं जब्त की हैं। करोड़ों रुपए की घरों से चोरी कर फरार हुए सात लोगों की एक गैंग को महालक्ष्मी लेआउट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस गिरोह में तीन महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से तीन किलो वजन के सोने के आभूषण, आधा किलो वजन के चांदी के आइटम और 14 हाथ घड़ी एवं अन्य बहुमूल्य वस्तु जब्त की हैं। गिरफ्तारों में गैंग लीडर उपेन्द्र साही सहित नाचेन्द्र साही, कोलान साही, स्वास्तिक साही, पूजा साही, पार्वती साही और सादला साही को देश के विभिन्न शहरों से गिरफ्तार किया गया है। इन सभी को पकड़ने के लिए डीसीपी नार्थ सदलु अडावत के नेतृत्व में तीन टीम बनाई गईं थी। गिरफ्तार नेपाल मूल के इन चोरों की अन्य 15 प्रकरणों में भी नामदर्ज है। चोरी कर यहां से नेपाल जाने की बात बोलकर यह लोग भारत के अन्य शहरों में घूम रहे थे।

एक शहर में केवल दो–तीन दिन ही रहते थे। पुलिस ने इन्हें विभिन्न शहरों से गिरफ्तार किया। मंगलवार को पुलिस आयुक्त दयानंद ने आयुक्त कार्यालय में प्रदर्शित जब्त आइटमों को देखा।

काशी तमिल संगमम का दूसरा चरण 17 से 30 दिसंबर तक होगा

चेन्नई। आईआईटी मद्रास द्वारा अपने पंजीकरण पोर्टल के लॉन्च के साथ काशी तमिल संगमम (केटीएस) के दूसरे चरण के लिए मंच पूरी तरह तैयार है। तमिलनाडु और पुडुचेरी के इच्छुक लोग केटीएस पोर्टल काशीतमिल.आईआईटीएम.एसी.इन पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 8 दिसंबर है। इस 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम का दूसरा संस्करण 17 दिसंबर से 30 दिसंबर तक आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

अपने पहले संस्करण की तरह, यह कार्यक्रम जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को आपस में जोड़ने की सुविधा प्रदान करके वाराणसी और तमिलनाडु के बीच जीवंत संबंधों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव करता है। केटीएस के चरण 2 में यह प्रस्तावित है कि तमिलनाडु और पुडुचेरी से लगभग 1,400 लोग यात्रा समय सहित आठ दिवसीय दौरे के लिए ट्रेन से वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या की यात्रा करेंगे।

चिप कंपनी एएमडी ने बेंगलूरु में अपना सबसे बड़ा वैश्विक डिजाइन केंद्र शुरू किया

बेंगलूरु/नई दिल्ली। अमेरिकी सेमीकंडक्टर कंपनी एएमडी ने बेंगलूरु में अपना सबसे बड़ा वैश्विक डिजाइन केंद्र शुरू किया है। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि यह पहल भारत में 40 करोड़ डॉलर के उसके निवेश का हिस्सा है, जिसकी उसने जुलाई में घोषणा की थी। कंपनी ने एक बयान में कहा, पांच लाख वर्गफुट के परिसर का उद्घाटन केंद्रीय रेल, दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया। इस परिसर में आने वाले वर्षों में लगभग 3,000 एएमडी इंजीनियरों के लाने की योजना है। यह 3डी स्टैक, कृत्रिम मेधा (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) जैसी सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के डिजाइन और विकास पर केंद्रित है।

यह परिसर डेटा सेंटर और पीसी के लिए उच्च प्रदर्शन वाले सीपीयू और गेमिंग ग्राफिक्स प्रोसेसिंग इकाइयों (जीपीयू) में नेतृत्व उत्पादों के विकास के लिए उत्कृष्ट केंद्र के रूप में काम करेगा। वैष्णव ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किया गया भारत का सेमीकंडक्टर कार्यक्रम सेमीकंडक्टर के लिए डिजाइन और प्रतिभा परिवेश का समर्थन करने पर जोर देता है।

लॉकअप मौत मामले में तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर

कोलार/दक्षिण भारत । कर्नाटक के कोलार जिले में लॉकअप में मौत के मामले में एक पुलिस उप–निरीक्षक (पीएसआई) सहित तीन पुलिस अधिकारियों पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मामले में डिप्टी एसपी नंदकुमार की एक रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की गई। एफआईआर पीएसआई प्रदीप सिंह और पुलिस कांस्टेबल मंजूनाथ और महंतेश पूजार के खिलाफ दर्ज की गई है, जो मुलबागल के नंगली पुलिस स्टेशन से जुड़े हैं। आरोपी अधिकारियों ने आंध्र प्रदेश के मदनपल्ले निवासी मुनिराजू और बालाजी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। पुलिस ने बताया कि मुनिराजू और बालाजी को 17 सितंबर को पुलिस स्टेशन लाया गया था। 1 अक्टूबर को मुनिराजू की एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। जांच से पता चला कि पीड़ित मुनिराजू को उसकी मौत से पहले पूछताछ के लिए 15 दिनों तक विभिन्न स्थानों पर रखा गया।उनकी मौत की जांच से पता चला कि अधिकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को बताए बिना जांच कर रहे थे।

कर्नाटक गर्भपात रैकेट : जांच में खुलासा, आरोपियों ने 3,000 कन्या भ्रूणों का गर्भपात किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में हाल ही में सामने आए भ्रूणहत्या घोटाले की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अब तक 3,000 कन्या भ्रूणों का गर्भपात किया है। बेंगलूरु के पुलिस कमिश्नर बी. दयानंद ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि जांच से पता चला है कि आरोपियों ने अब तक 3,000 गर्भपात कराए हैं और पिछले तीन महीनों में ही 242 कन्या भ्रूणों की हत्या कर दी गई।आरोपियों ने पैसा कमाने के लिए प्रति वर्ष 1,000 गर्भपात का लक्ष्य रखा था। वे प्रति गर्भावस्था समाप्ति के लिए 20,000 से 25,000 रुपये लेते थे। यह घोटाला तब सामने आया जब 15 अक्टूबर को बयप्पनहल्ली पुलिस ने संदिग्ध रूप से घूम रहे एक वाहन को रोकने की कोशिश की। वाहन का चालक नहीं रुका। इसके बाद पुलिस ने वाहन का पीछा कर उसे पकड़ लिया।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने गर्भपात रैकेट के बारे में खुलासा किया। पुलिस ने इस घृणित गतिविधि में शामिल होने के आरोप में अब तक दो डॉक्टरों और तीन लैब तकनीशियनों सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस आयुक्त दयानंद ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से दो को अपहरण के मामले में भी शामिल पाया गया। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा है कि मामले की जांच जल्द ही पूरी हो जाएगी और सब कुछ सामने आ जाएगा। जांच से यह भी पता चला कि गर्भपात मांड्या जिले में एक जैगरी प्रोडक्शन यूनिट में किया गया था, जहां आरोपियों ने एक लैब और संबंधित सुविधाएं स्थापित की थी। मंड्या के सहायक आयुक्त शिवमूर्ति ने कहा कि जिला आयुक्त के आदेश के अनुसार जैगरी प्रोडक्शन यूनिट को सीज कर दिया गया है।

कुशलक्षेम

मंगलवार को बेंगलूरु के नेलमंगला के पास सोलादेवनहल्ली में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अभिनेत्री डॉ. लीलावती से उनके फार्म हाउस में जाकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस मौके पर लीलावती के बेटे अभिनेता विनोद राज, स्थानीय विधायक एन श्रीनिवास, एमएलसी रवि और अन्य उपस्थित थे। गौरतलब है कि कल सोशल मीडिया में उनके स्वास्थ्य को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं।

महिला का शिकार करने वाला बाघ कैद में आया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के बंडीपुर बाघ अभयारण्य में 50 वर्षीय महिला का शिकार करने वाले बाघ को पकड़कर मैसुरु के पास कूर्गल्ली पुनर्वास केंद्र में भेज दिया गया। एक वन अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बाघ ने 24 नवंबर को महिला पर हमला कर दिया था जिसमें उसकी मौत हो गई थी।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुभाष मालखेड़े ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, 'बाघ की स्थिति ठीक है। उसे बेहोश कर दिया गया है और मैसूरु बचाव केंद्र लाया गया है। चिकित्सक बाघ की देखभाल कर रहे हैं। उसकी स्वास्थ्य जांच भी की जा रही है।' उन्होंने कहा कि बाघ को पूरी तरह से ठीक होने में कम से कम एक दिन का समय लगेगा।

बंडीपुर बाघ अभयारण्य के वन संरक्षक डॉ पी. रमेश कुमार के नेतृत्व में 10 वर्षीय बाघ को पकड़ने का अभियान चलाया गया। वन विभाग के सूत्रों ने कहा कि कर्मचारियों ने बाघ को कैद करने के लिए एक पिंजरे में गाय को रखा और जब वह गाय पर हमला करने के लिए वहां पहुंचा तो उसे बेहोश करके कैद कर लिया गया।

बोर्ड, निगमों में नियुक्तियों को लेकर मुझसे विचार-विमर्श नहीं किया गया : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विभिन्न बोर्ड और निगमों में नियुक्तियों को लेकर कांग्रेस में जारी चर्चा के बीच प्रदेश के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि इस विषय पर उनके साथ कोई विचार–विमर्श नहीं किया गया। बहरहाल, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि 'किसी भी नेता से संपर्क नहीं किया गया है, क्योंकि प्रक्रिया अभी भी 'शुरुआती चरण' में है।'

कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला पार्टी की राज्य इकाई के नेतृत्व के साथ इस विषय पर चर्चा के लिए बेंगलूरु में हैं। पिछले सप्ताह भी उन्होंने यहां इस मुद्दे पर चर्चा की थी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बोर्ड और निगमों में नियुक्तियां उन मुद्दों में से एक हैं जिन पर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और शिवकुमार के बीच कुछ मतभेद थे।

गृह मंत्री परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, ''नहीं, मुझसे सलाह नहीं ली गई है। अगर सलाह ली जाती, तो अच्छा होता। मैं आठ साल तक पार्टी का (प्रदेश) अध्यक्ष था और इसके बारे में सुझाव दे सकता था कि मौजूदा हालात में राजनीतिक रूप से कौन फायदेमंद होगा। वरिष्ठता को लेकर अपनी राय दे सकता था।'

उन्होंने आगे कहा, 'वे (पार्टी नेतृत्व) भी इसके बारे में जानते हैं, लेकिन अगर हमसे भी सलाह ली जाती, तो अच्छा होता। वे अंततः आलाकमान की सहमति लेने के बाद निर्णय ले सकते हैं। उन्हें ऐसा करने दीजिए।' मंत्री ने यह भी कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि सूची को कब अंतिम रूप दिया जाएगा। माना जा रहा है कि अब तक नियुक्तियां नहीं होने से पार्टी के एक वर्ग के भीतर खासकर उन विधायकों में कुछ असंतोष है, जो मंत्री नहीं बन सके।

परमेश्वर की टिप्पणियों को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा, केवल परमेश्वर ही नहीं, किसी की भी राय अभी तक नहीं ली गई है। यह (चर्चा) अभी प्रारंभिक चरण में है... सूची को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है, इसलिए इस पर मेरा टिप्पणी करना ठीक नहीं होगा। उधर, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायकों और कार्यकर्ताओं को राज्य के विभिन्न बोर्ड एवं निगमों में प्रमुख पदों पर नियुक्त करने के संबंध में चर्चा जारी है और सूची को अंतिम रूप दिए जाने पर इसे मंजूरी के लिए पार्टी आलाकमान को भेजा जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवकुमार ने सुरजेवाला के साथ मुलाकात से संबंधित सवाल पर संवाददाताओं से कहा, यह हमारा नियमित काम है, यह पार्टी का काम है...वह (सुरजेवाला) व्यस्त थे।

हमने दो से तीन दौर की बैठकें की हैं, आज भी हमारी बैठक होगी, सूची दिल्ली जानी है, उसके बाद हम आप लोगों को सूचित करेंगे। शिवकुमार ने हाल ही में कहा था कि कांग्रेस विधायकों और पार्टी कार्यकर्ताओं दोनों को बोर्ड एवं निगमों में नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने यह संकेत भी दिया था कि लगभग 15 से 20 विधायकों और एमएलसी को बोर्ड एवं निगमों में समायोजित किया जाएगा तथा समर्पित कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारियां दी जाएंगी।

बेंगलूरु में नवजातों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में पुलिस ने नवजात बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर कथित सात एजेंट' को गिरफ्तार किया है और इस पूरे प्रकरण में चिकित्सकों के भी शामिल होने का संदेह है। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 20 दिन के एक बच्चे को तब बचाया गया जब गिरोह के सदस्यों को यहां राजराजेश्वरी नगर में संदिग्ध परिस्थितियों में देखा गया। उन्होंने बताया कि गिरोह के सदस्य मुख्य रूप से पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के हैं।

अधिकारी के मुताबिक गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान सुहासिनी, गोमती, कन्नन रामास्वामी, हेमलता, शरण्या, महालक्ष्मी और राधा के रूप में की गई है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि राजराजेश्वरी नगर थाना में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरोह कथित रूप से नवजात शिशुओं की चोरी कर निःसंतान दंपतियों को ऊंची कीमत' पर बेचने में शामिल था। गिरोह द्वारा बेंगलूरु में बेचे गए अधिकतर बच्चों को पड़ोसी राज्य तमिलनाडु से लाए जाने का संदेह है।

दयानंद ने संवाददाताओं से कहा,यह एक बड़ा गिरोह है जिसमें तस्करी किए गए बच्चों को निःसंतान माता–पिता को आठ लाख रुपये से 10 लाख रुपये में बेचा जाता है। केंद्रीय अपराध शाखा की पूछताछ में पता चला है कि उन्होंने अब तक 10 बच्चे बेचे हैं।

सुविचार

जीवन में गिरना भी अच्छा है, औकात का पता चलता है, बढ़ते हैं जब हाथ उठाने को, तो अपनों का पता चलता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जांच से पहले 'दोषी'!

अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित हिक्सविले गुरुद्वारे में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू से धक्का-मुक्की किए जाने की घटना अत्यंत निंदनीय है। स्थानीय प्रशासन को इन उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। गुरुद्वारा, जो अत्यंत पावन और पवित्र स्थल होता है, वहां ऐसे उपद्रवी तत्त्वों की मौजूदगी होनी ही नहीं चाहिए। उन्होंने भारतीय राजदूत से न केवल धक्का-मुक्की की, बल्कि खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर, जिसकी इस साल जून में हत्या हो गई थी, के बारे में कई सवाल भी किए! इस घटना के बाद अमेरिका को सतर्क हो जाना चाहिए, चूंकि 'खालिस्तान' नामक अलगाववाद का जो उन्माद कनाडा में जड़ें मजबूत कर रहा है, वह उसके यहां भी जमीन तलाशनी शुरू कर सकता है। अभी ऐसे लोगों के प्रति अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उदारवाद के नाम पर नरमी बरती जा रही है, लेकिन कालांतर में ये अमेरिका के लिए बड़ा सिरदर्द बन सकते हैं। बाइडन प्रशासन को चाहिए कि वह इनके पर कतरे और जेल में डाले। जिस अलगाववादी निज्जर के मारे जाने की इन उपद्रवियों को इतनी पीड़ा हो रही है, क्या वे जानते नहीं कि वह कौन था? आज कनाडा में बैठकर खालिस्तान के नाम पर अलगाववाद भड़काने वाले कोई मानवता के हितैषी और क्रांतिकारी नहीं हैं। इनके दिमाग में नफरत का जहर भरा हुआ है। इनके कथित नेता, जिनके इशारों पर ये नाच रहे हैं, उनका रिकॉर्ड देखा जाना चाहिए। वे हिंसा, ड्रग्स, शराब समेत कई अनैतिक गतिविधियों व अपराधों में लिप्त हैं। 'खालिस्तान' के नाम पर धन इकट्ठा करने के बाद उसमें से ज्यादा हिस्सा पाने के लिए इनमें सिर-फुटौवल जोरों पर है। जो कोई एक-डेढ़ दर्जन लोगों को लेकर नारेबाजी कर लेता है, वह खुद को बड़ा नेता समझ लेता है। अपना नाम बड़ा करने के लिए इनकी मंडली में संघर्ष होता रहता है। इसका नतीजा प्रतिद्वंद्वी को 'रास्ते से हटाने' के रूप में सामने आता है। जब बुरे मकसद के लिए एकजुट होंगे तो नतीजा अच्छा कैसे हो सकता है?

कनाडाई सरकार के हालिया रुख को देखकर तो ऐसा लगता है कि उसने हताहत अलगाववादी के मामले को जीवन-मरण का प्रश्न बना लिया है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो खुलकर उसकी हिमायत कर रहे हैं! कनाडा जैसा लोकतांत्रिक देश, जिसकी मिसाल भी दी जाती रही है, का प्रधानमंत्री दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश द्वारा आतंकवादी घोषित किए गए शख्स का इस तरह पक्ष क्यों ले रहा है? क्या कोई सियासी मजबूरी है? सूझबूझ वाले नेता जब बड़े ओहदे पर जाते हैं तो अन्य देशों से संबंध मधुर बनाने की कोशिश करते हैं। ट्रूडो ऐसे नेता हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री बनने के बाद न केवल अपराधियों को संरक्षण दिया, बल्कि भारत से संबंध बिगाड़ने में पूरी ताकत लगा दी। इससे क्या हासिल हुआ? क्या ट्रूडो यह सोचते हैं कि खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों के पक्ष में खड़े होकर वे इनके जीवन को सुरक्षित बना लेंगे? कर्म की गति ऐसी होती है कि उसका फल लौटकर आएगा ही आएगा। आज भले ही ट्रूडो उनकी हिमायत करें, लेकिन देर-सबेर अलगाववादियों में आपसी संघर्ष इतना तेज होगा कि ये एक-दूसरे पर धावा बोलेंगे। इसका ज्वलंत उदाहरण पाकिस्तान के रूप में सामने है, जहां आतंकवादियों को 'अच्छे आतंकवादी' और 'बुरे आतंकवादी' में बांटा गया था और आज वे एक-दूसरे के ठिकानों में बम फोड़ रहे हैं। निज्जर मामले में कनाडाई सरकार सबूत जुटाने के बजाय अंधेरे में तीर चला रही है। इसके जवाब में कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने उचित कहा कि 'जांच पूरी हुए बिना ही भारत को दोषी ठहराया गया। क्या यही कानून का शासन है? ... क्योंकि भारत को सहयोग करने के लिए कहा गया था। और यदि आप विशिष्ट आपराधिक शब्दावली को देखें, जब कोई हमसे सहयोग करने के लिए कहता है, तो इसका अर्थ है कि आपको पहले ही दोषी ठहराया जा चुका है और बेहतर होगा कि आप सहयोग करें। इसलिए हमने इसे बिल्कुल अलग अर्थ में लिया।' निस्संदेह यह एक 'प्रेरित' और 'बेतुका' आरोप है।

ट्वीटर टॉक

बाबा विश्वनाथ की पावन धरा काशी में लाखों दीये अपना दिव्य प्रकाश बिखेर रहे हैं। देव दीपावली पर यहां के घाटों का यह दृश्य अद्भुत, अलौकिक और अविस्मरणीय है। कई देशों के राजदूत भी इसके साक्षी बने। मैं इस पुण्य अवसर पर अपने सभी परिवारजनों के कल्याण की कामना करता हूं।

-नरेन्द्र मोदी

सामाजिक न्याय के प्रणेता महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर सादर नमन। महात्मा फुले आजीवन महिला शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए संकल्पित रहे। उन्होंने समावेशी और समतामूलक समाज के निर्माण का संदेश दिया, तथा कुरीतियों का विरोध किया।

-ओम बिरला

मानव और प्रकृति के आत्मीय संबंधों को प्रकट करते लोक आस्था के महापर्व 'कार्तिक पूर्णिमा' की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। समस्त जनों का समग्र कल्याण करें और कामना करता हूँ कि उनकी कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आए।

-कलराज मिश्र

प्रेरक प्रसंग

सर्वश्रेष्ठता का गुण

एक दिन अकबर ने अपने दरबारियों से पांच प्रश्न पूछे। उसने पूछा, 'कौन सा फूल सबसे अच्छा है?' एक दरबारी ने उत्तर दिया, 'गुलाब।' दूसरों ने अन्य सुंदर फूलों का उल्लेख किया। बीरबल ने कहा, 'मुझे लगता है कि कपास का फूल सबसे अच्छा है, क्योंकि इसका उपयोग कपड़ा बनाने के लिए किया जाता है।' अकबर ने आगे कहा, 'कौन-सा दूध सबसे अच्छा है?' दरबारियों ने कहा, 'गाय का दूध!' बीरबल असहमत थे। उन्होंने कहा, 'हमें रचने वाला मां का दूध सबसे अच्छा है।' आपको सबसे अच्छी मिठास कहां मिल सकती है?' अकबर ने पूछा। दरबारियों ने विभिन्न मिठाइयों के नाम रखे। बीरबल ने कहा कि मिठास तो जीभ ही चख सकती है, इसलिए मिठास तो हमारी जीभ में ही है। अकबर जानना चाहते थे कि कौन-सा पत्ता सबसे अच्छा है। कुछ ने नीम के पत्ते का नाम दिया। अंत में, अकबर ने उनसे सबसे अच्छे राजा का नाम बताने को कहा। बीरबल को छोड़कर सभी ने कहा कि अकबर सर्वश्रेष्ठ राजा था। बीरबल ने कहा, 'राजा इंद्र हमें बारिश देते हैं। बारिश के कारण फसलें बढ़ती हैं, इस प्रकार हमें भोजन मिलता है। राजा इंद्र सर्वश्रेष्ठ राजा हैं।'

सामयिक

राजनीतिक विरोध में ऐसी भाषा अंदर से हिला देती है

अवधेश कुमार
मोबाइल : 9811027208

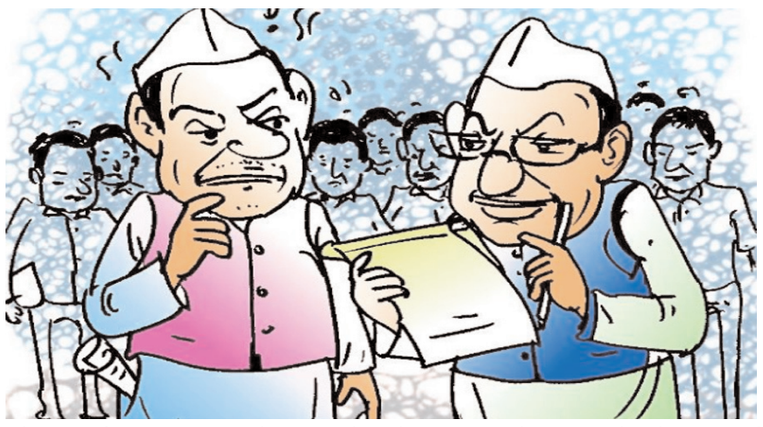

राजनीतिक दलों में नेता अपने विरोधियों और प्रतिस्पर्धियों के विरुद्ध जैसे शब्द और विचार प्रकट करने लगे हैं वो किसी भी विवेकशील व्यक्ति को अंदर से हिलाने वाला है। विश्व कप क्रिकेट में भारत की पराजय के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्र बनाकर जिस तरह के शब्द और विचार शीर्ष स्तर के नेताओं द्वारा प्रकट किए गए उनकी सभ्य समाज में कल्पना नहीं की जा सकती। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए पनौती शब्द प्रयोग किया। पनौती का सामान्य अर्थ होता है ऐसा व्यक्ति जो जहां जाएगा वही बंटाधार कराएगा। जैसे हम गांव मोहल्ले में किसी के बारे में बोलते हैं कि अरे, सुबह-सुबह उसका चेहरा देख लिया, पूरा दिन बर्बाद हो गया, वह नहीं होता तो हम सफल होते आदि आदि। राहुल गांधी ने कहा कि अच्छे भले लड़के खेल रहे थे, गया और हरवा दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मतलब पनौती मोदी। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं में शामिल और इस समय राहुल गांधी के रणनीतिकारों में प्रमुख जयराम रमेश ने तो भारतीय टीम की पराजय के बाद ड्रेसिंग रूम में जाकर मुलाकात पर उन्हें मास्टर ऑफ ड्रामा कह दिया। ऐसा करने वाले ये दो ही नहीं थे। नेताओं की एक लंबी सूची है। उदाहरण के लिए बिहार के श्रम संसाधन मंत्री और राजद नेता सुरेंद्र राम ने भी हार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार ठहराया, राजस्थान के आरएलपी नेता हनुमान बेनिवाल ने प्रधानमंत्री को हार का जनरेटर बता दिया और शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता सांसद संजय राउत ने कहा कि अगर फाइनल मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम या कोलकाता के ईडन गार्डन में होता तो भारत क्रिकेट का विश्वविजेता बन सकता था। सरदार वल्लभभाई स्टेडियम का नाम बदलकर नरेंद्र मोदी स्टेडियम बना दिया ताकि वहां वर्ल्ड कप जीतें तो ये संदेश जाए कि नरेंद्र मोदी स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे इसलिए विश्व कप जीता है।

राहुल गांधी की सीमा केवल पनौती शब्द तक सीमित नहीं रही। क्रिकेट मैच के परे उन्होंने पॉकेटमार शब्द प्रयोग किया । कहा कि पाकिटमारो का गैंग होता है जिसमें कुछ लोग आपको बातों में फंसाएंगे और दूसरा पाकिट मार लेगा। तो पाकिटमार गैंग के दो सदस्य हैं, जो आपको बातों में फंसाते हैं और अदाणी आपका पौकेट मार लेगा। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के लिए पाकिटमार जैसे शब्द प्रयोग करना क्या साबित करता है? सामान्यतः किसी भी विवेकशील और गरिमामय समाज में इस तरह के वक्तव्य के बारे में सोचा ही नहीं जा सकता। ऐसे बयानों के विरुद्ध स्वाभाविक ही दूसरा पक्ष भी प्रतिक्रिया देगा।

प्रियंका वाड्रा ने तेलंगाना की जनसभा में कहा कि मुझे याद है, जब 1983 में इंडिया ने क्रिकेट विश्व कप जीता था उस समय इंदिराजी बहुत खुश थीं, उन्होंने पूरी टीम को चाय के लिए घर बुलाया था। आज इंदिराजी का जन्मदिन है और हम फिर से विश्व कप जरूर जीतेंगे। जब भारत हार गया तो लोगों ने सोशल मीडिया पर पूछना शुरू कर दिया कि क्या इंदिरा गांधी भी पनौती हैं? प्रश्न है कि क्या राजनीति में दलीय प्रतिस्पर्धा इस स्तर तक पहुंच गया है कि हम किसी के बारे में कुछ भी बोलने के पहले विचार नहीं कर सकते कि इसका देश के माहौल पर क्या असर होगा या हम कैसी परंपरा डाल रहे हैं? इसे कोई भी स्वीकार करेगा कि पनौती शब्द राहुल गांधी के नहीं हो सकते। आमतौर पर गांवों - मोहल्लों में प्रयोग किए जाने वाले शब्दों से उनका कभी सीधा सामना नहीं हुआ है। उनके सलाहकारों और रणनीतिकारों ने ही उन्हें ऐसा बोलने का सुझाव दिया होगा। उन्होंने इसे समझा होगा और तब जाकर बोला होगा। पॉकेटमार शब्द वो जानते हैं किंतु इस प्रकार के उदाहरण का सुझाव भी उन्हें कहीं न कहीं से मिला होगा। इससे पता चलता है कि राहुल गांधी, वर्तमान कांग्रेस में उनके रणनीतिकार, सलाहकार और समर्थक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या भाजपा को लेकर गुस्से और घृणा के उच्चतम अवस्था में पहुंच गए हैं और झुंझलाहट में किसी तरह का शब्द या विचार प्रकट कर सकते हैं। वैसे राहुल गांधी ने वर्ष 2018 से 2019 लोकसभा चुनाव तक चौकीदार चोर है का नारा भी लगवाया था।

अत्यंत कटु और कठोर शब्द भी व्यंग्य की शैली में कहा जाए तो उसका संदेश ऐसा ही नहीं निकलता। राहुल गांधी पनौती व्यंग्यात्मक शैली में रखते तो उससे लोग आनंद लेते लेकिन अंदर इतना गुस्सा भरा हुआ है कि बोलने के अंदाज से लगता है मानो आप मानते ही हैं कि नरेंद्र मोदी वाकई ऐसे व्यक्ति हैं जो जहां जाएंगे दुर्भाग्य की शुरुआत हो जाएगी। फिर पाकिटमार तो पूरे कमिटमेंट से बोल रहे थे। समाचार पत्रों और टीवी में इस पर चर्चा हुई तो कांग्रेस के नेताओं की टिप्पणियां देख लीजिए। वे लिखने लगे कि सारे ज्ञानचंद कहां थे जब मूर्खों का सरदार और न जाने क्या-क्या कहा गया। राहुल गांधी या किसी पार्टी के शीर्ष नेता जो बोलें उनके बचाव में पार्टी न उतरे यह नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री विश्व कप का राजनीतिक उपयोग कर रहे हैं आदि को राजनीति की स्वाभाविक प्रतिक्रिया मानने में हर्ज नहीं है। हालांकि इसकी भी आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। अतीत में भी क्रिकेट मैचों में तत्कालीन प्रधानमंत्री उपस्थित रहे हैं। लेकिन गुस्से और तिलमिलाहट में ऐसी भाषा प्रयोग करना जो अपशब्द की श्रेणी में आए दुर्भाग्यपूर्ण है। भारतीय टीम मैच हार गई थी और प्रधानमंत्री वहां हैं तो देश के नेता के नाते खिलाड़ियों के बीच जाना, उनको हौंसला देना तथा खेल को खेल की भावना से लेने के लिए प्रेरित करना उनका स्वाभाविक दायित्व था। जब चंद्रयान-2 विफल होने के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के वैज्ञानिक निराश होकर बैठे थे तब भी प्रधानमंत्री उनसे मिलने गए, गले लगाया, साहस दिया। तो यह एक अच्छी परंपरा है कि केवल सफलता और विजय पर शाबाशियां और बधाई देने नहीं विफलता और पराजय पर भी आगे बेहतर करने की प्रेरणा देने के लिए देश के नेता उन तक पहुंचते हैं। कई क्रिकेट खिलाड़ियों ने ट्वीट में लिखा कि इससे उनका हौसला बढ़ा। यह भी लिखा कि हम इसकी उम्मीद नहीं कर रहे थे। विदेशों से भी अच्छी प्रतिक्रियायें आईं। आम भारतीय की प्रतिक्रिया भी ऐसी ही है। आप सत्ता में हैं या विपक्ष में, राजनीति देश के लिए है। तो सरकार या विपक्ष की नीतियां, व्यवहार, वक्तव्य सबमें देश ही प्रथम झलकना चाहिए। प्रधानमंत्री का ड्रेसिंगरूम में जाकर खिलाड़ियों से मिलना, गले लगाना ऐसा व्यवहार था जिसकी आलोचना का कोई कारण नहीं है। कांग्रेस जैसी सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली पार्टी के नेता ड्रामा मास्टर का ड्रामा बताते हैं तो देश स्वीकार नहीं करेगा। यह प्रतिक्रिया आम गरिमा और सभ्यता की परिधि से बाहर का तो था ही, राजनीतिक दृष्टि से भी लाभकारी नहीं हो सकता। आम प्रतिक्रिया इसे लेकर नकारात्मक है। अपनी राजनीति के कारण प्रशंसा नहीं कर सकते तो मौन बेहतर रास्ता था।

खिलाड़ियों से प्रधानमंत्री की मुलाकात और बातचीत में ऐसा कुछ नहीं था जिसे नाटक मान लें। जरा सोचिए, प्रधानमंत्री वहां रहते हुए पराजय के बाद खिलाड़ियों के बीच नहीं जाते तो क्या संदेश निकलता? क्या यह प्रश्न नहीं उठता कि उन्हें खिलाड़ियों से मिलकर सांत्वना देना चाहिए था। इस तरह प्रधानमंत्री ने देश के नेता के रूप में अपने दायित्व का पालन किया है। प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से लौटे खिलाड़ियों से मिलते हैं जिनमें विजीत, पराजित, मेडल लाने वाले, न लाने वाले सभी शामिल होते हैं। खिलाड़ियों से बात करेंगे तो पता चलेगा कि इससे माहौल काफी बदला है। माहौल ऐसा बना है कि हम जीतें या हारें हमारा असम्मान नहीं होगा। जीतने का हौसला भी इसी से आता है। फिर पॉकेटमार जैसे नीचे स्तर का अपमानजनक शब्द क्या हो सकता है? राजनीति इस स्तर तक नहीं आनी चाहिए कि वक्तव्य और व्यवहार से समाज में भी गुस्सा, घृणा और जुगुप्सा बढ़े। मीडिया में सबसे ज्यादा वक्तव्य व व्यवहार राजनीतिक व्यक्तित्व का ही आता है। उनकी जिम्मेदारी ज्यादा है। केवल अपने लिए जनमत बनाना नहीं, देश में सकारात्मक - आशाजनक वातावरण बनाए रखना भी नेताओं का दायित्व है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भाजपा और अन्य संगठनों के प्रति राजनीतिक दलों , नेताओं ,बुद्धिजीवियों, एक्टिविस्टों ,पत्रकारों आदि के एक बड़े समूह के अंदर सोच वैचारिक मतभेद से आगे बढ़कर घृणा और दुश्मनी की सीमा तक पहुंच गई है इसलिए इस ऐसी भाषा निकलती है जो किसी के हित में नहीं। सबके हित में यही है कि मतभेद को विचारधारा, नीतियों और मुद्दों तक रखें, घृणा और जुगुप्सा की मानसिकता से बाहर निकलें तथा व्यक्तिगत हमले बिल्कुल होने ही नहीं चाहिए। लेकिन क्या वर्तमान स्थिति में यह संभव है?

चिंतन

चुनावी-भ्रष्टता पर नियंत्रण के लिए जटायुवृत्ति जागे

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

चुनाव लोकतंत्र की जीवनी शक्ति है, यह राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिबिम्ब होता है, लोकतंत्र में स्वस्थ मूल्यों की स्थापना के लिये चुनाव की स्वस्थता एवं उसकी शुद्धि अनिवार्य है। चुनाव की प्रक्रिया गलत एवं मूल्यहीन होने से लोकतंत्र की जड़े तो खोखली होती ही है, राष्ट्र भी मूल्यहीनता की ओर अग्रसर होता है। चरित्र-शुद्धि के अभाव में चुनाव शुद्धि की कल्पना नहीं की जा सकती है। इस बार पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में ऐसा ही देखने को मिल रहा है, रेवड़ी-संस्कृति, लोकलुभावने वायदों और गारंटियों का जो कोलाहल सुना जा रहा है, येन-केन-प्रकारेण चुनाव जीतने की होड़ देखने को मिल रही है, जो कालांतर में देश के सशक्त होने, आर्थिक अनुशासन व योग्य जनप्रतिनिधियों के चयन के लिये एक चुनौती बन सकता है। लगातार चुनावों में मुक्त की रेवड़ियां बांटने की परम्परा ने चुनाव प्रक्रिया एवं उसके आदर्श को धुंधलाया है। यह विडंबना है कि लोग जनप्रतिनिधि की योग्यता, कर्मठता, चारित्रिक उज्ज्वता की प्राथमिकता को दरकिनार करके संकीर्ण सोच के लाभों को प्राथमिकता देने लगे हैं। इस दूषित परंपरा से राजनेताओं और जनता का प्रलोभन विस्तार ले रहा है। इस बढ़ती बुराई एवं विकृति को देखकर आंख मूंदना या कानों में अंगुलिया डालना अपनी जिम्मेदारी से पलायन है, इसके विरोध में व्यापक जन-चेतना जगाने की अपेक्षा है। आज चुनाव में बढ़ता भ्रष्टाचार का रावण मानवता एवं चुनाव शुद्धि की सीता का अपहरण करके ले जा रहा है, सब यह अनर्थ होते हुए देख रहे हैं, पर कोई भी जटायु आगे आकर उसका विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। चुनाव-भ्रष्टाचार के प्रति जनता, राजनीतिक दलों एवं नेताओं का यह मौन, यह उपेक्षाभाव उसे बढ़ायेगा नहीं तो और क्या करेगा?

मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में विधानसभा चुनावों के लिए मतदान हो चुका है। अब केवल तेलंगाना में मतदान होना शेष है। इन राज्यों के चुनाव प्रचार के दौरान यह बात और उभरकर सामने आई कि मतदाता राजनीतिक दलों के प्रलोभन का शिकार बनने के लिए तैयार है और राजनीतिक दल एवं उनके उम्मीदवार मतदाताओं को ठगने, लुभाने एवं गुमराह करने की होड़ में लगे हैं। गरीब की थाली में पुलाव आ गया है...लगता है शहर में चुनाव आ गया है' भारत की राजनीति एवं चुनावों पर ये दो पंक्तियां सटीक टिप्पणी हैं, जो दुःखद एवं विडम्बनापूर्ण है। आम तौर पर मतदाता राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में यह नहीं देखता कि उसमें अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था, रोजगार, नागरिक सुविधाएं, बिजली-पानी आदि के ठोस वादे किए गए हैं या नहीं? वह अब यह देखता है कि किस दल ने उन्हें क्या-क्या मुफ्त वस्तुएं और सुविधाएं देने के वादे किए हैं। वक्त की जरूरत है कि मतदाताओं को लालीपॉप देने, मुक्त की रेवड़िया बांटने के बजाय उन्हें ऐसे अवसर दिये जाने चाहिए ताकि वे कालांतर आत्मनिर्भर बन सकें, सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका निभा सके, देश के सशक्त आर्थिक विकास में योगभूत बन सके। भ्रष्ट चुनाव से तो भ्रष्ट नेतृत्व ही मिलेगा, ऐसी भ्रष्ट स्थितियों से देश के आर्थिक विकास में भी भ्रष्टता ही व्यापक होगी, शासन के सामने आर्थिक चुनौतियों खड़ी होगी। इस तरह मुफ्त की योजनाओं और गारंटियों से सिर्फ हमारा राजकोषीय घाटा ही नहीं बढ़ेगा, बल्कि भ्रष्टाचार को पनपने का खुला मौका मिलेगा। मतदाता यदि किसी राजनीतिक दल की दूरगामी नीतियों व विकास योजनाओं को नजरअंदाज करके तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता देगा तो भविष्य में उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उम्मीदवारों के षड़यंत्र एवं मतदाताओं के लोभ हमारी चुनाव प्रक्रिया को भी संकट में डालते हैं। जाहिर बात है कि मुफ्तखोरी की संस्कृति के बूते सत्ता में आने वाला नेता कालांतर में सरकारी संसाधनों के दोहन को अपनी प्राथमिकता बनायेगा। जो धन उसने चुनाव के दौरान बांटा है उसका कई गुना येन-केन-प्रकारेण वसूलेगा। जिससे लोकतंत्र में लूटतंत्र की मानसिकता को प्रोत्साहन मिल सकता है। चुनाव में मुफ्त रेवड़ी संस्कृति के साथ चुनाव का अधिकाधिक खर्चीला होना भी गंभीर चिन्ता का विषय है। एक-एक प्रत्याशी चुनाव प्रचार करने में करोड़ों रूप्ये व्यय करता है। यह धन उसे पूंजीपतियों एवं उद्योगपतियों से मिलता है। चुनाव जीतने के बाद वे उद्योगपति उनसे अनेक सुविधाएं जायज-नाजायज तरीकों से प्राप्त करते हैं। इसी कारण सरकार उनके शोषण के विरुद्ध कोई आवाज नहीं उठा पाती और अनैतिकता एवं भ्रष्टता की परम्परा का सिंचन मिलता है। यथार्थ में देखा जाये तो जनमंत्र अर्थतं. बन कर रह जाता हैं, जिसके पास जितना अधिक पैसा होगा, वह उतने ही अधिक वोट खरीद सकेगा। ऐसे में ईमानदार, योग्य एवं कर्मठ लोगों का राजनीति में आने का रास्ता ही बन्द हो जायेगा। चुनावों में लगातार बढ़ रही भ्रष्टता की नाजुक स्थिति में व्यक्ति-व्यक्ति की जटायुवृत्ति को जगाया जा सके, चुनावी भ्रष्टाचार के विरोध में एक शक्तिशाली समवेत स्वर उठ सके और उस स्वर को स्थायित्व मिल सके तो लोकतंत्र की जड़ों को सिंचन मिल सकता है और ऐसे हालातों में भी हमारा अमृत-काल भी चुनाव-प्रक्रिया के लिये भी अमृतमय बन सकता है। इस बार पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त पेशकश के मामले में होड़ करके राजनीतिक दल एक दूसरे को मात देने में लगे रहे। चुनाव में रेवड़ियों की इस बारिश के राजनीतिक एवं आर्थिक, दोनों निहितार्थ हैं। साथ ही यह उन राजनीतिक दलों के दोहरे रवैये को भी जाहिर करता है जो मुफ्त पेशकश के मामले में दूसरे दलों को तो आईना दिखाते हैं, लेकिन चुनाव जीतने के लिए खुद उनका सहारा लेने से कोई संकोच नहीं करते। यह दोहरा रवैया भाजपा के चरित्र में भी समाया है। सही मायनों में मुफ्त के उपहारों की हमेशा बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विफलता है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी हम अपने लोकतंत्र को इतना सजग व समृद्ध नहीं बना पाये कि मतदाता अपने विवेक से अपना दूरगामी भला-बुरा सोचकर मतदान कर सके। अतीत के अनुभव बताते हैं कि जिस भी राज्य ने मुफ्त खाद्यान्न, पानी, बिजली व सब्सिडी बांटी है उसकी अर्थव्यवस्था भविष्य में चरमराई ही है। सही मायनों में मुफ्त कुछ नहीं होता, वह करदाताओं की पसीने की कमाई से पैदा होता है। देश को कल्याणकारी नीतियों की जरूरत है, लेकिन वह आर्थिक अनुशासन और राजकोषीय विवेक पर आधारित होना चाहिए।

> **मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में विधानसभा चुनावों के लिए मतदान हो चुका है। अब केवल तेलंगाना में मतदान होना शेष है। इन राज्यों के चुनाव प्रचार के दौरान यह बात और उभरकर सामने आई कि मतदाता राजनीतिक दलों के प्रलोभन का शिकार बनने के लिए तैयार है और राजनीतिक दल एवं उनके उम्मीदवार मतदाताओं को ठगने, लुभाने एवं गुमराह करने की होड़ में लगे हैं।**

कोई भी दल यह बताने को तैयार नहीं कि वे मुफ्त वस्तुएं जैसे कि स्कूटी, लैपटाप, मोबाइल, सोना, मुफ्त बिजली-पानी-बस यात्रा समेत अन्य वस्तुएं और सुविधाएं देने के जो वादे कर रहे हैं उन्हें पूरा कैसे करेंगे? वास्तव में यह वह सवाल है जो मतदाताओं को करना चाहिए। वह यदि यह सवाल नहीं करता तो इसका कारण लालच और फौरी लाभ ही है। लेकिन मतदाताओं का यह लाभ का दृष्टिकोण समूचे लोकतंत्र के लिये कितना नुकसानदायी है, इस पर चिन्तन करना जरूरी है। ऐसा नहीं है कि रेवड़िया बांटने का खेल देश में पहले नहीं होता था, लेकिन आज जिस पैमाने पर हो रहा है, वह हर देशभक्त की चिंता का विषय होना चाहिए। कहीं न कहीं, मुफ्त की गारंटियों का यह खेल जवाबदेह प्रशासन व आर्थिक स्थिरता पर कालांतर गहरी चोट करेगा। वहीं ये गतिविधियां एक जिम्मेदार लोकतंत्र पर सवालिया निशान लगाती हैं। यह बड़ा सत्य है कि मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से हमारी अर्थव्यवस्था व विवेकशील सुशासन पर घातक असर पड़ता है। अंततः रेवड़ी संस्कृति का आर्थिक दबाव सरकारी संसाधनों पर पड़ता है। राज्यों के आर्थिक संसाधन सीमित हैं। ऐसे में बांटा गया धन कालांतर में हमारे बुनियादी ढांचे व विकास परियोजनाओं के लिये निर्धारित धन में कटौती करता है। जिससे समग्र एवं संतुलित विकास का लक्ष्य हासिल नहीं हो पाता। निश्चित रूप से समाज के कमजोर वर्ग को आर्थिक संबल दिया जाना चाहिए। लेकिन मुफ्त रेवडियां बांटने से वह अकर्मण्य एवं कामजोर होंगे, जरूरत ठोस आर्थिक विकास व रोजगार के अवसर सृजन की होनी चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उच्चतर न्यायपालिका की अंग्रेजी भाषा व 'खर्च' न्याय तक समान पहुंच की राह में बाधा : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि उच्चतर न्यायपालिका में अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल और वहां का 'खर्च' न्याय तक समान पहुंच की राह की बाधाओं में शामिल हैं। उन्होंने इन बाधाओं को हटाने पर जोर दिया।

यहां एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और सामाजिक रूप से वंचित समूहों के लोगों के बीच जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि उन्हें अपने अधिकारों से अवगत कराया जा सके। मुर्मू ने कहा, ''समानता न सिर्फ न्याय की बुनियाद है, बल्कि उसकी एक जरूरी शर्त भी है।'' उन्होंने कहा, ''बहुत समय हो गया जब दुनिया ने यह घोषणा की थी कि सभी मनुष्य समान हैं, लेकिन हमें खुद से पूछने की जरूरत है कि क्या हम सभी को न्याय तक समान पहुंच प्राप्त है।''

राष्ट्रपति ने कहा कि व्यवहार में, इसका मतलब यह है कि कुछ लोग अक्सर कई कारकों के कारण अपनी शिकायतों के निवारण में असमर्थ होते हैं। मुर्मू ने यहां ''कमजोर लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण कानूनी सहायता तक पहुंच सुनिश्चित करना: ग्लोबल साउथ में चुनौतियां और अवसर' विषय पर आयोजित पहले क्षेत्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, ''हमारा प्रमुख काम उन अवरोधकों को हटाना है। स्वाभाविक रूप से सबसे बड़ा अवरोधक अक्सर न्याय प्राप्त करने पर आने वाला खर्च है।'' उन्होंने कहा कि सभी के लिए न्याय तक पहुंच उनके दिल के करीब का विषय रहा है। उन्होंने समाज के आर्थिक रूप से वंचित वर्गों को उपचारात्मक कार्रवाई के लिए कानूनी संस्थानों से संपर्क करने में मदद के लिए उठाए गए कई कदमों का उल्लेख किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) द्वारा उठाए गए कदमों ने भी कानूनी सहायता के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुर्मू ने कहा, ''कुल मिलाकर उद्देश्य 'न्याय प्राप्त करने में सहूलियत' को बढ़ाना है। लेकिन मुझे लगता है कि लोगों के बीच जागरूकता अभियान शुरू करने की जरूरत है, न केवल उन्हें उनके अधिकारों के प्रति सचेत किया जाए, बल्कि उन्हें आवश्यकता पड़ने पर कानूनी सहायता दिलाने में भी मदद की जाए।'' राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में उच्चतर न्यायपालिका की भाषा अंग्रेजी है, जिससे समाज के एक बड़े वर्ग के लिए न्यायिक प्रक्रियाओं को समझना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, ''भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी वेबसाइट पर विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में फैसले प्रकाशित करना शुरू कर दिया है। कानूनी सहायता संस्थान भी भाषाई अंतर को पाटने में मदद करते हैं।'' मुर्मू ने कहा कि प्रौद्योगिकी कानूनी सहायता तक पहुंच को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने में बड़ी भूमिका निभाती है। राष्ट्रपति ने कहा, ''इसने दूरियां कम की हैं और कई मामलों में न्याय को आसान बना दिया है... न्याय प्रणाली में प्रौद्योगिकी के साथ अभिनव दृष्टिकोण का एकीकरण इसे अधिक समावेशी व अधिक कुशल बनाएगा।''

पुलिस ने सिमिलीपाल राष्ट्रीय उद्यान में फंसे 18 पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारिपदा (ओडिशा)/भाषा। पुलिस ने ओडिशा के मयूरभंज जिले में सिमिलीपाल राष्ट्रीय उद्यान में करीब 16 घंटे तक फंसे रहे कम से कम 18 पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एसडीपीओ करंजिया सुब्रत कुमार ने कहा कि ओडिशा और अन्य राज्यों के पर्यटक स्थानीय लोगों द्वारा एक मार्ग को बंद किए जाने की वजह से अभयारण्य के अंदर बरेहीपानी प्राकृतिक शिविर से बाहर नहीं निकल सके। जाशीपुर थाने के कर्मियों ने दूसरे रास्ते से पर्यटकों को बाहर निकाला। क्षेत्रों के विकास की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे सिमिलीपाल विकास परिषद नामक स्थानीय संगठन ने आंदोलन चलाया है और उसने सिमिलीपाल राष्ट्रीय उद्यान के तीन द्वारों को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार तीन ग्राम पंचायतों के लोग भी इस आंदोलन में शामिल हो गए हैं और उन्होंने जोरांदा छाक, साना उस्की, चाला और लांजीघोसरा छाक पर रास्तों को अवरुद्ध कर दिया है। इस बीच राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों ने पर्यटकों को परामर्श जारी कर उनसे अनुरोध किया है कि अगली सूचना तक बरेहीपानी, कुमरी और गुरगुरिया में सिमिलीपाल प्राकृतिक शिविरों की ओर नहीं जाएं।

खेल गतिविधियों में आई तेजी की वजह से बड़ी संख्या में पदक जीत रहे हैं हमारे खिलाड़ी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि देश की 16 प्रतिशत आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती है, लेकिन जब पदक की बात आती है तो एशियाई खेलों में 25 प्रतिशत पदक उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने जीते हैं। यहां आयोजित 'सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट 2023'

का उद्घाटन करने के अवसर पर उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करेगी, बल्कि उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए एक मंच भी प्रदान कर रही है। एक सरकारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने भारत समेत उत्तर प्रदेश में खेल गतिविधियों में आई तेजी का जिक्र करते हुए कहा कि ''हम सभी जानते हैं कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर नए भारत में खेलकूद की गतिविधियों ने एक नई गति पकड़ी है। 'खेलो इंडिया खेलो' के अभियान को गति देने के बाद 'फिट इंडिया मूवमेंट' हो, ग्रामीण स्तर पर सांसद खेलकूद प्रतियोगिताओं को आगे बढ़ाने का कार्यक्रम हो, पूरे देश के अंदर इसके परिणाम हम सबके सामने आए हैं।

आज इसी का परिणाम है कि ओलंपिक में हमारे खिलाड़ी पहले की तुलना में कई गुना अधिक पदक प्राप्त करते हैं।'' उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में एशियाई खेलों में हमने भारत के खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखा है। पहली बार एशियाई खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने 100 का आंकड़ा पार किया है और पैरा एशियन गेम्स में भी हमारे खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 100 से अधिक पदक देश के लिए जीते हैं।

मणिपुर हिंसा पर किताब को लेकर सिलचर के लेखक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

इंफाल/भाषा। मणिपुर में जातीय हिंसा पर आधारित अपनी किताब 'मणिपुर फाइल्स' के माध्यम से ''विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने'' के आरोप में सिलचर के एक लेखक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कांगलेईपाक कनबा लुप (केकेएल) के युवा नेता लुवांगचा यू नगामखेइंगकपा द्वारा 25 नवंबर को इंफाल पूर्वी जिले के पोरोम्पैट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी, जिन्होंने आरोप लगाया था कि लेखक ने संघर्ष के केवल एक पक्ष का वर्णन करके पक्षपातपूर्ण तरीके से हिंसा का वर्णन किया है।

असम के सिलचर में रहने वाले लेखक प्रणबानंद दास के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसमें धारा 153 ए (धर्म, नस्ल या जन्म स्थान के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 200 (जानबूझकर झूठे तथ्यों को सच की तरह प्रकट करना) और 295 (किसी भी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करना) शामिल है। दास पर आईपीसी की धारा 505 (सार्वजनिक शरारत वाले बयान), 499 (मानहानि) और 120बी (समान इरादे से आपराधिक साजिश) के तहत भी मामला दर्ज किया गया था। मई से मेइती और कुकी ज़ो समुदाय के बीच संघर्ष में 180 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं।

ज्ञानवापी सर्वे :रिपोर्ट सौंपने के लिए एएसआई ने और समय मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने के लिए मंगलवार को अदालत से तीन सप्ताह का और समय मांगा। इस पर अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 29 नवंबर की तारीख तय की।

हिंदू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने के लिए एएसआई को 28 नवंबर तक का समय दिया था, लेकिन मंगलवार को एएसआई ने इसके लिए तीन सप्ताह का और समय मांगा। अदालत ने समय विस्तार के अनुरोध पर सुनवाई के लिए 29 नवंबर की तारीख तय की है। एएसआई ने मंगलवार को दिए अपने आवेदन में कहा कि उसके विशेषज्ञ पुरातत्वविदों, पुरालेखविदों, सर्वेक्षणकर्ताओं, भूभौतिकी विशेषज्ञों आदि द्वारा एकत्र किए गए विभिन्न प्रकार के आंकड़ों को संग्रहीत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। यादव ने कहा कि विभिन्न विशेषज्ञों और विभिन्न उपकरणों से मिली जानकारी को आत्मसात करना एक कठिन और धीमी प्रक्रिया है तथा रिपोर्ट को पूरा करने और सर्वेक्षण रिपोर्ट को अंतिम रूप देने में कुछ और समय लगेगा। इसलिए अदालत से सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश करने के लिए एएसआई को और तीन सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया गया है। उल्लेखनीय है कि जिला अदालत ने गत 21 जुलाई को एएसआई को ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण कर चार अगस्त तक रिपोर्ट पेश करने को कहा था और 24 जुलाई को सर्वेक्षण शुरू होने के बाद, पहले उच्चतम न्यायालय और फिर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश से तीन अगस्त तक काम रुका रहा। उसके बाद एएसआई ने सर्वेक्षण का काम पूरा करने के लिए चार हफ्ते का और वक्त मांगा था। अदालत ने सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश करने के लिए पांच अगस्त को चार हफ्ते का और समय दिया था। उसके बाद अदालत ने आठ सितंबर को एएसआई को सर्वे का काम पूरा करने के लिए चार हफ्ते का समय दिया था।

सरकार और विपक्ष उत्तर प्रदेश के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए काम करे तो बेहतर होगा: मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार से शुरू हुए विधानसभा के शीतकालीन सत्र को लेकर कहा कि सरकार और विपक्ष राजनीति करने के बजाय जनहित और उत्तर प्रदेश के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए काम करे तो उचित होगा।

बसपा प्रमुख ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किये गये अपने संदेश में आशंका जाहिर करते हुए कहा, ''उत्तर प्रदेश विधानसभा का आज से शुरू हुआ सत्र राज्य के समेकित व समग्र विकास तथा जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चाओं व अन्य जरूरी जिम्मेदारियों के निर्वहन के कारण प्रदेश हित में साबित होगा या फिर अन्य कारणों से औपचारिकता मात्र होकर रह जाएगा? सरकार व विपक्ष इस पर अवश्य ध्यान दे।' अपने सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने सलाह देते हुए कहा, ''देश की सर्वाधिक लगभग 25 करोड़ जनसंख्या वाला एक गरीब व पिछड़ा राज्य होने के नाते उप्र के समतामूलक विकास व प्रगति को लेकर केंद्र व उप्र सरकार की विशेष जिम्मेदारियां हैं। ऐसे में सरकार व विपक्ष राजनीति करने के बजाय जनहित और प्रदेश के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए समयबद्ध तरीके से कार्य करे तो उचित रहेगा।' उप्र की 403 सदस्यीय विधानसभा में बसपा का सिर्फ एक सदस्य है। बसपा प्रमुख ने अपने संदेश के जरिये सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ राज्य के प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है।

चौहान ने देश के शीर्ष रिकर्व तीरंदाज धीरज को हराकर फाइनल में जगह बनायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। झारखंड के मृणाल चौहान ने सीनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी में पुरुष रिकर्व वर्ग के सेमीफाइनल में मंगलवार को यहां भारत के शीर्ष खिलाड़ी धीरज बोम्मादेवरा को हराकर उलटफेर किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबला 5-5 से बराबरी पर रहने के बाद चौहान ने शूट ऑफ में सटीक निशाना लगाकर विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी को हराया। फाइनल में चौहान के सामने अखिल भारतीय पुलिस खेल संवर्धन बोर्ड (एआईपीएसबी) के तुषार शेलके की चुनौती होगी। शेलके ने एक अन्य सेमीफाइनल में गोवा के अतुल वर्मा को 6-4 से हराया। महिला रिकर्व वर्ग के फाइनल मुकाबले में हरियाणा की दो तीरंदाज संगीता और रिधि फोर आमने-सामने होंगी। उत्तर प्रदेश की अमीषा चौरसिया ने राजस्थान की निक्की शर्मा को 6-2 से हराकर कांस्य पदक हासिल किया। टीम स्पर्धा में उत्तर प्रदेश और एआईपीएसबी ने क्रमश पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किये। एआईपीएसबी मिश्रित टीम स्पर्धा का भी विजेता बना।

बिहार: हिंदू त्योहारों पर 'छुट्टियों में कटौती' को लेकर भाजपा ने नीतीश सरकार पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से जारी 'अवकाश कैलेंडर 2024' में 'हिंदू त्योहारों पर मिलने वाली छुट्टियों' में कटौती को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को राज्य सरकार पर निशाना साधा। भाजपा नेताओं ने अवकाश तालिका के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया मंच पर साझा किए हैं। उनमें से कइयों ने नाराजगी भरे बयान भी जारी किये हैं।

राज्यसभा सदस्य और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, 'शिक्षा विभाग का सोमवार देर रात का संबंधित आदेश नीतीश सरकार द्वारा हिंदू भावनाओं पर कुठाराघात है। हम इसे तत्काल वापस लेने की मांग करते हैं, अन्यथा लोग इसके विरोध में सड़कों पर उतरेंगे।' सुशील मोदी ने आरोप लगाया, सबसे लोकप्रिय हिंदू देवताओं भगवान राम और भगवान कृष्ण से क्रमश: जुड़ी छुट्टियां- रामनवमी और जन्माष्टमी- खत्म कर दी गई हैं, जबकि मुस्लिम त्योहारों पर छुट्टियों की संख्या बढ़ा दी गई है। मुस्लिम बहुल इलाकों में विद्यालयों को शुक्रवार को साप्ताहिक अवकाश रखने की अनुमति दी गई है।''

उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, हिंदुओं को रामनवमी और जन्माष्टमी के अलावा रक्षाबंधन, महाशिवरात्रि और अनंत चतुर्दशी की छुट्टियों से भी वंचित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके सहयोगी सोचते हैं कि वे हिंदुओं को जाति के आधार पर विभाजित कर सकते हैं और मुस्लिम तुष्टीकरण करके बच सकते हैं।'

जियो ने सिल्क्यारा सुरंग में 12 घंटे के अंदर शुरू की कॉल, इंटरनेट सेवा

उत्तरकाशी/भाषा। दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो ने सिल्क्यारा में क्षतिग्रस्त सुरंग के अंदर 12 घंटे के अंदर कॉल और इंटरनेट सेवा शुरू कर दी है। इससे उसमें फंसे 41 श्रमिकों के बचाव कार्य में मदद मिलेगी। उत्तराखंड के इस दूरस्थ क्षेत्र में मोबाइल सेवा कमजोर है और लगभग दो सप्ताह पहले क्षतिग्रस्त हुई निर्माणाधीन सुरंग में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए दिन-रात काम कर रहे प्रशासन ने दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी को नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए कहा था। रिलायंस ने सोशल नेटवर्किंग मंच एक्स पर मोबाइल टावर की तस्वीरें पोस्ट करते हुए कहा कि उसे कॉल और इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने में खराब सड़क कनेक्टिविटी के अलावा बिजली और खंभों की कमी की चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

सोनिया की तेलंगाना के लोगों से समर्थन की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन एक वीडियो संदेश जारी कर प्रदेश के मतदाताओं से उनकी पार्टी के पक्ष में मतदान की अपील की और कहा कि 'दोराला तेलंगाना' (सामंतियों का तेलंगाना) को 'प्रजाला तेलंगाना' (जनता का तेलंगाना) बनाकर 'तेलंगाना मां के शहीद बेटों' का सपना पूरा करना है। उन्होंने लोगों का यह आह्वान भी किया कि वे बदलाव के लिए अपनी पूरी शक्ति लगाएं।

उनके संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के प्रमुख रहते वर्ष 2014 में नए तेलंगाना राज्य का गठन हुआ था। तेलंगाना में कांग्रेस समर्थक आमतौर पर उन्हें 'सोनिया अम्मा' के नाम से पुकारते हैं। सोनिया गांधी ने वीडियो संदेश में कहा, ''तेलंगाना की मेरी बहनों और प्यारे भाइयों नमस्कारम, मैं आप सबके बीच नहीं आ पाई लेकिन मैं आप सबके दिल के बहुत करीब हूं। तेलंगाना मां के शहीद बेटों का सपना पूरा होते देखना चाहती हूं। मैं दिल से चाहती हूं कि दोराला तेलंगाना को हम सब प्रजाला तेलंगाना में बदल दें। आपके सपनों को साकार करें और आपको एक सच्ची और ईमानदार सरकार दें।''

इतनी उम्मीदें मत पालो कि दिल ही टूट जाये, भारत के विश्व कप अभियान पर बोले कपिल देव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरूग्राम/भाषा। भारत को पहली बार 1983 में विश्व कप दिलाने वाले पूर्व कप्तान कपिल देव ने इस महीने वनडे विश्व कप फाइनल में आस्ट्रेलिया के हाथों भारत की छह विकेट से हार पर कहा कि अत्यधिक हाइप से दिल टूटते हैं लिहाजा संतुलन बनाये रखना जरूरी है । उन्होंने कहा कि भारतीय प्रशंसकों को इतना दबाव नहीं बनाना चाहिये और क्रिकेट को दूसरे खेल की तरह ही लेना चाहिये । उन्होंने यहां कपिल देव ग्रांट थोर्नटन आमंत्रण गोल्फ टूर्नामेंट के पहले टी आफ कार्यक्रम से इतर कहा ,'' इतनी उम्मीदें मत पालिये कि दिल टूट जायें । संतुलन बनाना जरूरी है । दूसरी टीमें भी भारत विश्व कप खेलने आई थी । इतनी हाइप मत बनाइये । हमें खेल को खेल की तरह ही लेना चाहिये । जो मैच के दिन अच्छा खेलता है, उसका सम्मान करिये । हम ज्यादा ही जज्बाती हैं ।'' भारत ने

लगातार दस मैच जीते लेकिन फाइनल में हार गया । पिछले दस साल में भारत आठ आईसीसी टूर्नामेंटों में से सात में नॉकआउट में हार गया है ।

कपिल ने कहा ,'' आज के खिलाड़ी ही बता पायेंगे कि वे कितना दबाव महसूस करते हैं । हम सिर्फ अनुभव कर सकते हैं ।'' उन्होंने कहा ,'' भारत जीतता है तो अच्छा लगता है । हमें कुछ कमियों पर ध्यान देना होगा । जीत के बाद भी कमियां रहती हैं और अहम यह है कि उन्हें दूर किया जाये।''

कपिल ने कहा ,'' भारत ने लगातार दस मैच जीते । क्या यह काफी नहीं है । हमें दूसरी टीमों को भी देखना चाहिये । तुलना करने की जरूरत नहीं है । यह देखना चाहिये कि हमने अच्छा खेला या नहीं । हमने बहुत अच्छा खेला और बस फाइनल का दिन हमारा नहीं था ।''

उन्होंने कहा ,'' दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड को देखिये । इंग्लैंड तो गत चैम्पियन था लेकिन सातवें स्थान पर रहा ।'' उन्होंने फाइनल में हार के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम में जाकर खिलाड़ियों को ढांढस बंधाने के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की । उन्होंने कहा ,'' प्रधानमंत्री हौसला अफजाई नहीं करेंगे तो कौन करेगा । वह देश के नंबर एक व्यक्ति हैं और उनका समर्थन पाना अच्छा लगता है ।'' उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विराट कोहली और रोहित शर्मा के भविष्य पर टिप्पणी से इनकार करते हुए कहा ,'' यह चयनकर्ताओं का काम है और उन्हीं पर छोड़ देना चाहिये । हर बात पर टिप्पणी करना अच्छा नहीं है । वे जिम्मेदार हैं और उन्हें जो ठीक लगता है, वह करना चाहिये।''

ओडिशा : चक्रवाती तूफान के बीच सात तटीय जिलों में अलर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने दक्षिणी अंडमान सागर पर कम दबाव वाले क्षेत्र के निर्माण के बीच राज्य के सात तटीय जिलों के लिए मंगलवार को अलर्ट जारी किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, कम दबाव वाले क्षेत्र के दबाव क्षेत्र में तब्दील होकर दो दिसंबर तक चक्रवात में बदलने की संभावना है।

बालासोर, भद्रक, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, पुरी, खुर्दा और गंजम जिले के जिलाधिकारियों को लिखे पत्र में विशेष राहत आयुक्त सत्यव्रत साहू ने कहा कि दक्षिणी अंडमान सागर पर बने कम दबाव वाले क्षेत्र के दबाव क्षेत्र में तब्दील होकर बाद में चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। पत्र में कहा गया कि इसलिए मछुआरों को एक दिसंबर की सुबह से समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी जानी चाहिए और जो लोग समुद्र में गए हैं उन्हें उस तारीख तक लौट आना चाहिए। यह पत्र मत्स्य पालन एवं पशु संसाधन विभाग को भी भेजा गया है। भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक एच.आर. बिस्वास ने बताया कि तूफान के सटीक मार्ग का पता तब चलेगा जब कम दबाव वाला क्षेत्र दबाव क्षेत्र में तब्दील होगा।

उन्होंने बताया कि तीन दिसंबर को कोरापुट, रायगड़ा, गजपति, गंजम, पुरी और जगतसिंहपुर के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछार पड़ने की संभावना है। साहू ने पत्र में कहा कि दबाव के प्रभाव की वजह से एक दिसंबर को मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर (किमी) प्रति घंटे और दो दिसंबर को 50 से 60 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है।

गुलेछा बंधुओं की विनती हुई साकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मोहन व मनोज गुलेछा परिवार द्वारा पूज्य गच्छाधिपति मणिप्रभसूरीजी, साध्वीश्री सूर्यप्रभाश्रीजी, हर्षपूर्णाश्रीजी, प्रियसोमयांजनाजी, प्रियस्वर्णांजनाजी आदि संतों के चातुर्मास परिवर्तन की विनंती की गई। अनेक संघों की भारी विनंती होते हुए भी गुरुदेव ने मनोजजी के संलग्न 159 आयम्बिल पारणे को ध्यान में रखते हुए यह सुनहरा लाभ गुलेछा परिवार को दिया।

बैंड बाजेके साथ सभी चारित्र आत्माओं को अनेक भक्तों द्वारा केसर, चावल, मोती आदि से बधाते हुए स्वागत किया गया। गुरु वदन मंगलाचरण के साथ गुरु देव ने कार्तिक पूर्णिमा के दिन 10 करोड़ मुनि मोक्ष दिन की महिमा बताई। मोहन गुलेछा एवम आदिनाथ जैन मंडल द्वारा संगीत के साथ शत्रुंजय भाव यात्रा करवाई गई। जिसे सुनकर बैठु हुए सभी श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इस अवसर पर केएलपी से साध्वीश्री वार्तिप्रभाजी भी उपस्थित हुए। गुलेछा परिवार द्वारा पधारे सभी गुरुभगवंतों, वर्षीतप तपस्वियों, और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।सभी को साधार्मिक भक्ति का लाभ देने की विनंती की। सभी संतों की पूरे दिन यहां स्थिरता रहेगी। इस मौके पर सूलै आंगी मंडल द्वारा आचार्यश्री के 36 गुण हेतु 36 सुंदर गवली बनाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष रूप से वी निर्मला बरडिया, विजयलक्ष्मी लुंकड़, पुष्पा गुलेछा, संगीता कोचर, कोषाध्यक्ष संतोष बरडिया, महावीर बरडिया, राजेंद्र कानूंगा का सहयोग रहा। सभी के प्रति आभार मनोज गुलेछा ने किया। मंच संचालन मनोज राठौड ने किया।

छिपा समाज के आराध्य संत नामदेव का जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजस्थान नामदेव छिपा समाज के तत्वावधान में साहुकारपेट के मिंट स्ट्रीट स्थित दियावट भवन में संत शिरोमणि श्रीनामदेवजी म. का 753वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। समारोह में चेन्नई के विभिन्न उपनगरों से समाज बंधुओं ने भाग लिया। महिला मंडल द्वारा भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर आयोजित एक बैठक में समाज बंधुओं ने नामदेवजी मंदिर व समाज के भवन की प्रतिष्ठा की तैयारी के लिए विचार विमर्श किया गया। गोपाल छिपा मंडवारिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार महोत्सव के दौरान समाज द्वारा चढ़ावों के लाभार्थियो का सम्मान किया गया। महाआरती एवं महाप्रसादी का आयोजन हुआ। अध्यक्ष बाबूलाल गेहलोत ने समस्त कार्यकर्ताओ का महोत्सव के सफल आयोजन होने पर आभार प्रकट किया।

भगवान महावीर पर कविताएँ आमंत्रित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण कल्याणक वर्ष के उपलक्ष्य में जैन कवि संगम, तमिलनाडु ने भगवान महावीर के जीवन, दर्शन, सिद्धांत, तप, ज्ञान तथा उनके अवदान को समर्पित हिंदी कविताओं की एक पुस्तक प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। अध्यक्ष सीए गौतम बोहरा के अनुसार इस संकलन में तमिलनाडु के रचनाकारों की हिंदी काव्य रचनाएँ सम्मिलित की जाएंगी। तमिलनाडु के निवासी प्रवासी रचनाकार अपनी स्वरचित एवं मौलिक दो-तीन रचनाएँ भेज सकते हैं।

समुदाय, संप्रदाय या धर्म का कोई बंधन नहीं है। सदस्य डॉ. दिलीप धींग ने बताया कि प्रकाशन योग्य कविताओं को पुस्तक में स्थान मिलेगा। जिनकी कविता प्रकाशित होगी, उन्हें पुस्तक की प्रति भेजी जाएंगी। रचनाएँ 31 दिसम्बर 2023 तक अध्यक्ष (9840076868) अथवा डॉ. धींग (9952048107) को भेजी जा सकती है।

त्याग और संतोष में ही सच्चा सुख व शांति है : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने नोर्थटाउन बिन्नी के श्री सुमतिवल्लभ जैन संघ में प्रवचन देते हुए कहा कि मानव जीवन में त्याग की महती भूमिका मानी गई है। यहां तक कि हमें दूसरी सांस लेने के लिए पहली सांस का त्याग करना पड़ता है। त्याग मात्र एक कर्म ही नहीं, अपितु यह एक भाव है। यह हमें सांसारिक मोह से अलग करने के साथ ही हमारे व्यक्तित्व निर्माण में भी निर्णायक बनता है। त्याग की भावना अत्यंत पवित्र है। त्याग करने वाले पुरुषों ने ही संसार को प्रकाशमान किया है। जिसने भी जीवन में त्यागने की भावना को अंगीकार किया, उसने ही उच्च से उच्च मानदंड स्थापित किए हैं। सच्चा सुख व शांति त्यागने में है, न कि किसी तरह कुछ हासिल करने में। त्याग से तत्काल शांति की प्राप्ति होती है और जहां शांति होती है, वहीं सच्चा सुख होता है। मनुष्य अपने जीवन में सारा श्रम भौतिक वस्तुओं की प्राप्ति में ही लगा देता है। वह अपने सीमित जीवन में सभी कुछ पा लेना चाहता है। इसी में सारा जीवन खप जाता है। वह जितना भौतिक लाभ प्राप्त करता जाता है, उसकी सांसारिक तृष्णा उतनी ही बलवती होती जाती है। उसे शांति से बैठने नहीं देती। उसकी बेचैनी को बढ़ाती रहती है।

मनुष्य जीवन की कुछ मूलभूत आवश्यकताएं होती हैं, उनकी पूर्ति तो आवश्यक है। उनके बिना तो जीवन की निरंतरता को बनाए रखना असंभव है।उन मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाने के पश्चात फिर मनुष्य को क्या चाहिए? बस यहां पर रुककर विचारने की आवश्यकता होती है कि अब हमें किस मार्ग की ओर बढ़ना है। समाज में उच्च मानदंड स्थापित करने के लिए त्याग की भावना को अंगीकार कर, उस पथ पर बढ़ने की आवश्यकता होती है। उस मार्ग में व्यक्तिगत व शारीरिक सुखों का त्याग करना होगा। उन सभी आसक्तिओं को छोड़ना होगा, जो मानव जीवन को संकीर्णता की ओर ले जाने वाली होती है। तब यही त्याग वृत्ति अंत:करण को पवित्र कर भीतर के तेज को देदीप्यमान करती है।

भारत में त्याग की परंपरा पुरातनकाल से चली आ रही है। आसक्ति से विरत हो जाने वालों की यहां पूजा की जाती है। भगवान महावीर द्वारा राज्य को एक क्षण में त्याग देने जैसे स्थापित किए गए आदर्श को संसार पूजता है। राज्य का त्याग कर वन में जाने से उन्होंने समाज में उच्चतम मानदंड स्थापित किया। साथ ही लोगों को धर्म, अध्यात्म, ज्ञान व भक्ति के मार्ग की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा भी प्रदान की।

वन बंधु परिषद एफटीसी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के साथ बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हाल ही में वन बंधु परिषद एफटीएस के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रमेश महेश्वरी के आगमन पर चेन्नई चैप्टर द्वारा एक बैठक एफटीएस के प्रांगण स्पेंसर प्लाजा में रखी गई। इस बैठक में ग्रामीण गांव में स्कूल का संचालन कैसे हो रहा है? इसे कैसे ओर बढ़ाया जाए, नए कार्यक्रम करने, नए कार्यकर्ता एवं आचार्य की नियुक्ति आदि पर चर्चा हुई। रमेश माहेश्वरी ने चेन्नई चैप्टर के कामकाज की सराहना की। प्रवीण टाटिया अध्यक्ष एफटीएस चेन्नई ने सभी का स्वागत किया। सचिव गिरी बागड़ी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस सभागार में कई कार्यकारिणी सदस्य ने अपनी सहभागिता दी। जिनमें केके माहेश्वरी, बाल सुब्रमण्यम, विजय गोलछा, अशोक ममानी, विमला दमानी, नीमा जैन, वीणा झंवर, पुष्पलता झंवर, साधना ममानी, माधवन, शंकर, शेषाद्री आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। चेन्नई चैप्टर द्वारा करीब 1200 स्कूल को चलाने का लक्ष्य है।

देश से नफरत मिटाना मेरा मकसद, इसके लिए मोदी को हराना जरूरी : राहुल

हैदराबाद/भाषा

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि उनका लक्ष्य देश में नफरत खत्म करना है और इसके लिए केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हराना जरूरी है। उन्होंने यहां नामपल्ली में एक चुनावी सभा में यह आरोप भी लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), प्रधानमंत्री मोदी और 'कट्टरपंथियों' ने पूरे देश में नफरत फैला दी है।

राहुल गांधी ने इस बात का उल्लेख किया कि कांग्रेस ने अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने' का नारा दिया था। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ 24 मामले दर्ज कर दिए गए, क्योंकि वह प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा ''पहली बार ऐसा हुआ कि मानहानि के मामले में दो साल की सज़ा मिली। मेरी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई। मेरा सरकारी घर छीन लिया गया। मैंने कहा कि मुझे यह नहीं चाहिए। मेरा घर देश के करोड़ों गरीबों के दिलों में है।''

सांसदों एवं विधायकों के खिलाफ मामलों की सुनवाई करने वाली उत्तर प्रदेश की एक अदालत ने सोमवार को गांधी को केंद्रीय मंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से संबंधित 2018 के मानहानि मामले में तलब किया।

राहुल गांधी ने यहां नामपल्ली की रैली में अपने भाषण में उत्तर प्रदेश की अदालत द्वारा उन्हें समन भेजे जाने का कोई जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा, ''लड़ाई वैचारिक है और मैं इससे समझौता नहीं कर सकता।'' उन्होंने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी पर भी हमला बोला और सवाल किया कि आखिर हैदराबाद के सांसद के खिलाफ कितने मामले दर्ज हैं?

कांग्रेस नेता ने कहा कि ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियां हमेशा उनके पीछे पड़ी रहती हैं, लेकिन क्या कोई एजेंसी ओवैसी के पीछे पड़ी है?

मेगा स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पट्टालम के तेरापंथ जैन विद्यालय (टीजेवी) के प्रांगण में सुबह तेरापंथ एजुकेशनल एण्ड मेडीकल ट्रस्ट एवं तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा संचालित आचार्य श्री तुलसी डाइग्नोसिस सेंटर (एटीडीसी) के सयुक्त तत्वावधान में विद्यालय की सिल्बर जुबली वर्ष के सुअवसर पर सघन स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। मेगा हैल्थ चैकअप कैंप का शुभारम्भ ईश वंदना से किया गया। तत्पश्चात विद्यालय चेयरमैन श्री एम जी बोहरा ने इस शिविर के फायदे छात्रों एवं शिक्षकों को समझाये। प्रधानाचार्या आशा क्रिस्टी ने स्वागत भाषण दिया। सिल्वर जुबली समिति के मुख्य संयोजक माणकचंद डोसी ने अनमोल शब्दों से सभी को शिविर में बढ़चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया। तेयुप के अध्यक्ष दिलीप गेलेडा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मेडिकल समिति के संयोजक विकास सेठिया, तेयुप के सहमंत्री सुनील मुथा एवं प्रतीप सुराना की भूमिका सराहनीय रही। इंडिया विशन आई हॉस्पिटल की तरफ से 575 छात्रों एवं शिक्षकों की नेत्र जाँच की गई। करपागम दंत चिकित्सालय के द्वारा 980 छात्र एवं शिक्षकों की दंत चिकित्सा की गई। ईसीजी के साथ-साथ रक्त की जाँच भी की गई। तेयुप सदैव से सामाजिक सेवाओं में अग्रणी रहा है। बढ़चढ़ कर समाज को सेवाएं प्रदान करता रहा है। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन एमजी बोहरा, ज्वाइन सेकेट्री कमलेश नाहर, महासंवाददाता संजय भंसाली, कोषाध्यक्ष गौतमचंद समदरिया, तेयुप मंत्री कोमल डागा, अशोक लूणावत, निर्मल छाजेड़, दिनेश बाफना, श्रीकांत चौरडिया, अमित बोहरा आदि उपस्थित थे।

दिल्ली के धौला कुआं से अंतरराज्यीय हथियार तस्कर गिरफ्तार, आठ पिस्तौल जब्त

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के धौला कुआं में 38 वर्षीय एक व्यक्ति को आठ अर्ध-स्वचालित पिस्तौल और 10 कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, हापुड़ के रहने वाले आरोपी सोनू ने पिछले साल दिल्ली और उत्तर प्रदेश में 40 से ज्यादा पिस्तौलों की आपूर्ति की थी। उत्तर प्रदेश के मूल निवासी सोनू की गिरफ्तारी के साथ दिल्ली पुलिस एक अंतरराज्यीय हथियार गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा कर रही है।

पुलिस उपायुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) आलोक कुमार ने बताया, 'आरोपी की पहचान हापुड़ के रहने वाले सोनू के रूप में हुई है। 23 नवंबर को हमारी टीम को सूचना मिली की सोनू मध्य प्रदेश के एक हथियार तस्कर से हथियार और कारतूस की एक खेप लेकर धौला कुआं बस स्टैंड के समीप किसी को देने आएगा।'

उन्होंने बताया कि बस स्टॉप के समीप जाल बिछाया गया और टीम ने सोनू की पहचान कर ली, जो किसी का इंतजार कर रहा था। अधिकारी ने बताया कि आरोपी को पुलिस के आस-पास होने की भनक लग गई, जिसके बाद उसने अपनी पिस्तौल निकाली और पुलिस दल के सदस्यों पर गोली चलाने की धमकी दी लेकिन पुलिसकर्मियों की मुस्तैदी से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से आठ पिस्तौल और 10 कारतूस बरामद किए गए।

अधिक टिकाऊ भविष्य के लिए 2050 तक 13.5 लाख करोड़ डॉलर का निवेश जरूरी: रिपोर्ट

नई दिल्ली/ जिनेवा/भाषा। अधिक टिकाऊ और कार्बन-तटस्थ भविष्य की तरफ कदम बढ़ाने के लिए वर्ष 2050 तक उत्पादन, ऊर्जा और परिवहन क्षेत्रों में 13.5 लाख करोड़ डॉलर के व्यापक निवेश की जरूरत पड़ेगी। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया। मंगलवार को जारी इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत, चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख उत्पादक देश एवं क्षेत्रों ने अब शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य के लिए प्रतिबद्धता जताई है।

ऐसे में वहां पर मौजूद कारोबारों के लिए अपने परिचालन एवं रणनीतियों का बदलते हुए नियामक परिदृश्य के साथ सामंजस्य बिठाना अनिवार्य हो गया है। हालांकि रिपोर्ट कहती है कि जटिल और लगातार बदलती नीतिगत प्रणालियों की वजह से कारोबारों को अनुपालन के लिए पर्याप्त संसाधन आवंटित करने पड़ते हैं जो प्रगति को बाधित करता है। लिहाजा इन जोखिमों को कम करने के लिए एक तय समयसीमा के साथ अधिक सुसंगत और स्थिर नियामकीय ढांचे बनाने जरूरी हैं।

इस रिपोर्ट में ग्रीनहाउस गैस का 40 प्रतिशत वैश्विक उत्सर्जन करने वाले आठ उद्योगों की शुद्ध रूप से शून्य उत्सर्जन की दिशा में प्रगति का जायजा लिया गया है। इसके मुताबिक, स्वच्छ ऊर्जा, स्वच्छ हाइड्रोजन और औद्योगिक ठिकानों के नजदीक कार्बन उत्सर्जन रोकने के लिए वैश्विक वित्त पोषण और मजबूत नीतिगत प्रोत्साहन की जरूरत है।

एक्सेंचर के सहयोग से प्रकाशित इस रिपोर्ट में इस्पात, सीमेंट, एल्यूमीनियम, अमोनिया, तेल एवं गैस, विमानन, जहाजरानी और ट्रक परिवहन उद्योगों का विश्लेषण किया गया है। ये उद्योग अपनी 90 प्रतिशत ऊर्जा मांग को जीवाश्म ईंधनों से पूरा करते हैं।

रिपोर्ट कहती है कि भारत और चीन जैसे देशों में व्यापक औद्योगिक रूपांतरण में मददगार हाइड्रोजन मूल्य श्रृंखला में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए स्वच्छ हाइड्रोजन वाली कार्य योजनाओं को अपनाया गया है।

गिरफ्तार छात्रों के खिलाफ यूएपीए का हल्का प्रावधान लागू किया गया

श्रीनगर/भाषा। नेताओं के एक वर्ग की आलोचना का सामना करने के बाद जम्मू कश्मीर पुलिस ने विश्व कप फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम के प्रदर्शन के बाद आपत्तिजनक नारे लगाने वाले सात छात्रों पर यूएपीए के तहत मामला दर्ज करने का बचाव किया। पुलिस ने कहा कि आतंकवाद रोधी कानून के ''हल्के प्रावधान'' लागू किए गए हैं।

जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला समेत कई नेताओं ने पुलिस की कार्रवाई की निंदा की है और आरोप लगाया है कि इतनी कड़ी सजा से युवाओं पर बुरा असर पड़ेगा।

पुलिस ने एक बयान में कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13 के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही कहा कि ''अन्य प्रावधानों के विपरीत, अधिनियम का यह एक हल्का प्रावधान है।''

यूएपीए की धारा 13 किसी भी गैरकानूनी गतिविधि की सलाह देने या उकसाने से संबंधित है और इसके तहत सात साल की जेल की सजा का प्रावधान है।

छात्रों पर सार्वजनिक शरारत और आपराधिक धमकी से संबंधित भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 505 और 506 के प्रावधान भी लगाए गए हैं, जिसके तहत दोषी पाए जाने पर पांच साल तक जेल की सजा हो सकती है।

पुलिस ने कहा कि यह घटना महज पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने के बारे में नहीं थी। पुलिस ने कहा, ''...ये नारे, जैसा कि आमतौर पर कुछ चुनिंदा गुंडों के मामले में होता है, उन लोगों को डराने के लिए लगाए गए थे जो असहमत थे और साथ ही उन लोगों की पहचान करने और उन्हें बदनाम करने के लिए भी लगाए गए थे जो दूरी बनाए रखना चाहते थे।'' पुलिस ने कहा कि यह घटना अलगाववादी और आतंकवादी नेटवर्क के कारण हुई।

बयान में पुलिस कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा गया है कि युवाओं का उद्देश्य न तो किसी विशेष खेल टीम की व्यक्तिगत पसंद को उजागर करना था, न ही असहमति या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में था। बयान में कहा गया, ''यह दूसरों को आतंकित करने के बारे में था जो भारत समर्थक भावनाओं या पाकिस्तान विरोधी भावनाओं को बढ़ावा दे रहे हैं या असहमत हैं। इसके सबूत के लिए लिखित शिकायतें हैं।''

पुलिस ने कहा कि प्राथमिकी एक लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी और शिकायत की सामग्री के अनुसार धाराएं लगाई गईं।

पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए आश्वासन के खिलाफ है, जिन्होंने 2021 में घोषणा की थी कि जम्मू कश्मीर से 'दिल्ली की दूरी' के साथ ही 'दिल की दूरी' को खत्म करने का समय आ गया है।

उमर ने कहा, ''इन छात्रों ने जो किया उससे मैं सहमत नहीं हूं। लेकिन पुलिस ने जिस तरह से इस मामले को संभाला है, मैं उससे भी सहमत नहीं हूं। इससे प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुसार 'दिल की दूरी' कम नहीं होगी।'' उन्होंने कहा कि पुलिस को याद रखना चाहिए कि उसका (प्रावधान का) ''हल्का संस्करण'' छात्रों के करियर को नष्ट कर देगा।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने युवाओं की गिरफ्तारी को ''चौंकाने वाला'' बताते हुए पुलिस कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने कहा कि यूएपीए का इस्तेमाल आतंकवादियों पर मामला दर्ज करने के लिए किया जाता है, लेकिन सरकार इसका इस्तेमाल युवाओं, पत्रकारों और छात्रों को गिरफ्तार करने के लिए कर रही है।

महबूबा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह चिंताजनक और चौंकाने वाली बात है कि कश्मीर में विश्व कप विजेता टीम का समर्थन करना भी अपराध हो गया है। पत्रकारों, कार्यकर्ताओं और अब छात्रों के खिलाफ यूएपीए जैसे कठोर कानूनों को लागू करने से जम्मू कश्मीर में युवाओं के प्रति प्रशासन की क्रूर मानसिकता का पता चलता है।''

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता एम वाई तारिगामी ने इस कार्रवाई को निंदनीय और छात्रों की नारेबाजी को महज जश्न मनाने की कार्रवाई बताया।

सुनक ने प्राचीन मूर्तियों को लेकर मुलाकात रद्द की : यूनान के प्रधानमंत्री का दावा

लंदन/भाषा

प्राचीन यूनानी मूर्तियों 'एल्गिन मार्बल्स' को वापस करने की मांग को लेकर उपजे विवाद के बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने देश की यात्रा पर आए यूनान के अपने समकक्ष किरियाकोस मित्सोताकिस के साथ अपनी प्रस्तावित मुलाकात को कथित रूप से रद्द कर दिया है।

एथेंस में पार्थेनन की प्राचीन यूनानी मूर्तियां उन विवादित ऐतिहासिक वस्तुओं में शुमार हैं जिन्हें ब्रिटिश राजनयिक लॉर्ड एल्गिन 19वीं सदी की शुरुआत में अपने देश ले आए थे और उन्हें अपना अंग्रेजी नाम दे दिया था।

पार्थेनन मूर्तियां अब ब्रिटिश संग्रहालय का हिस्सा हैं और यूनान लंबे वक्त से इन्हें लौटाने की मांग कर रहा है ताकि एथेंस में एक्रोपोलिस म्यूज़ियम (संग्रहालय) में उन मूर्तियों की शृंखला को पूरा किया जा सके।

यह भारत के कोहिनूर हीरा और उन अन्य ऐतिहासिक कलाकृतियों को भी लौटाने की मांग की याद दिलाता है जिन्हें औपनिवेशिक शासन के समय भारत से ले जाया गया था। हाल में महाराष्ट्र सरकार ने 17वीं सदी के 'बाघ के पंजे' या वाघ नख को तीन साल के लिए उधार लेने के वास्ते विक्टोरिया और एल्बर्ट म्यूज़ियम के साथ एक समझौता किया है। माना जाता है कि यह वाघ नख छत्रपति शिवाजी महाराज का था।

ब्रिटेन-यूनान के बीच गतिरोध डाउनिंग स्ट्रीट के उस दावे से उपजा प्रतीत होता है जिसमें कहा गया है कि इस बात पर सहमति हुई थी कि सुनक और मित्सोताकिस के बीच किसी भी द्विपक्षीय बैठक के दौरान इस मुद्दे को नहीं उठाया जाएगा, लेकिन यूनान ने इस बात से इनकार किया है।

यूनान के प्रधानमंत्री ने रविवार को बीबीसी से कहा था कि पार्थेनन की कुछ मूर्तियां लंदन में होना और अन्य का एथेंस में होना ऐसा है जैसे 'मोनालिसा' की पेंटिंग को बीच से आधा काट देना।

मित्सोताकिस ने सोमवार शाम को पत्रकारों से कहा कि वह सुनक के साथ अपनी मुलाकात के अचानक रद्द होने से बहुत निराश हैं, जो मंगलवार दोपहर के लिए निर्धारित थी।

उनकी सरकार के प्रवक्ता ने बाद में एसकेएआई टीवी से कहा, ब्रिटेन का रवैया हमारे प्रधानमंत्री और हमारे देश के प्रति सम्मान नहीं होने की बात को दिखाता है।

इसरो के एस्ट्रोसैट ने आठ साल में 600 से अधिक गामा-किरण विस्फोटों का पता लगाया

नई दिल्ली/भाषा

भारत की एस्ट्रोसैट अंतरिक्ष दूरबीन ने 600 से अधिक गामा किरण विस्फोटों (जीआरबी) का पता लगाकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिनमें से प्रत्येक विस्फोट किसी विशाल तारे की मृत्यु या न्यूट्रॉन तारों के विलय का प्रतीक है।

सीजेडटीआई के प्रमुख अन्वेषक दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा, 600वें जीआरबी का पता लगाना प्रक्षेपण के आठ साल बाद और निर्धारित जीवनकाल के बाद भी 'कैडमियम जिंक टेलुराइड इमेजर' (सीजेडटीआई) के निरंतर जारी असीमित प्रदर्शन का एक बड़ा उदाहरण है।

एस्ट्रोसैट के माध्यम से जीआरबी अध्ययन का नेतृत्व करने वाले भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई के पीएचडी छात्र गौरव वरातकर ने पीटीआई-भाषा से कहा कि लघु महाविस्फोट (मिनी बिग-बैंग्स) कहे जाने वाले जीआरबी ब्रह्मांड में सबसे ऊर्जावान विस्फोट हैं, जो सूर्य द्वारा अपने पूरे जीवनकाल में उत्सर्जित की जाने वाली ऊर्जा से अधिक ऊर्जा मात्र कुछ सेकंड में उत्सर्जित करते हैं।

जीआरबी एक सेकंड के एक अंश से लेकर कई मिनट तक रहता है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा 2015 में प्रक्षेपित एस्ट्रोसैट की कार्य अवधि पांच साल के लिए निर्धारित थी, लेकिन यह अवलोकन कार्य में खगोलविदों के लिए अब भी अच्छी स्थिति में बना हुआ है।

यह उपग्रह भारत की पहली समर्पित बहु-तरंगदैर्ध्य अंतरिक्ष वेधशाला है, जो पराबैंगनी किरणों से लेकर एक्स-रे तक विभिन्न तरंगदैर्ध्य में अंतरिक्ष संबंधी वस्तुओं का एक साथ अवलोकन करने के लिए उपकरणों से लैस है।

आईआईटी-मुंबई के एसोसिएट प्रोफेसर वरुण भालेराव ने कहा, ''एस्ट्रोसैट ने जो हासिल किया है उस पर हमें गर्व है। इस सफलता को आगे बढ़ाने के लिए, कई संस्थान एक साथ आए हैं और अगली पीढ़ी की जीआरबी अंतरिक्ष दूरबीन 'दक्ष' के निर्माण का प्रस्ताव रखा है, जो दुनियाभर में ऐसे किसी भी उपग्रह से कहीं बेहतर होगी। 'दक्ष' दूरबीन इतनी संवेदनशील होगी कि सीजेडटीआई ने जो काम आठ साल में किया है, वह एक साल में ही इतना काम कर लेगी।''

एस्ट्रोसैट के सीजेडटीआई डिटेक्टर द्वारा 600वें जीआरबी का पता 22 नवंबर को लगाया गया था। इस बारे में दुनिया भर के खगोलविदों को सूचित किया गया था जो इस तरह की घटना पर अपने शोध में इसका उपयोग कर सकते हैं और इससे इन उच्च-ऊर्जा से जुड़ी चरम स्थितियों का पता लगाने के लिए खगोलविदों को महत्वपूर्ण डेटा मिल सकता है।

संबोधन

तिरुवनंतपुरम में कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर मंगलवार को जाति जनगणना कराने सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सरकारी सचिवालय के सामने धरना दे रहे दलित ईसाई समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए।

बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों ने आपबीती बयां की

तेल अवीव/एपी

हमास द्वारा छोड़ी गई एक इजराइली बंधक ने एक साक्षात्कार में बताया कि उसे शुरुआत में अच्छी तरह खाना दिया गया लेकिन बाद में हालात बिगड़ने लगे और उसे एक बंद कमरे में रखा गया जहां वह करीब 50 दिन तक प्लास्टिक की कुर्सियों पर एक चादर बिछाकर सोई। रूती मुंदर (78) ने इजराइल के चैनल 13 को बताया कि उन्होंने अपना पूरा वक्त अपनी बेटी केरेन और नाती ओहाद मुंदर-जिचरी के साथ बताया। इसी दौरान ओहाद का नौवां जन्मदिन पड़ा।

मुंदर को सात अक्टूबर को दक्षिण इजराइल के निर ओज में उनके घर से घसीटकर ले जाया गया। उनके पति अब्राहम (78) को भी बंधक बना लिया गया और वह गाजा में ही हैं। उनके बेटे की हमले में मौत हो गई। मुंदर ने टेलीविजन चैनल को बताया कि शुरुआत में उन्हें चावल के साथ चिकन, डिब्बाबंद खाना और चीज़ खाने को दिया गया। उन्होंने कहा, ''हम अच्छे थे।'' उन्होंने बताया कि सुबह और शाम उन्हें चाय दी जाती थी और बच्चों को मिठाइयां दी जाती थीं। मुंदर के अनुसार, ''हालांकि आर्थिक हालात बिगड़ने लगे और लोग भूखे रहने लगे जिसके बाद खानपान की चीजों में भी बदलाव हो गया।''

जंग शुरू होने के बाद से इजराइल ने गाजा पर नकेल कस रखी है जिसके बाद वहां खाने की चीजों, ईंधन और अन्य बुनियादी वस्तुओं की कमी हो गई है।

शुक्रवार को रिहा की गईं मुंदर भी अन्य मुक्त किए गए बंधकों की तरह अच्छी हालत में लौटी हैं। लेकिन 84 वर्षीय एक महिला को उचित देखभाल नहीं मिलने के कारण खराब हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक अन्य बंधक को सर्जरी की जरूरत है।

बंधकों को वापसी के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं लाया गया है। उनके बारे में कोई भी जानकारी रिश्तेदारों से ही मिल रही है। उन्होंने बताया कि बंधक बनाए गए कुछ लड़के देर तक बातें करते थे, वहीं कुछ लड़कियां रोती रहती थीं। कुछ लड़के फर्श पर ही सो जाते थे।

मुंदर के अनुसार उन्हें जिस कमरे में रखा गया था, वह 'दमघोंटू' था और बंधकों को रोशनदान खोलने से रोक दिया जाता था, लेकिन वह एक खिड़की खोलने में कामयाब रहीं।

इजराइल और हमास ने अपने चार दिन के संघर्ष विराम को बढ़ाने पर सहमति जताई है। संघर्ष विराम के कारण जंग रुक गई है और इजराइल द्वारा कैद किए गए फलस्तीनियों की रिहाई के बदले उसके बंधकों को हमास द्वारा छोड़ा जा रहा है।

फिल्म 'हानिकारक बीवी' की शूटिंग शुरू

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत और अभिनेत्री ऋतु सिंह की आने वाली फिल्म हानिकारक बीवी की शूटिंग शुरू हो गई है। फिल्म हानिकारक बीवी पति-पत्नी की कहानी पर आधारित है। इस फिल्म का निर्देशन इम्तियाज शेख बंटी कर रहे हैं।विक्रांत सिंह राजपूत ने कहा कि फिल्म हानिकारक बीवी एक अलग जॉनर की फिल्म है। मुझे उम्मीद है, यह दर्शकों को पसंद आएगी। फिल्म में मेरा किरदार अनूठा है। उम्मीद करूंगा कि आप सबों को यह पसंद आए। फिल्म की कहानी ने मुझे आकर्षित किया।

फिलहाल फिल्म की शूटिंग में पूरा वक्त लगा रहा हूं। इस फिल्म में मेरा लुक भी अलग होगा और अंदाज भी। उन्होंने कहा कि फिल्म में मेरे साथ ऋतु सिंह हैं, जो अब तक कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। फिल्म में हमारी जोड़ी दर्शकों के दिलों में उतर जाने वाली होगी। फिल्म का निर्माण बिग स्केल पर हो रहा है। इंटर 10 रंगीला के जास मोशन पिक्चर्स एल एल पी प्रा लि के बैनर से बन रही फिल्म हानिकारक बीवी के निर्माता अंशुमान सिंह हैं। एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर सुभाष चौहान हैं। प्रोडक्शन कंट्रोलर जय मिश्रा हैं। संगीतकार साजन मिश्रा हैं। फिल्म में विक्रांत सिंह राजपूत और ऋतु सिंह के साथ अमित शुक्ला, महेश आचार्य और कंचन मुख्य भूमिका में हैं।

क्रिकेट पर फिल्म बनाना चाहते हैं आयुष्मान खुराना

मुंबई/एजेन्सी

क्रिकेट के दीवाने एक्टर आयुष्मान खुराना ने खुलासा किया कि वह जल्द ही इस खेल पर एक फिल्म बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी ऐसा होगा तो उनका क्रिकेट स्किल काम आएगा। आयुष्मान को 'विक्की डोनर', 'दम लगा के हईशा', 'आर्टिकल 15', 'अंधाधुन' जैसी कई अन्य फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। एक्टर ने कहा कि क्रिकेट पर उनकी नॉलेज और ऑब्जरवेशन अच्छी हैं। उन्होंने दुनिया भर के क्रिकेट फैंस के साथ बातचीत की और बताया कि वह इस खेल के उत्साही फॉलोअर हैं।

आयुष्मान ने खुलासा किया कि वह पंजाब में अंडर-19 डिस्ट्रिक्ट लेवल के क्रिकेटर थे और वह इस खेल को बहुत जुनून के साथ खेलते हैं। उन्होंने कहा, क्रिकेट पर फिल्म बनाना मेरी बकेट-लिस्ट का हिस्सा है और मुझे उम्मीद है कि यह जल्द ही पूरा हो जाएगा। मुझे लगता है कि जब भी ऐसी फिल्म बनेगी तो मेरा क्रिकेट स्किल वास्तव में काम आएगा।

सम्मनित

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को झारखंड के लोहरदगा में 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के दौरान लोगों को सम्मानित करते हुए।

सोनू सूद स्पर्श सीसीटीवी के बने ब्रांड एंबेसडर

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड स्टार और परोपकारी सोनू सूद को स्पर्श सीसीटीवी ने अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। सोनू स्पर्श के पहले राष्ट्रीय अभियान में शामिल होंगे, जो भारत के लोगों को एक मजबूत, सकारात्मक और आशावादी संदेश देता है। इस भूमिका में, सोनू ब्रांड का प्रचार और विपणन गतिविधियों में मुख्य भूमिका निभाएंगे। अभिनेता सोनू सूद ने कहा, यह साझेदारी मेरे देश के प्रति मेरे समर्पण और प्यार का विस्तार है। मैंने हमेशा भारत में निर्मित ब्रांडों को मान्यता दी है और उनका समर्थन किया है। मैं स्पर्श सीसीटीवी कैमरों से जुड़कर, देश को बेहतरीन उत्पाद उपलब्ध कराकर, सभी की सुरक्षा सुनिश्चित

करके रोमांचित हूं। स्पर्श के संस्थापक और प्रबंध निदेशक (एमडी) संजीव सहगल ने कहा, हम स्पर्श के चेहरे के रूप में सोनू सूद के साथ साझेदारी करके बहुत उत्साहित हैं। सोनू की बहुमुखी प्रतिभा और अपनी कला तथा सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण एक सुपरस्टार के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करता है।

'मैं अटल हूं' 19 जनवरी को होगी रिलीज

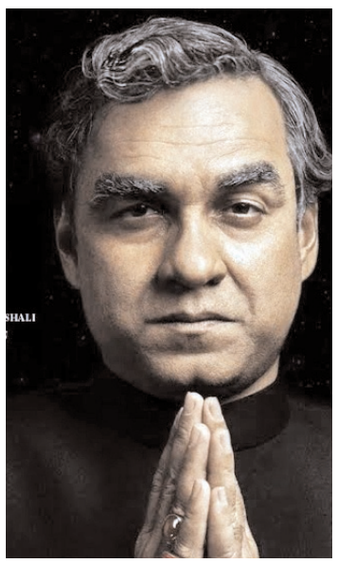

मुंबई/वार्ता

हिंदी सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मैं अटल हूं' बड़े पर्दे पर 19 जनवरी 2024 को रिलीज होगी। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता पंकज त्रिपाठी द्वारा अभिनीत यह फिल्म भारत के तीन बार प्रधानमंत्री रहे अटल बिहारी वाजपेयी की जीवन यात्रा आधारित है। पंकज त्रिपाठी ने कहा, अटल जी का किरदार निभाना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण था। यह मेरे लिए चुनौतीपूर्ण था कि मैं इसे ठीक से निभा पाऊंगा या नहीं। मैंने इस किरदार को अपनी मेहनत और पूरी ईमानदारी से निभाया है। किरदार निभाते समय अटल जी जैसे महान व्यक्तित्व के लिए एक अभिनेता के रूप में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि क्या वह उनके साथ न्याय कर पाएंगे। मैंने इस भूमिका को निभाने से पहले उनके बारे में बहुत कुछ पढ़ा था। मैंने अटल जी की कई कविताएं भी याद कर ली हैं। जब मैं उनके बारे में शोध कर रहा था और फिर जब मैंने उनकी भूमिका निभाई, तो खुद को समझने का मेरा नजरिया व्यापक हो गया। पुरस्कार विजेता निर्देशक रवि जाधव ने इस फिल्म का निर्देशन किया है और पटकथा ऋषि विरमानी तथा रवि जाधव की है। भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और लीजेंड स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत मैं अटल हूं विनोद भानुशाली, संदीप सिंह और कमलेश भानुशाली द्वारा निर्मित है।

अगर 'सैम बहादुर' के लिए मिला ऑस्कर, तो भारतीय सेना को कर दूंगा समर्पित : विक्की कौशल

मुंबई/एजेन्सी

भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित बायोपिक 'सैम बहादुर' को लेकर चर्चाओं में छाए बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल कहा है कि अगर उन्हें फिल्म के लिए ऑस्कर मिलता है, तो वह इसे भारतीय सेना को समर्पित करेंगे।

ऐतिहासिक प्रामाणिकता के अनुरूप कुछ शानदार प्रोडक्शन और सेट डिजाइन, वीएफएक्स, एक्टिंग, डायलॉग और एस्थेटिक की विशेषता के साथ, 'सैम बहादुर' में विक्की, फातिमा सना शेख और सान्या मल्होत्रा मुख्य भूमिका में हैं। विक्की के इंस्टाग्राम पर 16.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं और वह अपने फैंस के साथ अक्सर अपडेट शेयर करते रहते हैं। उन्होंने हाल ही में 'सैम बहादुर' के लिए अपने फैंस के साथ आस्क अवे सेशन किया। एक फैन ने पूछा: अगर आपको 'सैम बहादुर' के लिए ऑस्कर या फिल्मफेयर मिला तो आप किसे समर्पित करेंगे? फिल्म के एक सीन के साथ जवाब देते हुए विक्की ने लिखा, भारतीय सेना को समर्पिक करूंगा।

एक अन्य फैन ने पूछा: अपने किरदार 'सैम' के बारे में थोड़ ओर बताएं। अभिनेता ने कहा, रब का बंदा है ये... सबका बंदा है ये! नेपाल के एक फैन ने 'राजी' अभिनेता से पूछा: गोरखा के इतिहास के बारे में सीखने का अनुभव कैसा रहा? विक्की ने कहा: प्रेरणादायक और वास्तव में प्रेरक! अगर आपको सैम से व्यक्तिगत रूप से मिलने का मौका मिले तो आप उनसे क्या पूछेंगे? विक्की ने उत्तर दिया: ''मैं बिल्कुल अचंभित और अवाक रह जाऊंगा!

क्या उनके लिए किरदार में ढलना वाकई मुश्किल था?, इस पर विक्की ने कहा, मेरा अब तक का सबसे कठिन किरदार! फिल्म को पूरा करने में कितने दिन लगे? 'मनमर्जियां' फेम एक्टर ने कहा: 3 साल की स्क्रिप्टिंग, 2 साल की तकनीकी तैयारी, 7 महीने की शूटिंग, 13 शहर, 8 राज्य, 1 लीजेंड के लिए ! विक्की ने भी गुरुपर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने स्वर्ण मंदिर में प्रार्थना करते हुए अपनी एक तस्वीर साझा की। विक्की ने इसे कैप्शन दिया: हैप्पी गुरुपर्व। आरएसवीपी मूवीज़ द्वारा निर्मित, यह फिल्म मेघना गुलज़ार द्वारा निर्देशित है, और 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मणि रत्नम से काजोल ने कहा- 'मैं टॉम क्रूज हूं'

मुंबई/एजेन्सी

चैट शो 'कॉफी विद करण' में फिल्म निर्माता करण जौहर ने शाहरुख खान और काजोल के साथ 'कुछ कुछ होता है' के नैरेशन का एक मजेदार किस्सा शेयर किया, जब काजोल को निर्देशक मणि रत्नम का फोन आया तो उन्हें लगा कि कोई उनके साथ मजाक कर रहा है। अपकमिंग एपिसोड में, काजोल और रानी मुखर्जी शो की शोभा बढ़ाएंगे। करण ने शेयर किया, ''मुझे अभी भी वह दिन याद है जब मैंने शाहरुख और काजोल को फिल्म सुनाई थी। हम शाहरुख के पुराने घर अमृत अपार्टमेंट में थे। हम उनके कमरे में बैठे थे, जो छत के ठीक बगल में है।'' करण ने कहा, ''आप रो रहे थे, शाहरुख आपकी तरफ देख रहे थे और सोच रहे थे। मैं फिल्म सुनाते हुए रो रहा था, आप सुनते हुए रो रहे थे और वह सोच रहा था कि हम दोनों पागल हैं।'' फिल्म निर्माता ने काजोल से कहा: ''उस समय, मुझे याद है कि आपको मणिरत्नम का फोन आया था, जिनसे आपने कहा था, 'कौन?' उन्होंने कहा कि मैं मणि रत्नम बोल रहा हूं और आपने कहा, 'हां, और' मैं टॉम क्रूज हूं', और फोन रख दिया।' करण ने कहा, ''मणि रत्नम ने आपको 'दिल से' के लिए बुलाया था। उन्हें विश्वास नहीं हुआ कि यह मणि रत्नम हैं और उसे लगा कि कोई मजाक कर रहा है।'' यह डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग हो रही है।

रोमांटिक एक्शन कॉमेडी ड्रामा 'इश्क' ने मंगलवार को अपनी रिलीज के 26 साल पूरे कर लिए। फिल्म की लीड एक्ट्रेस काजोल ने को-स्टार्स अजय देवगन, जूही चावला और आमिर खान के साथ एक पुरानी तस्वीर शेयर की और सभी को 'फैब एक्टर' बताया। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आमिर, अजय, जूही और काजोल के साथ-साथ दलीप ताहिल, सदाशिव अमरापुरकर, जॉनी लीवर और मोहन जोशी सपोर्टिंग रोल्स में हैं। फिल्म में आमिर ने राजा अहलावत की भूमिका निभाई, अजय ने अजय राय की भूमिका निभाई, वहीं काजोल ने काजल शर्मा और जूही ने मधु सक्सेना की भूमिका निभाई थीं। 15.5 मिलियन फॉलोअर्स के साथ काजोल ने इंस्टाग्राम पर थ्रोबैक फोटो शेयर की और लिखा: यह तस्वीर तब ली गई थी जब हमने दिन भर स्विटजरलैंड की पहाड़ियों पर घूमा.. आप यह नहीं देख सकते कि हम कितना थके हुए थे या उस वक्त हम कैसे थे। यहां सूरज इतनी देर से क्यों डूबता है। हम कितने फैब एक्टर्स थे ना...'' काजोल ने अपनी इस पोस्ट में अजय देवगन और जूही चावला को टैग किया। फैंस ने काजोल की पोस्ट पर प्यार बरसाया और लिखा: ओल्ड इज़ गोल्ड, काजोल मैम आप अभी भी शानदार हैं, आमिर और जूही की सिनेमा की मजबूत केमिस्ट्री, आप लोग बहुत अच्छे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, काजोल की अगली फिल्म 'सरजमीन' और 'दो पत्ती' पाइपलाइन में हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

बन्नरघट्टा रोड के सिरी भवन में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स का दीपावली स्नेह मिलन 'हमारे राम आएंगे' का आयोजन रविवार को किया गया। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं शाखा के सलाहकार रवि राम सिंघानिया, शाखा अध्यक्ष संदीप चनानी, निवर्तमान अध्यक्ष ऋषभ सर्राफ और अन्य कार्यकारणी समिति के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई।

संसारी जीव अधिकांश समय पाप करता रहता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। यहां के श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में मंगलवार को हुए प्रवचन में मुनिश्री मेरुपद्मसागरजी एवं मुनिश्री अर्हमद्मसागरजी ने कहा कि संसारी जीव अधिकांश समय पाप करता रहता है। उससे हर क्रिया प्रवृत्ति में जाने अनजाने पाप हो ही जाता है जबकि दान, शील, तप, भावना को हमें जीवन पर्यन्त धारण करना है। खानपान के साथ बोलचाल, सदाचार के साथ तथा तप-त्याग के साथ हम जहां भी जाएँ वहीं अपने एक अलग पहचान होनी चाहिए। हमें आर्य देश और आर्य कुल में जन्म मिला है। जहाँ हमें पुण्य-पाप की समझ मिली है। दान, शील, तप भाव से हम पुण्योपार्जन करें। कर्म निर्जरा करे जिसके लिए चार प्रकार का धर्म अत्यंत जरूरी है।

बच्चों ने दिव्य चरित्रों की सुन्दर झांकी प्रस्तुत की

'हमारे राम आएंगे' के साथ दीपावली मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बन्नरघट्टा रोड के सिरी भवन में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स का दीपावली स्नेह मिलन 'हमारे राम आएंगे' का आयोजन रविवार को किया गया। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं शाखा के सलाहकार रवि राम सिंघानिया, शाखा अध्यक्ष संदीप चनानी, निवर्तमान अध्यक्ष ऋषभ सर्राफ और अन्य कार्यकारणी समिति के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई।

सभी का स्वागत जयश्री राम के नारे और दुपट्टा से किया गया। मंच संचालक संदीप बरडिया ने सभी को श्री राम के जीवन पर आधारित प्रश्नोत्तरी में व्यस्त रखा। शाखा सदस्यों के बच्चों ने दिव्य चरित्रों की झांकियां प्रस्तुत की। छह साल से ऊपर के बच्चों ने रैंप वॉक किया। बच्चों के मनोरंजन के लिए गुब्बारे वाले खिलौने, उनके बनाए रेखाचित्र और रंग-बिरंगे टैटू की व्यवस्था की गई थी। महिलाओं के नृत्य प्रदर्शन के साथ-साथ कार्यकारिणी के सदस्यों और उनकी पत्नियों ने दर्शकों के लिए नृत्य प्रस्तुत किया जो वास्तव में सराहनीय था। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'उड़ते हनुमान' का अलौकिक चित्रण था जिसके बाद श्री राम दरबार की स्थापना की गई।

नटवर नागर के तीन स्वरूपों के साथ-साथ ब्रज की फूलों की होली ने और श्रीकृष्ण के साथ महारास का आयोजन हुआ। कार्यक्रम संयोजक दीपक गुप्ता, परवीन बंसल और विकास अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। अंत में शाखा सचिव अमित अग्रवाल ने आए सभी लोगों का धन्यवाद किया।

कन्नड़ राज्योत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजयनगर स्थित मारुति मंदिर के निकट मारुति ऑटो स्टेंड संगठन ने सोमवार को कर्नाटक राज्य उत्सव मनाया। मुख्य अतिथि गौसेवक एवं विजयनगर मारुति मेडिकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने ध्वजारोहण कर मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की भाषा एवं संस्कृति के संवर्धन का प्रयास हमारा कर्तव्य है। इस अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें युवाओं ने लायंस ब्लड बैंक के सौजन्य से उत्साह के साथ रक्तदान किया।

सदस्यों के जुड़ने से जेबीएन मजबूती की ओर : प्रमोद बाफना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु सदस्यों के व्यापारिक उत्थान के लिए प्रतिबद्ध जेबीएन की कार्यशैली, बढ़ते व्यापारिक दायरे एवं सकारात्मक सोच से प्रभावित होकर दिन प्रतिदिन नवीन सदस्यों के जुड़ने का क्रम जारी है। जेबीएन में सदस्य न केवल अपने व्यापारिक हित के बारे में सोचते है साथ ही साथी सदस्यों के व्यापारिक हितों की भी रक्षा करते है और इसी के परिणाम स्वरूप जेबीएन से जुड़ने का क्रम निरंतर जारी है। इससे जेबीएन को मजबूती मिलती है। यह बात जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के सचिव व जेबीएन संयोजक प्रमोद बाफना ने एक होटल में आयोजित जेबीएन पायोनियर्स की बैठक में कही। उन्होंने कहा कि जेबीएन एक ऐसा मंच है जहां पर समाज के पेशेवरों व युवा व्यवसायियों को अपनी सेवाओं व उत्पादों को व्यापक स्तर पर बताने व व्यवसाय को ऊंचाई पर ले जाने के सुगम अवसर प्राप्त होते है।

बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई। पायोनियर्स अध्यक्ष आशीष भंसाली ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पायोनियर्स से नित नये सदस्यों का जुड़ना इसकी सफलता की कहानी बयां करता है। उपाध्यक्ष मेहुल सकलेचा के अनुसार आज की बैठक में अलग-अलग श्रेणियों के 4 सदस्यों को सम्मिलित किया गया। लीडरशिप टीम ने सभी को पौधा देकर सम्मानित किया। बैठक का संचालन करते हुए सचिव रिंकु बाफना ने पॉयोनियर्स सदस्यों द्वारा अल्प समय में किए गए आपसी व्यवसाय का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उनके अनुसार बैठक में 35 सदस्यों के बीच लगभग 68 लाख रुपयों के व्यापारिक समझौते संपन्न हुए।

बैठक में उपस्थित जीतो साउथ के जेबीएन सह संयोजक विक्रम बागरेचा ने नेटवर्क बढ़ाने के अधिक व बेहतर तरीके बताये तथा जेबीएन के विकास के विकल्पों को बताया। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार सभी सदस्यों को अपने व्यवसायिक उत्पादों व पेशेवरों को उनकी सेवाओं का विवरण रखने के लिये समय दिया गया। राष्ट्रगान से बैठक का समापन हुआ।

मुनि दीपकुमार ने तेरापंथ भवन से किया विहार

धर्म में रमणीय बने रहें, साधु तो रमता भला : मुनि दीप कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी एवं सहवर्ती संत मुनिश्री काव्यकुमारजी ने सफल चातुर्मास की सम्पन्नता के बाद मंगल विहार किया। उससे पूर्व तेरापंथ भवन में मुनिश्री दीप कुमारजी ने संघीय परम्परा का निर्वाह करते हुए प्रदेशी राजा का प्रवचन करते हुए कहा- जो सुना जाता है, उसका सार है उसको ग्रहण कर जीवन को बदलना। चातुर्मास सम्पन्न हो गया है, आज प्रस्थान करना है। कथा की मूल बात कहते हुए मुनि श्री ने कहा- केशी कुमारश्रमण राजा प्रदेशी से आश्वस्त हो गए, वैसे ही हम भी यह प्रश्न कर रहे हैं कि हमारे प्रस्थान के बाद भी क्या धर्म की क्यारियां भवन में, घरों पर इसी तरह हरी-भरी लहलहाराती रहेगी? इस अवसर पर यही प्रेरणा है, सभी सदा धर्म में रमणीय बने रहें, नित्य धर्म की आराधना करते रहें।

मुनिश्री ने सुबह तेरापंथ भवन से विहार किया। अच्छी संख्या में भाई-बहन जुलूस के रूप में चल रहे थे। मुनिश्री का विहार के बाद प्रथम प्रवास के लिए मनोहरलाल, मुकेश बाबेल के निवास पर पहुंचें। वहां मुनिश्री ने कहा कि विहारचर्या प्रशस्त और कल्याणकारी है। साधु तो रमता भला! गुरु आज्ञा से विहार किया है। आज मुनि काव्य का दीक्षा दिवस है,आज इनके ज्ञातिजनों के यहां आए है। मुनिश्री काव्य कुमारजी ने कहा कि गुरु कृपा से मुनिश्री दीप कुमारजी के सान्निध्य में चातुर्मास किया। आज ज्ञातिजनों के यहां दीक्ष दिवस पर आना हो गया। गुरु इंगित और मुनि श्री के अनुसार निरंतर आध्यात्मिक रूप से बढ़ता रहूं। बाबेल परिवार से सबका स्वागत किया। तेरापंथ भवन से लगभग दो किलोमीटर के विहार में बड़ी संख्या में तेरापंथ समाज बंधुओं ने साथ में सेवा की।

अरसीकेरे धाम में शाश्वत तीर्थ भाव यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर दक्षिण नाकोडा तीर्थ श्री संकट मोचन पार्श्व भैरव धाम अरसीकेरे में सोमवार को भक्तों का सैलाब उमड़ा। श्री संकट मोचन पार्श्व भैरव भक्त मंडल बेंगलूर शाखा ने मेले का संपूर्ण लाभ लिया एवं बेंगलूरु से संघ का आयोजन किया। सुबह भक्तांबर, पार्श्व एवं गुरु इक्तीसा, भैरव चालीसा से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में बेंगलूरु के विधीकारक बिपिनभाई ने पार्श्व भैरव महापुजन पढ़ाई। सुर सम्राट दिलखुश बाफणा के साथ रिंकु बाफणा, डॉ नीतु राठौड, प्रेमलता, शिव्वमोग्गा से रेखा राठौड एवं स्थानीय हेमा कोठारी के मधुर कंठ भक्ति की गंगा बहाई।

अरसीकेरे निवासी अशोककुमार पुनीत गुगलिया परिवार ने शत्रुंजय पट विमोचन एवं सकल संघ को शत्रुंजय भावयात्रा कराने का लाभ लिया। कार्तिक पूनम मेला प्रसंगे बेंगलूरु से राष्ट्रीय पार्श्व भैरव भक्त परिवार के तत्वावधान में आयोजित राजेश कुमार बंधामुथा परिवार द्वारा कायमी लाभार्थी बनकर रेल यात्रा संघ का आयोजन हुआ।लाभार्थियों का ट्रस्ट द्वारा सम्मान किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने सभी का स्वागत एवं धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मांगीलाल मेहता, ललित मेहता, डॉ विजय कुमार सुराना, विनोद मुणोत, श्रीपाल गांधी, अरविंद बागरा, राकेश सालेचा, महावीर पीपाडा, गौतम निबजिया सहित अनेक भक्त उपस्थित रहे।

प्रभु भजन के बिना भगवान की प्राप्ति नहीं हो सकती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वी भव्यगुणाश्रीजी अक्कीपेट से विहार करके केंट स्थित मुनिसुव्रत स्वामी संघ में पहुंची। मोहनलाल बोहरा ने बताया कि साध्वीवृंद का अक्षत से बधाकर स्वागत किया गया। साध्वीवृंद का राजमल गुलेच्छा के घर पगलिया करके वसंतराज भंसाली के यहा स्थिरता रहेगी। विहार सेवा में सभी ने लाभ लिया। इस मौके पर साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि इस संसार में प्रभु भजन किए बिना भगवान को प्राप्त नहीं किया जा सकता। प्रभु भक्ति करने से ही दुखों का अंत होता है। इसलिए इंसान को जब भी समय मिले भगवान का भजन जरूर करना चाहिए। साध्वी शीतल गुणाश्री ने कहा कि जब भी किसी साधु संत को दान करें तो मन पवित्र, आहार निर्दोष और भाव भी पवित्र होना चाहिए। बहता पानी शुद्ध होता है। उसी प्रकार विचरण करते संत चलते-फिरते पवित्र तीर्थ समान होते हैं। संत घर-घर भिक्षा और गांव-गांव विहार करता है। इससे समाज शक्तिशाली ऊर्जावान गतिमान सजग रहता है। संत समाज और दूसरों के कल्याण के लिए निरंतर परिश्रम का पुरुषार्थ करता है इसलिए उसकी आत्मा पवित्र रहती है।

दूसरे धर्म के युवक के साथ स्कूटर पर जा रही युवती को बजरंग दल वालों ने रोका

दक्षिण कन्नड़। कर्नाटक के कन्नड़ जिले के मंगलूरु में मोरल पुलिसिंग की एक घटना के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिससे इलाके में तनाव फैल गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अक्षय राव और शिबिन पड्डिकल के रूप में की गई है।

पुलिस अभी तक उनके हिंदू संगठनों से जुड़े होने की पुष्टि नहीं कर पाई है और फिलहाल उनसे पूछताछ कर रही है। सोमवार शाम की घटना के बाद मॉर्गन्स गेट इलाके में दो धर्मों के युवा इकट्ठा हो गए और उनमें तीखी बहस हो गई। पुलिस के मुताबिक, चिक्कमगलुरु की एक युवती दूसरे धर्म के युवक के साथ स्कूटर पर जा रही थी। वे दोनों मंगलूरु में एक स्टॉल पर काम करते थे।

कुछ देर से उन्हें एक साथ घूमते देख बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उनका पीछा किया और पूछताछ के लिए रोका और लड़की पर दूसरे समुदाय के लड़के के साथ रहने का आरोप लगाते हुए तमाशा करने लगे। घटना की जानकारी होने पर दोनों धर्मों के युवक मौके पर पहुंचे और बहस करने लगे। पांडेश्वरा पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ और दोनों को थाने ले गई।

चन्दनबाला महिला मंडल ने मनाई तीसवीं वर्षगांठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां अक्कीपेट के श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में साध्वी डॉ. प्रतिभा श्रीजी की निष्काम निश्रा में श्री चंदनबाला महिला मंडल, अक्कीपेट ने अपनी तीसवीं वर्षगांठ समारोह का आयोजन हर्षोल्लास से मनाया। महिला मंडल की मंत्री प्रभा सालेचा ने सभी का स्वागत किया। प्रतिभा बालिका मंडल की कन्याओं ने नारी किसी भी रूप में, किसी भी क्षेत्र में, कहीं भी पीछे नहीं है की प्रस्तुति दी। महिला एक मां होने के साथ-साथ डाक्टर, वकील, इंजीनियर, पायलट, नेता, आर्मी अफसर किसी भी क्षेत्र पीछे नहीं है। साध्वीश्री प्रतिभाश्रीजी ने अपने आशीवर्चन से सभी को प्रेरित किया। मंडल की अध्यक्ष दमयंती लुंकड़ ने अपने विचार व्यक्त किए। संघ के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने अपने विचारों से मंडल का उत्साह बढ़ाया और तीसवीं वर्षगांठ की शुभकामनाएं दीं। संघ की ओर से मंडल का सम्मान भी किया गया। स्नेहा वडेरा एवं सिमोन सालेचा ने मंच संचालन किया। लीला लुंकड़ ने आभार व्यक्त किया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com